RNI NO . KARHIN/2021/82440 | बेंगलूरु,बुधवार,02 सितम्बर 2026 | वर्ष-6, अंक- 64 | पृष्ठ-8, मूल्य- 5 रुपए | HIND SAGAR PRAHARI LOKTANTRA KA

CBC IMPANNELMENT CODE: 134480

दैनिक हिन्दी समाचार पत्र

हिन्द सागर प्रहरी लोकतंत्र का

जनसूचना से जनजागरण
आम आदमी का मीडिया मंच

Posted at Bengaluru PSO, Bengaluru - 560026, Daily Newspaper. Regd. No.KRNA/BGE-1172/2023-2025

प्रधान संपादक: शिवसागर पाण्डेय

बेंगलुरु और लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

ಹಿಂದ್ ಸಾಗರ್ ಪ್ರಹರಿ ಲೋಕ್ ತಂತ್ರ ಕಾ...

आतंकवाद पर पीएम मोदी का सख्त रुख

फंडिंग रोकें, तभी खत्म होगा पूरा नेटवर्क... डबल स्टैंडर्ड की कोई जगह नहीं

बिश्केक: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) को आतंकवाद के पूरे तंत्र को खत्म करने और उसे मिलने वाली वित्तीय मदद रोकने के लिए एकजुट होकर काम करना होगा तथा आतंकवाद से निपटने में दोहरे मानदंडों के लिए कोई जगह नहीं हो सकती। प्रधानमंत्री ने किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में एससीओ के वार्षिक शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि युद्ध के मैदान में किसी समस्या का समाधान नहीं निकल सकता तथा दुनिया के सभी युद्ध एवं संघर्ष का हल संवाद एवं कूटनीति के जरिये निकाला जाना चाहिए। मोदी ने इस बात पर भी जोर दिया कि संपर्क बढ़ाने वाली परियोजनाओं में सभी देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान किया जाना चाहिए। उनकी इस टिप्पणी को चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव की ओर परोक्ष संकेत के रूप में देखा जा रहा है। आतंकवाद से निपटने की जरूरत पर प्रधानमंत्री की टिप्पणी ऐसे समय में विशेष महत्व रखती है जब भारत सीमा पार आतंकवादी गतिविधियों को लेकर पाकिस्तान को अलग-थलग करने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। मोदी ने कहा, हमें आतंकवाद के पूरे तंत्र को खत्म करने के साथ-साथ उसे मिलने वाली वित्तीय मदद को भी रोकना होगा। उन्होंने कहा, हमें एक स्वर में कहना होगा कि आतंकवाद से निपटने में दोहरे मानदंडों के लिए कोई जगह नहीं हो सकती। प्रधानमंत्री ने कहा कि युद्ध एवं संघर्षों का समाधान युद्ध के मैदान में नहीं निकल सकता और इन्हें संवाद एवं कूटनीति के जरिये सुलझाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत बाजारों को जोड़ने, व्यापार को सुगम बनाने और विकास के नए रास्ते खोलने वाले सभी प्रयासों का समर्थन करता है। मोदी ने साथ ही कहा कि संपर्क बढ़ाने के प्रयासों में सभी देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, भारत के लिए एससीओ महान सभ्यताओं, संस्कृतियों और विचारों का संगम है। मोदी ने कहा कि एससीओ को लेकर भारत की सोच के तीन मुख्य स्तंभ-सुरक्षा, संपर्क और अवसर हैं।

उत्तराखंड में लगातार बारिश जारी

अल्मोड़ा में घर गिरने से तीन लोगों की मौत

देहरादून: उत्तराखंड में लगातार हो रही बारिश ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है। नदियों और नालों में जलस्तर बढ़ने, भूस्खलन और यातायात बाधित होने की खबरें राज्य के कई हिस्सों से आ रही हैं। मौसम विभाग ने मंगलवार को उत्तराखंड के अधिकांश हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ तूफान आने का पूर्वानुमान लगाया है। देहरादून और टिहरी जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है, जिसमें भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। पौड़ी गढ़वाल, उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर, चंपावत, नैनीताल और हरिद्वार के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। इसी बीच, अल्मोड़ा जिले के वदुय्या गांव में लगातार बारिश के बीच एक घर गिरने से एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई। बताया जाता है कि यह घटना मंगलवार तड़के हुई जब परिवार के सदस्य घर के अंदर सो रहे थे। लगातार बारिश के कारण अचानक इमारत ढह गई। तेज आवाज और चीख-पुकार सुनकर ग्रामीण घटनास्थल की ओर दौड़े और तुरंत पुलिस एवं स्थानीय प्रशासन को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ), पुलिस, राजस्व विभाग, अग्निशमन सेवा और आपदा प्रबंधन अधिकारियों की टीमें मौके पर पहुंचीं। स्थानीय ग्रामीणों की सहायता से बचाव अभियान शुरू किया गया। काफी मशक्कत और भारी मलबे के बीच बचाव दल ने तीनों पीड़ितों को ढह चुकी इमारत से बाहर निकालने में कामयाबी हासिल की। हालांकि, जब तक उन्हें बचाया गया, तब तक तीनों की मौत हो चुकी थी। पिछले दो दिनों से अल्मोड़ा में हो रही भारी बारिश ने कई इलाकों में जनजीवन को प्रभावित कर दिया है। कई स्थानों पर सड़कें अवरुद्ध हो गई हैं, जबकि पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन का खतरा बना हुआ है। देहरादून में दलानवाला के मोहिनी रोड पर स्थित पुल के पास रिस्पना नदी का जलस्तर रात करीब 1 बजे बढ़ गया। तेज धारा और तेजी से बढ़ते जलस्तर ने आसपास के इलाकों में रहने वाले लोगों के बीच चिंता पैदा कर दी। पुलिस टीमें बाढ़ की आशंका वाले इलाकों में नियमित गश्त कर रही हैं और नदियों, नालों और अन्य जल निकायों पर कड़ी नजर रख रही हैं। लगातार बारिश की संभावना को देखते हुए अधिकारी घटनाक्रम पर भी बारीकी से नजर रख रहे हैं।

लखनऊ में मूसलाधार बारिश, सड़कें बनीं तालाब

लखनऊ : लखनऊ में मंगलवार को करीब 2 घंटे गरज-चमक के साथ मूसलाधार बारिश हुई। काले बादल छाए गए। दिन में ही अंधेरा छा गया। हेडलाइट और डीपर जलाकर गाड़ियां चलीं। जगह-जगह सड़कों पर 2 फीट तक जलभराव हो गया। शहीद पथ, कमता तिराहा, पॉलीटेक्निक, बुद्धेश्वर चौराहा आदि जगहों पर भीषण जाम लग गया। चिनहट के रोलेक्स अपार्टमेंट के सामने सीवर मैनहोल के पास करीब 8 फीट सड़क धंस गई। इंदिरानगर, गोमतीनगर और सीतापुर रोड इलाके में घरों के बेडरूम तक पानी घुस गया। चिनहट के अशरफ विहार कालोनी में करीब 3 घंटे बत्ती गुल रही। वहीं, 1 सितंबर तक सामान्य बारिश का औसत 523.9 मिलीमीटर है। अब तक 525.5 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है। यानी सामान्य से 1.6 मिलीमीटर ज्यादा बारिश हुई है। 5 सितंबर तक बारिश का अलर्ट जारी है। लालबाग में तेज बारिश के बाद चर्च वाली सड़क पर पानी भर गया। सड़क पर जलभराव होने से राहगीरों और वाहन चालकों को आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सिविल अस्पताल में तेज बारिश के बाद जलभराव हो गया। अस्पताल परिसर में पानी भरने से मरीजों और तीमारदारों को आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अलीगंज में तेज बारिश के बाद सड़क पर पानी भर गया। जलभराव के कारण राहगीरों और वाहन चालकों को आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लखनऊ में तेज बारिश के बाद हाईकोर्ट जाने वाली सड़कों पर जलभराव हो गया। सड़कें पानी में डूब गईं, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रहीमाबाद में मूसलाधार बारिश शुरू हो गई है। तेज बारिश के कारण सड़कों पर पानी भरने लगा है और लोगों को आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

कोर्ट ने सीजेपी प्रोटेस्ट की सभी एफआईआर रद्द कीं

नयी दिल्ली : नीट यूजी पेपर लीक के खिलाफ हुए प्रदर्शनों में शामिल छात्रों को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। मंगलवार को मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने दिल्ली समेत पांच राज्यों में दर्ज प्रदर्शन से संबंधित एफआईआर को रद्द करने का आदेश दिया। कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत मिले अपने विशेष अधिकार का इस्तेमाल करते हुए यह राहत दी। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद प्रदर्शनकारी संगठन सीजेपी ने भी 5 सितंबर को प्रस्तावित मार्च वापस लेने का फैसला किया है। संगठन की ओर से कोर्ट को बताया गया कि केंद्र सरकार के भरोसे और अदालत के आदेश को देखते हुए मार्च स्थगित किया जा रहा है। उसुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के अलावा असम, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और बिहार में नीट प्रदर्शन से जुड़ी एफआईआर खत्म करने का निर्देश दिया है। ये मामले 20 से 25 जुलाई के बीच हुए विरोध प्रदर्शनों से संबंधित बताए गए हैं। मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने की। दिल्ली पुलिस और संबंधित राज्य सरकारों की ओर से भी अनुच्छेद 142 के तहत इन मामलों को समाप्त करने की मांग की गई थी। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने केंद्र सरकार का पक्ष रखते हुए कहा कि सरकार प्रदर्शनकारियों के साथ बातचीत के दौरान दिए गए भरोसे पर कायम है। उन्होंने बताया कि नीट प्रदर्शन के दौरान आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिवारों को मुआवजा दिया जाएगा। केंद्र ने मुआवजे की प्रक्रिया तय करने के लिए तीन महीने का समय मांगा है। इसके लिए संबंधित राज्य सरकारों और अन्य पक्षों के साथ बातचीत कर व्यवस्था तय की जाएगी। हालांकि प्रदर्शन से जुड़ी एफआईआर में छात्रों को राहत मिली है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने 2,873 ऐसे लोगों के खिलाफ नई एफआईआर दर्ज करने की अनुमति दी है, जिनके बारे में आपराधिक इतिहास होने की जानकारी दी गई है। सॉलिसिटर जनरल ने अदालत को बताया कि इन लोगों का आपराधिक रिकॉर्ड मौजूद है। सुनवाई के दौरान वकील हरिहरन ने इन लोगों की सूची मांगी, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि किन व्यक्तियों के खिलाफ उनके कथित आपराधिक रिकॉर्ड के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों से आपसी विश्वास के साथ बातचीत जारी रखने की अपील की। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि अगर दोनों पक्ष खुले दिमाग से बातचीत करें तो मुश्किल मुद्दों का समाधान भी निकाला जा सकता है। तुषार मेहता ने भी कहा कि सरकार और प्रदर्शनकारियों के बीच बातचीत सकारात्मक और रचनात्मक रही है।

कौशांबी पटाखा फैक्ट्री विस्फोट, 11 मौतों के बाद सात पुलिसकर्मी निलंबित

मुख्य आरोपी नौशाद मुठभेड़ में गिरफ्तार

कौशांबी : उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले में अवैध पटाखा निर्माण और भंडारण के दौरान हुए भीषण विस्फोट के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। हादसे में 11 लोगों की मौत और पांच के गंभीर रूप से घायल होने के बाद जहां पिपरी थाने के तत्कालीन प्रभारी निरीक्षक समेत सात पुलिसकर्मियों को लापरवाही बरतने पर निलंबित कर दिया गया है, वहीं पुलिस ने मंगलवार तड़के मुठभेड़ के बाद मुख्य आरोपी और फैक्ट्री संचालक नौशाद को गिरफ्तार कर लिया। जवाबी कार्रवाई में उसके पैर में गोली लगी है। पुलिस के मुताबिक, 31 अगस्त को सुबह करीब 11.30 बजे पिपरी थाना क्षेत्र के चिल्ला शाहबाजी गांव स्थित अवैध पटाखा निर्माण एवं भंडारण कारखाने में भीषण विस्फोट हुआ था। विस्फोट में 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हुए। घटना के संबंध में पिपरी थाने में छह आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, मंगलवार तड़के करीब चार बजे चरवा थाना क्षेत्र के तेरह मील-सैयद सरावां मार्ग पर मुख्य आरोपी नौशाद को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया गया। पुलिस को मुखबिर खास से सूचना मिली थी कि पटाखा फैक्टरी विस्फोट का मुख्य आरोपी घटना के बाद शहर छोड़कर फरार होने की कोशिश में है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने घेराबंदी की। सीओ शिवांक सिंह ने बताया कि घटना के बाद मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चार टीमें गठित की गई थीं। टीमें लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही थीं। इसी दौरान मिली सटीक सूचना के आधार पर नौशाद की घेराबंदी की गई। उन्होंने बताया कि खुद को घिरता देख आरोपी ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षार्थ जवाबी फायरिंग की, जिसमें उसके पैर में गोली लगी। घायल आरोपी की पहचान नौशाद पुत्र निजामुद्दीन, निवासी महमदपुर मनौरी के रूप में हुई। उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल मंझनपुर भेजा गया है। पुलिस ने आरोपी के पास से एक अवैध तमंचा भी बरामद किया है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि विस्फोट के बाद नौशाद कहां-कहां छिपा रहा और फरार होने में किन लोगों ने उसकी मदद की। मामले में शामिल अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए भी पुलिस की टीमें दबिश दे रही हैं। वहीं, पुलिस महानिरीक्षक, प्रयागराज परिक्षेत्र की ओर से जारी प्रेस नोट के मुताबिक, जांच में सामने आया है कि पटाखा निर्माण एवं भंडारण कारखाने के संचालन की अनुमति 31 मार्च 2026 तक के लिए जारी की गई थी, लेकिन अनियमितता पाए जाने पर इसे 4 अप्रैल 2024 को ही निलंबित कर दिया गया था। इसके बावजूद आरोपी पक्ष द्वारा अवैध रूप से पटाखा निर्माण और भंडारण का काम जारी रखा गया। पुलिस के अनुसार, इस संबंध में तत्कालीन थाना प्रभारी ने 9 अक्टूबर 2024 को पिपरी थाने में मुकदमा दर्ज कराया था।

तृणमूल सांसद अभिषेक बनर्जी पुलिस के सामने हुए पेश, होर्डिंग विवाद में हुई थी झड़प

कोलकाता : तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी मंगलवार को कोलकाता पुलिस के समक्ष पेश हुए। उन्हें पिछले सप्ताह पार्टी के चिह्न वाला एक होर्डिंग हटाने को लेकर उनके कार्यालय के निजी सुरक्षा कर्मियों और अधिकारियों के बीच हुई झड़प के मामले में पुलिस ने नोटिस जारी किया था। बनर्जी दोपहर करीब सवा 12 बजे शेक्सपियर सरणी पुलिस थाने पहुंचे। इस दौरान उनके समर्थकों ने नारेबाजी की। अधिकारियों ने बताया कि 27 अगस्त को कैमैक स्ट्रीट स्थित बनर्जी के कार्यालय में हुई झड़प के बाद पुलिस ने कई लोगों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि इस घटना के संबंध में तीन प्राथमिकियां दर्ज की गई हैं, जिनमें से दो में अभिषेक बनर्जी को आरोपी बनाया गया है। पार्टी के वरिष्ठ नेता डेरेक ओश्ब्रायन और पूर्व विधायक हुमायूं कबीर के नाम भी प्राथमिकी में शामिल हैं। अधिकारियों के अनुसार, ओश्ब्रायन को भी रविवार को पुलिस ने नोटिस जारी किया था। अभिषेक बनर्जी के कार्यालय के निजी सुरक्षा कर्मियों, उनके समर्थकों और कुछ पार्टी नेताओं की पुलिस तथा कोलकाता नगर निगम (केएमसी) के अधिकारियों के साथ झड़प हो गई थी। वे पुलिस और निगम अधिकारियों को कैमैक स्ट्रीट स्थित इमारत में प्रवेश करने और वहां लगे एक अनधिकृत होर्डिंग को हटाने से रोकने की कोशिश कर रहे थे।

सार संक्षेप

भारत-जीएसटी संग्रह अगस्त में बढ़कर 2 लाख करोड़ रुपए रहा

नयी दिल्ली : भारत का सकल वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह अगस्त 2026 में सालाना आधार पर 14.8 प्रतिशत बढ़कर 1,99,853 करोड़ रुपए हो गया है, जो कि पिछले साल समान अवधि में 1,74,116 करोड़ रुपए था। यह जानकारी मंगलवार को जारी किए गए सरकारी डेटा में दी गई। हालांकि, मासिक आधार पर इसमें गिरावट देखने को मिली है। जुलाई 2026 में जीएसटी संग्रह 2.11 लाख करोड़ रुपए था। आंकड़ों के मुताबिक, संग्रह में वृद्धि की मुख्य वजह आयातित वस्तुओं और सेवाओं से जीएसटी राजस्व में इजाफा होना है, जो कि अगस्त में सालाना आधार पर 29 प्रतिशत बढ़कर 62,604 करोड़ रुपए हो गया है। घरेलू वस्तुओं और सेवाओं से जीएसटी आय अगस्त में सालाना आधार पर 9.3 प्रतिशत बढ़कर 1,37,249 करोड़ रुपए हो गई है।

रुपए में मजबूती, डॉलर के मुकाबले 26 पैसे चढ़ा

मुंबई : रुपया मंगलवार को शुरूआती कारोबार में 26 पैसे चढ़कर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.96 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि डॉलर के मुकाबले रुपए को निकट अवधि में 95.10-95.20 के आसपास मजबूत समर्थन मिलता दिख रहा है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.06 प्रति डॉलर पर खुला। इसके बाद इसमें तेजी आई और यह 26 पैसे की बढ़त दर्ज करते हुए 94.96 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। रुपए ने सोमवार को शुरूआती नुकसान की भरपाई की और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 21 पैसे की बढ़त के साथ 95.22 पर बंद हुआ था। इस बीच, दुनिया की छह मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 प्रतिशत की बढ़त के साथ 99.46 पर रहा। अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट कच्चा तेल वायदा कारोबार में 0.63 प्रतिशत चढ़कर 91.06 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। घरेलू शेयर बाजार में सेंसेक्स शुरूआती कारोबार में 121.48 अंक टूटकर 76,835.79 अंक पर जबकि निफ्टी 52.6 अंक फिसलकर 24,027.80 अंक पर आ गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने सोमवार को शुद्ध आधार पर 7,985.88 करोड़ रुपए मूल्य के शेयर बेचे।

राहुल गांधी का भाजपा पर हमला, बोले-

वोट चोरी के तरीके बदलते हैं, मकसद सिर्फ जिताना है

नयी दिल्ली: कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने महाराष्ट्र में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद मतदाता सूची से दो करोड़ से अधिक नाम कटने को लेकर मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) तथा निर्वाचन आयोग पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि वोट चोरी के तरीके बदलते रहते हैं, लेकिन मकसद किसी भी कीमत पर भाजपा की जीत सुनिश्चित करना है। गांधी ने एक्स पर एक पोस्ट में दावा किया कि महाराष्ट्र में 2024 के लोकसभा और विधानसभा चुनावों के बीच अचानक 39 लाख नए मतदाता जुड़े थे। उन्होंने कहा, मैंने तब भी कहा था, आज भी कहता हूं कि यह वोट चोरी थी। कांग्रेस नेता ने पश्चिम बंगाल में 2026 के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का जिक्र करते हुए दावा किया कि जिन नामों को मतदाता सूची से हटाया गया था, उनमें से 91 प्रतिशत नाम अपील के बाद वापस जोड़ने पड़े। उन्होंने कहा कि इसका मतलब है कि हर 10 में से 9 नाम गलत तरीके से काटे गएश्और इन नामों को चुनाव के बाद ही जोड़ा गया। गांधी ने इसे भी वोट चोरी करार दिया। गांधी ने महाराष्ट्र में मतदाता सूची से 2.07 करोड़ मतदाताओं के नाम हटाए जाने का दावा करते हुए सवाल उठाया कि लोकसभा चुनाव 2024 में 9.29 करोड़, विधानसभा चुनाव 2024 में 9.7 करोड़ और एसआईआर 2026 में 7.78 करोड़ मतदाताओं की संख्या में से कौन सी सूची सही थी? उन्होंने आरोप लगाया, वोट चोरी से बनी सरकार के लिए जनता जरूरी नहीं हैकृयही कारण है कि ये भाजपा न जनता की सुनती है, न उनका आदेश मानती है। महाराष्ट्र में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के तहत जारी मसौदा मतदाता सूची में 2.06 करोड़ लोगों के नाम हटाए गए, जो पिछले मतदाताओं का करीब 21.14 प्रतिशत है। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) ने सोमवार को यह जानकारी दी।

जेपीएनआईसी को लेकर एलडीए की रिपोर्ट पर बरसे अखिलेश

कोई व्यापारी घाटे का सौदा करेगा?

लखनऊ,। लखनऊ के जय प्रकाश नारायण इंटरनेशनल सेंटर को लेकर सियासत थमने का नाम नहीं ले रही है। लखनऊ विकास प्राधिकरण ने दावा किया इसके संचालन से एलडीए को 555 करोड़ का नुकसान होगा।जिसपर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने पलटवार किया है।उन्होंने कहा कि अगर इसके संचालन से नुकसान होगा तो कोई व्यापारी घाटे का सौदा क्यों करेगा।उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर जेपीएनआईसी को लेकर दी गई एलडीए की रिपोर्ट पर सवाल उठाए। एलडीए को होने वाले नुकसान को लेकर भी घेरा और कहा मुख्यमंत्री हो या इसका संचालन करने वाला विभाग आखिर वो जेपीएनआईसी को बेचने पर इतनी सफाई क्यों दे रहे हैं क्या कोई गड़बड़ है?अखिलेश यादव ने लिखा-ये तो एलडीए ने सच ही कहा कि अगर जेपीएनआईसी भाजपा सरकार चलाएगी तो हजारों करोड़ का नुकसान होगा क्योंकि सारी कमाई ये कमीशनखोर भाजपाई और उनके भ्रष्ट अधिकारी खा जाएंगे।वैसे एलडीए के इन ज्ञानियों-अधिकारियों से ये पूछा जाए कि क्या कोई व्यापारी घाटे का सौदा करेगा मतलब भाजपा और उनके नालबद्ध अधिकारियों को कमीशन भी खिलाएगा और घाटा भी उठाएगा.अखिलेश ने लिखा अब तो जनता एलडीए से पूछ रही है, इस रिपोर्ट को बनाने के लिए आपको कितना परसेंट कमीशन मिला? एलडीए अपनी फुल फार्म बदलकर, ये कर ले ,लखनऊ डिस्ट्रक्शन अथॉरिटी।जनता पूछ रही है कि मुख्यमंत्री और उनके सरकारी विभाग-महकमे जेपीएनआईसी बेचने पर इतनी ज्यादसफाई क्यों दे रहे हैं।जनता को ऐसा क्यों लागा, कुछ तो गड़बड़ है।एलडीए ने जेपीएनआईसी का निजीकरण किए जाने के पक्ष में रिपोर्ट बनाई हैं, जिसमें दावा एलडीए ने दावा किया है कि अगर वो इसका संचालन करते है तो इससे 555 करोड़ का नुकसान होगा। शुरूआत में 150 करोड़ रुपये का निवेश करना होगा और 30 साल के संचालन और रखरखाव में 1700 करोड़ रुपये का खर्च आएगा।

KCR विधानसभा नहीं आते तो नेता प्रतिपक्ष पद से दें इस्तीफा: रेवंत रेड्डी

हिन्द सागर प्रलोका, संवाददाता।

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) अध्यक्ष और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष के. चंद्रशेखर राव (ङउफ) पर विधानसभा से लगातार अनुपस्थित रहने का आरोप लगाते हुए उनसे पद से इस्तीफा देने की मांग की है। उन्होंने कांग्रेस कार्यकताओं से इस मुद्दे पर सड़क पर आंदोलन करने की अपील भी की।

रेवंत रेड्डी ने दावा किया कि कांग्रेस सरकार के एक हजार दिन पूरे होने के दौरान ङउफ विधानसभा से दूर रहे। उनके अनुसार, इस अवधि में ङउफ को करीब 1.24 करोड़ रुपये वेतन दिया गया, जबकि उनकी सुरक्षा, बुलेटप्रूफ वाहनों और अन्य सुविधाओं पर सरकार ने करीब 21 करोड़ रुपये खर्च किए। इस तरह कुल खर्च 22.24 करोड़ रुपये से अधिक रहा।

मुख्यमंत्री ने सवाल किया कि ङउफ ने गरीबों, महिलाओं, छात्रों, किसानों, दलितों और आदिवासियों की समस्याओं के समाधान के लिए कितना समय दिया। उन्होंने ङउफ को चुनौती दी कि 7 सितंबर से शुरू होने वाले विधानसभा के मानसून सत्र में शामिल होकर दिखाएं। रेवंत रेड्डी ने कहा कि क्या देश में कोई ऐसा विपक्षी नेता है, जो एक हजार दिनों तक अपने फार्महाउस से बाहर न निकला हो।

केरल में एक और एसआईटी गठित, पुराने विवादित मामलों की जांच तेज

हिन्द सागर प्रलोका, संवाददाता।

तिरुवनंतपुरम। केरल में मुख्यमंत्री वीडी सतीशन के नेतृत्व वाली यूडीएफ सरकार ने सत्ता संभालने के बाद पुराने और चर्चित मामलों की जांच तेज कर दी है। पूर्व स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज से जुड़े कन्नूर रेलवे स्टेशन प्रकरण की जांच के लिए नई विशेष जांच टीम (एसआईटी) गठित की गई है। इसके साथ ही मई में सरकार बनने के बाद गठित हाई-प्रोफाइल एसआईटी की संख्या चार हो गई है।

सरकार ने 18 मई को पहली एसआईटी गठित की थी। इसे 2023 में तत्कालीन मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के सुरक्षाकर्मियों पर यूथ कांग्रेस कार्यकताओं पर कथित हमले की जांच सौंपी गई। जांच के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एमआर अजित कुमार पर हस्तक्षेप के आरोप लगे और उन्हें निलंबित किया गया। जुलाई में गठित दूसरी एसआईटी केरल लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं की जांच कर रही है। वहीं, 31 अगस्त को गठित तीसरी एसआईटी को फुटबॉल स्टार लियोनेल मेसी और अर्जेंटीना टीम की प्रस्तावित केरल यात्रा से जुड़े वित्तीय एवं अन्य कथित अनियमितताओं की जांच का जिम्मा दिया गया है।

सबसे अधिक राजनीतिक चर्चा कन्नूर रेलवे स्टेशन मामले को लेकर है। 25 फरवरी को विधानसभा चुनाव से पहले केएसयू कार्यकर्ताओं ने तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज के खिलाफ काले झंडे दिखाकर प्रदर्शन किया था। पुलिस ने पांच कार्यकताओं को गिरफ्तार करते हुए वीना जॉर्ज पर हथियार से हमला करने और उनकी गर्दन पर गंभीर चोट लगने का मामला दर्ज किया था।

उस समय विपक्ष ने पुलिस के आरोपों पर सवाल उठाए थे। तत्कालीन विपक्ष के नेता वीडी सतीशन ने घटना को राजनीतिक नाटक बताते हुए कथित हमले के समर्थन में सीसीटीवी फुटेज होने पर सवाल उठाया था। अब नई एसआईटी मामले की शुरूआत से जांच करेगी। टीम रेलवे स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज की समीक्षा करने के साथ मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों और जांच अधिकारियों से पूछताछ करेगी। साथ ही यह भी जांचा जाएगा कि गंभीर धाराएं किन आधारों पर लगाई गई थीं। वीना जॉर्ज और उनके सुरक्षाकर्मी के बयान भी दर्ज किए जाएंगे। एसआईटी की जांच से यह स्पष्ट होने की उम्मीद है कि कन्नूर रेलवे स्टेशन मामले में दर्ज पुलिस प्रकरण उपलब्ध साक्ष्यों पर आधारित था या आरोपों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया था।

52 प्रमुख मंदिरों में कैमरा मोबाइल पर रोक, श्रद्धालु साधारण फोन ले जा सकेंगे

हिन्द सागर प्रलोका, संवाददाता।

चेन्नई। तमिलनाडु के 52 प्रमुख मंदिरों में मंगलवार से कैमरा युक्त मोबाइल फोन ले जाने पर प्रतिबंध लागू कर दिया गया है। मंदिरों की पवित्रता और आध्यात्मिक वातावरण बनाए रखने के साथ ही फोटो, वीडियो, सेल्फी और सोशल मीडिया रील बनाने पर रोक लगाने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है। हिंदू धार्मिक एवं धर्मार्थ बंदोबस्त मंत्री रमेश ने स्पष्ट किया कि प्रतिबंध केवल कैमरा वाले मोबाइल फोन पर लागू होगा। श्रद्धालु बिना कैमरे वाले साधारण मोबाइल फोन मंदिर परिसर में ले जा सकेंगे।

पहले चरण में तिरुचेंदूर, पलानी, तिरुवन्नामलाई, श्रीरंगम, रामेश्वरम, सुचिंद्रम, मदुरै अलगर, नेल्लैयप्पर सहित चेन्नई, कांचीपुरम और आसपास के कई प्रमुख मंदिरों को शामिल किया गया है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मंदिरों में शुल्क आधारित मोबाइल जमा काउंटर और सुरक्षित लॉकर की व्यवस्था की गई है। बड़े मंदिरों में 20 हजार तक मोबाइल रखने की

अधिकारियों के अनुसार, त्योहारों और विशेष अवसरों पर श्रद्धालुओं की संख्या 50 हजार से अधिक होने पर व्यवस्था पर दबाव पड़ सकता है। इसलिए श्रद्धालुओं से कैमरा मोबाइल घर, होटल या वाहन में छोड़कर आने की अपील की गई है। मंदिर परिसर में फोटो-वीडियो बनाकर वेबसाइट या सोशल मीडिया पर अपलोड करने की अनुमति देने वाले अधिकारियों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

हैदराबाद में खुलेंगे लंदन और नॉर्थईस्टर्न यूनिवर्सिटी के ऑफशोर कैंपस

हिन्द सागर प्रलोका, संवाददाता।

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को घोषणा की कि यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन और अमेरिका की नॉर्थईस्टर्न यूनिवर्सिटी हैदराबाद में अपने ऑफशोर कैंपस स्थापित करेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल हैदराबाद को वैश्विक ज्ञान और शिक्षा केंद्र बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। रेवंत रेड्डी ने बताया कि हार्वर्ड विश्वविद्यालय और उसके कुछ स्कूल भी तेलंगाना में शैक्षणिक कार्यक्रम व पाठ्यक्रम शुरू करने में रुचि दिखा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वैश्विक विश्वविद्यालयों के साथ शैक्षणिक पाठ्यक्रम, प्रमाणन कार्यक्रम, साझा अनुसंधान और उत्कृष्टता केंद्र स्थापित होने से राज्य के युवाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर की शिक्षा और कौशल के अवसर मिलेंगे।

मुख्यमंत्री के अनुसार, ऑक्सफोर्ड, कैम्ब्रिज, रडअर लंदन, इंपीरियल कॉलेज, लंदन बिजनेस स्कूल और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के साथ हुई बातचीत सकारात्मक रही है। वहीं, टक्ळ सहित कई अमेरिकी संस्थानों के साथ भी सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा हुई है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य हैदराबाद को वैश्विक शैक्षणिक शक्ति के रूप में विकसित करना और युवाओं को भविष्य की वैश्विक चुनौतियों के लिए तैयार करना है। रेवंत रेड्डी ने बताया कि उनके हालिया यूके और अमेरिका दौरे का उद्देश्य शीर्ष विश्वविद्यालयों व खेल अकादमियों के साथ सहयोग बढ़ाने के साथ-साथ निवेश आकर्षित करना था। हैदराबाद में 7 से 9 दिसंबर तक प्रस्तावित इन्वेस्ट तेलंगाना समिट के लिए निवेशकों को आमंत्रित करना भी दौरे का हिस्सा था।

गड्ढे में लेटकर फिरोज ने किया अनोखा प्रदर्शन, सड़क मरम्मत की मांग

हिन्द सागर प्रलोका, संवाददाता।

हैदराबाद। पुराने शहर की इमलीबन-पुतलीबोवली रोड पर सड़क पर बने बड़े गड्ढे के विरोध में फिरोज नामक व्यक्ति ने अनोखे तरीके से प्रदर्शन किया। रविवार शाम गौलीगुडा बस स्टैंड के पास वह गड्ढे में ही लेट गया और प्रशासन से तत्काल सड़क की मरम्मत कराने की मांग की।

फिरोज ने कहा कि स्थानीय लोग कई दिनों से सड़क की खराब स्थिति की शिकायत कर रहे हैं, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ। उनके प्रदर्शन का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद नगर निकाय की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे।

प्रदर्शन के कारण यातायात प्रभावित होने पर ट्रैफिक पुलिस मौके पर पहुंची और उन्हें हटने के लिए समझाया। पुलिस ने सड़क की जल्द मरम्मत का भरोसा दिलाया। वहीं, ऋ्ळटउ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सड़क पर पहले भी तीन बार पैचवर्क किया जा चुका है, लेकिन लगातार पानी जमा होने से सड़क दोबारा खराब हो गई। ट्रैफिक विभाग से अनुमति मिलते ही क्षतिग्रस्त हिस्से की फिर से मरम्मत की जाएगी।

बाघों के संरक्षण के लिए आंध्र प्रदेश में राज्य स्तरीय संचालन समिति गठित

हिन्द सागर प्रलोका, संवाददाता।

अमरावती। आंध्र प्रदेश सरकार ने नागार्जुनसागर-श्रीशैलम टाइगर रिजर्व (एनएसटीआर) में बाघों और वन्यजीवों के संरक्षण को प्रभावी बनाने के लिए राज्य स्तरीय संचालन समिति का गठन किया है। पर्यावरण, वन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग ने सोमवार को इस संबंध में आदेश जारी किया।

वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की धारा 38यू के तहत गठित समिति के अध्यक्ष मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू होंगे, जबकि उपमुख्यमंत्री एवं वन मंत्री पवन कल्याण उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी संभालेंगे। प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) एवं मुख्य वन्यजीव वार्डन सदस्य-सचिव होंगे। जनजातीय कल्याण, पंचायत राज और सामाजिक न्याय विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों सहित वन्यजीव विशेषज्ञों और जनजातीय प्रतिनिधियों को भी समिति में शामिल किया गया है। समिति का मुख्य कार्य एनएसटीआर में बाघों के संरक्षण, निगरानी और सुरक्षा के साथ शिकार प्रजातियों, सह-शिकारी जीवों, वन आवास और जल स्त्रोतों के संरक्षण पर विभिन्न विभागों के बीच समन्वय स्थापित करना होगा। इसका उद्देश्य बाघों के लिए अनुकूल प्राकृतिक आवास सुनिश्चित कर उनकी आबादी के संरक्षण को मजबूत करना है।

अधिनियम के तहत बाघ क्षेत्र वाले राज्यों में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में ऐसी राज्य स्तरीय संचालन समिति का गठन अनिवार्य है। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण की नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, सभी बाघ क्षेत्र वाले राज्यों में इस तरह की समितियां गठित की जा चुकी हैं।

तमिलनाडु में एथेनॉल प्लांट का विरोध तेज, 1 टीएमसी से अधिक पानी की खपत पर चिंता

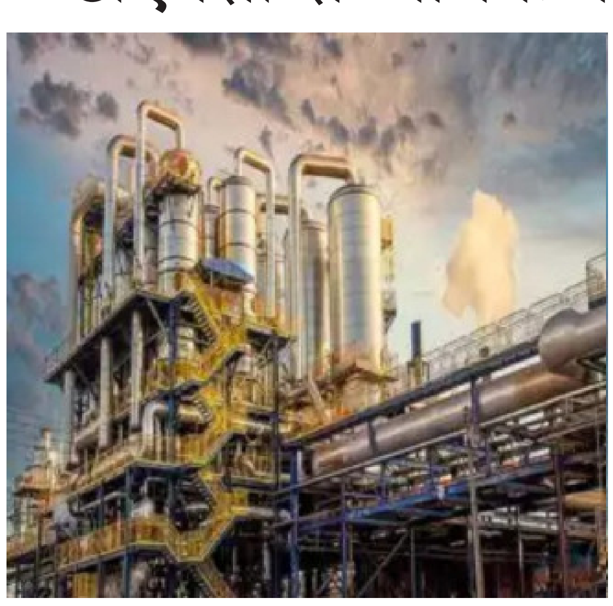

हिन्द सागर प्रलोका, संवाददाता।

करूर। करूर जिले में प्रस्तावित एथेनॉल निर्माण इकाई को लेकर पर्यावरण कार्यकताओं का विरोध तेज हो गया है। कार्यकताओं ने मंगलवार को होने वाली सार्वजनिक सुनवाई रद्द करने की मांग करते हुए सोमवार को जिला कलेक्टर सी. मुथुकुमारन को ज्ञापन सौंपा।

कार्यकताओं के अनुसार, प्रस्तावित प्लांट को प्रतिदिन करीब 37 लाख लीटर पानी की आवश्यकता होगी। सालाना खपत 1 टीएमसी से अधिक होने का अनुमान है। उनका कहना है कि इतनी बड़ी मात्रा में पानी के इस्तेमाल से क्षेत्र के जलस्त्रोतों, आर्द्रभूमि और कृषि पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। प्रस्तावित ग्रीन एनर्जी प्योर एथेनॉल प्राइवेट लिमिटेड की इकाई करूर जिले के कुलिथलाई और तिरुचि जिले के पेट्टावैथलाई के बीच कुमारमंगलम में करीब 35 एकड़ आर्द्रभूमि क्षेत्र में स्थापित करने की योजना है।

पर्यावरण संगठनों के प्रतिनिधियों ने बताया कि स्थानीय ग्रामीणों ने 15 अगस्त को हुई ग्राम सभा में परियोजना का सर्वसम्मति से विरोध करते हुए प्रस्ताव पारित किया था। इसके बावजूद सार्वजनिक सुनवाई कराए जाने पर उन्होंने सवाल उठाए हैं। मूवमेंट अगेंस्ट इल्लीगल क्वेरीज के समन्वयक एवं अधिवक्ता एन. शनमुगम ने कहा कि कावेरी जल बंटवारे को लेकर पहले से विवाद की स्थिति में राज्य को उद्योग के लिए इतनी बड़ी मात्रा में पानी आवंटित करने में सावधानी बरतनी चाहिए। उन्होंने परियोजना को मंजूरी देने से पहले जल उपलब्धता, कृषि और पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव का गंभीरता से आकलन करने की मांग की।

डॉ. निशिकांत ने हैदराबाद मैराथन में 42.195 किमी की दौड़ पूरी की

हिन्द सागर प्रलोका, संवाददाता।

बीआइटी मेसरा के डिपार्टमेंट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. निशिकांत कुमार ने एनएमडीसी हैदराबाद मैराथन 2026 में फुल मैराथन पूरी कर एक और उपलब्धि हासिल की। उन्होंने 42.195 किलोमीटर की दूरी 5 घंटे 17 मिनट में पूरी की।

देश की प्रमुख सिटी मैराथनों में शामिल इस आयोजन में 32 हजार से अधिक धावकों ने विभिन्न स्पधाओं में हिस्सा लिया। फुल मैराथन में तीन हजार से अधिक धावक शामिल हुए। प्रतियोगिता वर्ल्ड एथलेटिक्स लेबल रोड रेस थी और इस वर्ष इसे वर्ल्ड एथलेटिक्स एबीडब्ल्यू सिल्वर स्टैंडर्ड की मान्यता मिली।

डॉ. निशिकांत इससे पहले मुंबई मैराथन में 4:23:11 का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय दर्ज कर चुके हैं। वे देश के विभिन्न शहरों में मैराथन में भाग लेकर बीआइटी मेसरा का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

उनका अगला लक्ष्य टाटा स्टील कोलकाता 25के मैराथन है, जिसकी तैयारी उन्होंने शुरू कर दी है।

जोमैटो ने बदला ग्राहक सहायता मॉडल, हैदराबाद केंद्र बंद; 250 कर्मचारियों पर असर

हिन्द सागर प्रलोका, संवाददाता।

नई दिल्ली। ऑनलाइन खाद्य वितरण कंपनी जोमैटो ने अपने ग्राहक सहायता संचालन में बड़ा बदलाव किया है। कंपनी ने हैदराबाद स्थित ग्राहक सहायता केंद्र बंद कर दिया है, जिससे करीब 250 कर्मचारियों पर असर पड़ा है। प्रभावित कर्मचारियों को सोमवार को इसकी जानकारी दी गई।

कंपनी अब ग्राहक सहायता के इन-हाउस संचालन को गुरुग्राम मुख्यालय के आसपास केंद्रित करेगी और कुछ सेवाओं के लिए बाहरी सेवा प्रदाताओं की मदद बढ़ाएगी। इसका उद्देश्य सहायता व्यवस्था को केंद्रीकृत करने के साथ उत्पाद, प्रौद्योगिकी और कारोबार टीमों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करना है।

रिपोर्ट के मुताबिक, प्रभावित कर्मचारियों को अगस्त का पूरा वेतन, चार महीने का मुआवजा, नोटिस अवधि का वेतन और एकमुश्त अतिरिक्त भुगतान देने की योजना है। इससे पहले अप्रैल 2025 में भी कंपनी ने करीब 500 कनिष्ठ कर्मचारियों की छंटनी की थी। उपभोक्ता इंटरनेट क्षेत्र में कंपनियां लागत घटाने और कृत्रिम बुद्धिमत्ता व स्वचालन को अपनाने के चलते ग्राहक सहायता टीमों के आकार में बदलाव कर रही हैं।

इस बीच, जोमैटो के संस्थापक दीपिंदर गोयल का नया पहनने योग्य उपकरण टेंपल भी चर्चा में है। गोयल के अनुसार, इसका नया मॉडल पिछले मॉडल से आधे से भी छोटा है। सीमित संस्करण के लिए जल्द ही अग्रिम बुकिंग शुरू होने की संभावना है और इसकी आपूर्ति 2026 के अंत से पहले शुरू करने की योजना है।

ट्रांसपोर्ट कमिश्नर ने पकड़ी बस्ती में ड्राइविंग लाइसेंस में गड़बड़ी

लखनऊ,। बस्ती के उप संभागीय परिवहन कार्यालय में ड्राइविंग लाइसेंस जारी करने में अनियमितता के मामले में परिवहन आयुक्त आशुतोष निरंजन ने कार्रवाई की है। मोटरयान निरीक्षक संजय कुमार दास को निलंबित कर दिया है, मोटरयान निरीक्षक सीमा गौतम के खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू करने के निर्देश दिए है। दोनों अधिकारियों के खिलाफ सतर्कता जांच के लिए भ्रष्टाचार निवारण संगठन को पत्र भेजा है।

कमल अमृत वाणी

परस्परं सहायेन सर्वे सन्तु सुखिनः सदा।
एकस्य दुःखमापन्ने हस्तं दद्यात सुहृज्जनः॥

तात्पर्य-

मनुष्य का विकास अकेले आगे बढ़ने से अधिक, परस्पर सहयोग से सुंदर बनता है।कठिन समय में किसी का सहारा बनना मानवता की पहचान है।

कमलेकर नागेश्वर राव 'कमल'

दूसरों के दुःख को देखकर उदासीन नहीं रहना चाहिए।

हमारी छोटी-सी सहायता भी किसी के लिए बहुत मूल्यवान हो सकती है।

सहायता करते समय बदले में किसी लाभ की अपेक्षा नहीं करनी चाहिए।

आपसी सहयोग परिवार और समाज दोनों को मजबूत बनाता है।

एक की कमजोरी को दूसरे की शक्ति का सहारा मिल जाए तो जीवन सरल हो जाता है।

कठिन समय में बढ़ा हुआ हाथ और सुख में बाँटने वाला हृदय ही सच्ची मानवता की पहचान है।

हिट एंड रन मामले में आर्ट डायरेक्टर आनंद साई का बेटा गिरफ्तार, पैदल यात्री की मौत

हिन्द सागर प्रलोका, संवाददाता।

हैदराबाद। तेलंगाना के रायदुर्गम इलाके में हुए हिट एंड रन मामले में साइबराबाद पुलिस ने टॉलीवुड के चर्चित आर्ट डायरेक्टर आनंद साई के बेटे संदीप को गिरफ्तार किया है। हादसे में 35 वर्षीय एक पैदल यात्री की मौत हो गई, जबकि उसकी मदद के लिए रुका 21 वर्षीय लॉ स्टूडेंट जैद शाह कादरी गंभीर रूप से घायल हो गया।

पुलिस के अनुसार, डफ्फ़रोटरी से खजागुडा गांव को जोड़ने वाली मुख्य सड़क पर पैदल जा रहे व्यक्ति को पहले एक इनोवा कार ने टक्कर मारी। गंभीर रूप से घायल व्यक्ति की मदद के लिए कादरी रुके और उसे अस्पताल ले जाने का प्रयास कर रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार महिंद्रा वाहन ने दोनों को टक्कर मार दी। पैदल यात्री की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कादरी का पैर टूट गया और उनका गचीबोवली के निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। आरोप है कि महिंद्रा वाहन चला रहे संदीप हादसे के बाद मौके से फरार हो गए। पुलिस ने वाहन जब्त कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। मामले में हिट एंड रन के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस घटनाक्रम की पुष्टि के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और आरोपी से पूछताछ कर रही है।

पुलिस का कहना है कि मामले में कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी।

तीन साल में छह गुना बढ़ा ड्रग नेटवर्क, आर. अशोक का प्रियंक खड़गे पर हमला

हिन्द सागर प्रलोका, संवाददाता।

बेंगलुरु। कर्नाटक विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर. अशोक ने राज्य के गृह मंत्री प्रियंक खड़गे पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया है कि कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद कर्नाटक में ड्रग नेटवर्क तेजी से बढ़ा है। उन्होंने दावा किया कि ड्रग मामलों में गिरफ्तार छात्रों की संख्या 2024 में 36 से बढ़कर जुलाई 2026 तक 228 हो गई है।

अशोक ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि इनमें 177 छात्र बेंगलुरु के हैं, जबकि ड्रग तस्करी से जुड़े मामलों में कुल गिरफ्तारियों की संख्या 189 तक पहुंच गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि अब छात्र केवल नशीले पदार्थों का सेवन ही नहीं कर रहे, बल्कि तस्करी में भी शामिल हो रहे हैं।

भाजपा नेता ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि स्कूल-कॉलेज के छात्रों के ड्रग तस्करी में शामिल होने की स्थिति गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने सरकार से सक्षम पुलिस अधिकारी के नेतृत्व में विशेष टास्क फोर्स गठित कर ड्रग माफिया के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। अशोक ने कहा कि यदि गृह मंत्री ड्रग नेटवर्क पर अंकुश लगाने में सक्षम नहीं हैं तो उन्हें पद से इस्तीफा दे देना चाहिए।

सीएम के खिलाफ अजय राय न दायर किया मानहानि का मुकदमा

लखनऊ, ।उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री अजय राय ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया है। अजय राय का आरोप है कि अयोध्या में उनके मछली खाने को लेकर मुख्यमंत्री की ओर से लगाए गए आरोप झूठे और आपत्तिजनक हैं। इससे आहत होकर उन्होंने मंगलवार को लखनऊ की सिविल कोर्ट में मानहानि का दावा दाखिल किया।अजय राय का कहना है कि उनके खिलाफ गलत तथ्य प्रस्तुत कर उनकी सार्वजनिक छवि और प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया गया। इसी को आधार बनाकर उन्होंने न्यायालय का रुख किया है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि सार्वजनिक जीवन में किसी व्यक्ति के बारे में गलत और तथ्यहीन आरोप लगाना गंभीर विषय है। उन्होंने अपने खिलाफ लगाए गए आरोपों को गलत बताते हुए न्यायिक प्रक्रिया के माध्यम से जवाब देने की बात कही है।जानिए पूरा मामला पूरा मामला अयोध्या में अजय राय के लिए कथित तौर पर आयोजित 'मछली भोज' के आरोपों से जुड़ा है। इस मामले पर यूपी में बीते कुछदिनों से खूब सियासी बयानबाजी होगी। अजय राय के कोर्ट पहुंचने के बाद मामला कानूनी लड़ाई में तब्दील हो गया है। हालांकि अजय राय के मुकदमे दायर करने के बाद बीजेपी सरकार व सीएम योगी आदित्यनाथ की ओर से कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

शामली एनकाउंटर में सुमित के पिता के सवाल गंभीर: अमिताभ ठाकुर

लखनऊः पूर्व आईपीएस अधिकारी एवं आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने अंकित बालियान हत्याकांड के कथित पुलिस एनकाउंटर के संबंध में सुमित के पिता धर्मपाल के बयान के आधार पर उत्तर प्रदेश मानवाधिकार आयोग को अनुपूरक प्रत्यावेदन भेजा है। उन्होंने कल शामली में पत्रकार अरुण चहल की 30 अगस्त की रात 8रू19 बजे की सोशल मीडिया पोस्ट के आधार पर आयोग में शिकायत भेजी थी, जो दर्ज हो चुका है। उन्होंने कहा कि धर्मपाल के अनुसार शनिवार की रात पुलिस उन्हें और उनके छोटे पुत्र यशपाल को अपने साथ ले गई थी तथा छोड़ते समय सुमित का एनकाउंटर नहीं किये जाने का आश्वासन दिया गया। धर्मपाल ने अपने छोटे पुत्र यशपाल के साथ पुलिस द्वारा थर्ड-डिग्री दिए जाने का भी आरोप लगाया है। अमिताभ ठाकुर ने कहा है कि न तो अरुण चहल का पोस्ट और न ही सुमित के पिता का बयान अपने-आप में कोई निश्चित निष्कर्ष साबित करता है लेकिन दोनों से ऐसी गंभीर परिस्थितियां जरूर सामने आती हैं, जिनकी स्वतंत्र जाँच आवश्यक दिखती है। उन्होंने मानवाधिकार आयोग से यशपाल का तत्काल किसी स्वतंत्र सरकारी अस्पताल या मेडिकल बोर्ड से मेडिकल परीक्षण कराते हुए अब तक सामने आये समस्त तथ्यों की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच की मांग की है।

यूपी की विरासत को डिजिटल रूप देने की तैयारी

लखनऊ, । मुख्यमंत्री की प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण, संवर्धन एवं प्रचार-प्रसार में विशेष रुचि के क्रम में राज्य सरकार द्वारा प्राचीन पाण्डुलिपियों के संरक्षण एवं डिजिटलीकरण के कार्य को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है। संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार की प्राचीन ज्ञान परम्परा को सहेजने की महत्वाकांक्षी पहल ज्ञान भारतम् मिशन के द्वितीय चरण के अंतर्गत उत्तर प्रदेश में पाण्डुलिपियों के डिजिटलीकरण का कार्य तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है।संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश भारतीय ज्ञान परम्परा, साहित्य, दर्शन, धर्म, कला, विज्ञान एवं संस्कृति की दृष्टि से अत्यंत समृद्ध प्रदेश है। प्रदेश के विभिन्न संस्थानों, विश्वविद्यालयों, शोध संस्थाओं एवं अन्य संग्रहों में सुरक्षित पाण्डुलिपियाँ गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इनका संरक्षण वर्तमान पीढ़ी के साथ-साथ आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना है। ज्ञान भारतम् मिशन के अंतर्गत उत्तर प्रदेश में लगभग 30 लाख पाण्डुलिपियों का सर्वेक्षण कार्य पूर्ण कर लिया गया है।

भव्य कलश यात्रा के साथ दिव्य चेतना श्रीराम कथा का शुभारंभ

800 कलशों के साथ निकली यात्रा, प्रथम दिवस 2 हजार श्रद्धालुओं ने सुनी कथा

हिन्द सागर प्रलोका, बेंगलुरु संवाददाता जे एस मिश्रा

बेंगलुरु। पैलेस ग्राउंड स्थित प्रिंसेस श्राइन, गेट नंबर-9 पर मंगलवार को दिव्य चेतना श्रीराम कथा चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में सात दिवसीय श्रीराम कथा का भव्य शुभारंभ हुआ। 1 से 7 सितंबर तक आयोजित होने वाली कथा के प्रथम दिन करीब 800 कलशों के साथ निकली भव्य कलश यात्रा ने पूरे क्षेत्र को भक्तिमय बना दिया। श्रद्धालु महिलाओं सहित बड़ी संख्या में लोगों ने कलश यात्रा में भाग लिया। रथ और बैलगाड़ी यात्रा के प्रमुख आकर्षण रहे। भजन-कीर्तन और धार्मिक जयघोष के बीच निकली यात्रा परम पूज्य श्री राजन जी महाराज की पावन उपस्थिति में संपन्न हुई।

संध्या में आयोजित श्रीराम कथा में श्री राजन जी महाराज ने श्रीराम कथा की महिमा का वर्णन करते हुए सती चरित्र का भावपूर्ण प्रसंग सुनाया। कथा के दौरान करीब 2 हजार श्रद्धालु उपस्थित रहे। श्रद्धालु भक्ति रस में डूबे नजर आए। ट्रस्ट के अध्यक्ष शैलेश मिश्रा ने कहा कि कथा का उद्देश्य समाज में धार्मिक एवं सांस्कृतिक चेतना को मजबूत करना तथा भगवान श्रीराम के आदर्शों और सनातन संस्कारों को जन-जन तक पहुंचाना है। सचिव रोहित उपाध्याय ने बताया कि बुधवार को शिव विवाह प्रसंग का विशेष आयोजन होगा, जिसे लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह है।

आयोजन की व्यवस्थाओं में शैलेश मिश्रा, रोहित उपाध्याय, धीरज राज, आदेश, गौरी मिश्रा, प्रवीण पांडेय, लाल बाबू पाण्डेय, संजय सिंह उज्जैन, गंगेश मिश्रा सहित आयोजन समिति के सदस्यों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मुख्य यजमान सुनील कुमार तिवारी एवं उपासना तिवारी सपरिवार, कथा संरक्षक रंगनाथ तिवारी एवं मंजू देवी सपरिवार, भंडारा यजमान पी.पी. पांडेय एवं मंजू पाण्डेय सपरिवार तथा स्वामिनी यजमान किरण अग्रवाल परिवार सहित प्रमुख सहयोगी रहे। आरती यजमान के रूप में अंजना शर्मा, देवराज वैश्य, बाबीता चमरिया एवं आशुतोष पाण्डेय परिवार ने सहभागिता निभाई। आयोजकों ने श्रद्धालुओं से आगामी दिनों में होने वाले कथा प्रसंगों में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कथा श्रवण एवं पुण्य लाभ प्राप्त करने का आह्वान किया।

गुरु राघवेंद्र स्वामी के आराधना महोत्सव में महेंद्र मुणोत ने की सेवा

हिन्द सागर प्रलोका, बेंगलुरु संवाददाता विपिन कुमार जैन।

बेंगलुरु। मयूर विनायक सेवा ट्रस्ट, बापूजी नगर के तत्वावधान में अय्यप्पा स्वामी देवस्थान में आयोजित श्री गुरु राघवेंद्र स्वामी के 355वें आराधना महोत्सव में महेंद्र मुणोत ने भाग लिया। उन्होंने गुरु राघवेंद्र स्वामी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया तथा अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान की।

इस अवसर पर आयोजकों ने महेंद्र मुणोत का सम्मान किया। महोत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर गुरु राघवेंद्र स्वामी के दर्शन किए और धार्मिक आयोजनों में सहभागिता की।

भाजपा का बल्लारी चलो मार्च शुरू, येदियुरप्पा बोले– सरकार को उखाड़ फेंकने तक जारी रहेगा संघर्ष

हिन्द सागर प्रलोका, संवाददाता।

बेंगलुरु। कर्नाटक में कांग्रेस सरकार के खिलाफ भाजपा ने मंगलवार को रायचूर जिले के लिंगसुगुर से 10 दिवसीय बल्लारी चलो पदयात्रा शुरू की। पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा ने कहा कि यह पदयात्रा किसान-विरोधी, जन-विरोधी, विकास-विरोधी और भ्रष्ट सरकार को सत्ता से हटाने के संकल्प के साथ शुरू की गई है। उन्होंने इसे छह करोड़ कन्नड़ लोगों की आकांक्षाओं का बिगुल बताया। किसानों के गीत के साथ पदयात्रा का औपचारिक शुभारंभ हुआ। येदियुरप्पा ने कहा कि यह कोई चुनावी कार्यक्रम नहीं, बल्कि कथित भ्रष्टाचार और सरकार की नाकामियों के खिलाफ संघर्ष की शुरूआत है। उन्होंने मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार पर भी निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उन्हें हर बड़े फैसले के लिए दिल्ली का रुख करना पड़ता है।

भाजपा नेताओं ने राज्य सरकार पर सूखा, बढ़ती कीमतों, भ्रष्टाचार और कानून-व्यवस्था सहित विभिन्न मुद्दों पर विफल रहने के आरोप लगाए। विपक्ष के नेता आर. अशोक ने दावा किया कि राज्य के 175 तालुका सूखे की चपेट में हैं, जबकि सरकार ने केवल 101 तालुका को सूखाग्रस्त घोषित किया है। उन्होंने शेष तालुकों को भी सूखाग्रस्त घोषित कर राहत देने की मांग की। पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई, जगदीश शेट्टार, गोविंद करजोल, पूर्व मंत्री बी. श्रीरामुलु, सी.टी. रवि और जनार्दन रेड्डी समेत कई भाजपा नेताओं ने पदयात्रा को संबोधित किया। नेताओं ने सरकार पर कथित घोटालों और अनियमितताओं को लेकर निशाना साधा तथा जनता से आंदोलन में साथ देने की अपील की।

भाजपा नेताओं ने कहा कि लिंगसुगुर से बल्लारी तक चलने वाली यह पदयात्रा सरकार की कथित विफलताओं को जनता के सामने रखने का माध्यम है। जनार्दन रेड्डी ने दावा किया कि भाजपा 2028 में कर्नाटक की सत्ता में वापसी करेगी।

90 के दशक की पीढ़ी : बदलाव की दो दुनियाओं के बीच एक खूबसूरत सफर

हिन्द सागर प्रलोका, बेंगलुरु संवाददाता ज्योति भट्ट

बेंगलुरु। 90 के दशक में पली-बढ़ी पीढ़ी ने तकनीक और जीवनशैली में आए उस बदलाव को करीब से देखा और जिया है, जिसने दुनिया को पूरी तरह बदल दिया। यह वह पीढ़ी है, जिसने सीमित साधनों में खुशियां तलाशने के साथ आधुनिक सुविधाओं को भी सहजता से अपनाया।

इस पीढ़ी ने लैंडलाइन फोन से स्मार्टफोन, चिट्ठियों से व्हाट्सऐप और कैसेट से डिजिटल संगीत तक का सफर तय किया है। रेडियो पर पसंदीदा गीत के लिए इंतजार करना, गर्मी की छुट्टियों में गली-मोहल्लों में खेलना और परिवार के साथ एक ही टेलीविजन कार्यक्रम देखना इसके अनुभवों का हिस्सा रहा है।

90 के दशक की पीढ़ी ने रास्ते पूछकर मंजिल तलाशना, फोन नंबर याद रखना, किताबों से जानकारी जुटाना और नकद पैसे गिनना भी सीखा। इसके साथ ही उसने इंटरनेट, स्मार्टफोन और डिजिटल तकनीक को भी अपनाया।

यह पीढ़ी इसलिए खास मानी जाती है, क्योंकि इसने बदलाव को केवल देखा नहीं, बल्कि उसके हर दौर को जिया है। आधुनिकता की तेज रफ्तार के बीच इस पीढ़ी ने किताबों, रिश्तों और मिट्टी से अपने जुड़ाव को भी बनाए रखा।

समय रहते फसल बीमा कराकर जोखिमों से सुरक्षित हों किसानः शाही

लखनऊ, । उत्तर प्रदेश के किसानों के हित में राज्य सरकार के अनुरोध पर केंद्र सरकार ने खरीफ 2026 मौसम के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना एवं चयनित जनपदों में संचालित पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना के तहत ऋणी कृषकों के फसल बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 अगस्त से बढ़ाकर 10 सितंबर कर दी है। प्रदेश सरकार द्वारा किए गए अनुरोध को स्वीकार करते हुए केंद्र सरकार ने प्रदेश के सभी जनपदों के ऋणी कृषकों को राहत दी है। कृषि मंत्री ने पात्र किसानों से आह्वान किया है कि वे इस योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाकर अपनी खेती को प्राकृतिक आपदाओं एवं प्रतिकूल मौसमीय जोखिमों से सुरक्षित रखें। जनपदों में प्राकृतिक आपदा एवं प्रतिकूल मौसमी परिस्थितियों के कारण फसल नुकसान से किसानों की आय को स्थिरता प्रदान करने के उद्देश्य से यह योजनाएं संचालित की जा रही हैं। शासन द्वारा वर्ष 2026-27 में भी इन योजनाओं को पूर्ववत लागू किया गया है। तिथि विस्तार की सूचना प्रदेश के सभी बैंकों और संबंधित अधिकारियों को प्रेषित कर दी गई है, जिससे अधिक से अधिक पात्र ऋणी कृषकों को आच्छादित कर उन्हें आर्थिक सुरक्षा उपलब्ध कराई जा सके। प्रदेश में फसल बीमा योजना के जरिए किसानों को व्यापक आर्थिक संबल मिल रहा है। वर्ष 2017-18 से 2025-26 तक प्रदेश के 69.22 लाख लाभार्थी किसानों को कुल 6,119.93 करोड़ रुपये की क्षतिपूर्ति दी जा चुकी है। खरीफ 2025 में 20.63 लाख बीमित कृषकों में से 7.27 लाख किसानों को 808.56 करोड़ रुपये तथा रबी 2025-26 में 1.67 लाख किसानों को 134.60 करोड़ रुपये का मुआवजा दिया गया है।

बीएमटीसी में सेवानिवृत्त अधिकारी-कर्मचारियों को दी विदाई

हिन्द सागर प्रलोका, संवाददाता।

बेंगलुरु। बेंगलुरु महानगर परिवहन निगम (बीएमटीसी) के श्रमिक एवं कल्याण विभाग की ओर से अगस्त माह में सेवानिवृत्त हुए अधिकारी एवं कर्मचारियों के सम्मान में विदाई समारोह आयोजित किया गया। निगम के अध्यक्ष वी.एस. आराध्य ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर आराध्य ने कहा कि श्रमिक एवं कल्याण विभाग कर्मचारी हितैषी भावना से कार्य करते हुए कर्मचारियों की समस्याओं का त्वरित समाधान कर रहा है। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारी-कर्मचारियों की सेवाओं का सम्मान करने के लिए ऐसे कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाने चाहिए।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए निगम के निदेशक (सुरक्षा एवं जागरूकता) एवं डीआईजीपी अब्दुल अहद ने कहा कि कर्मचारियों की सफलता में परिवार, विशेषकर बच्चों के प्रोत्साहन की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन कर्मचारियों और संस्था के बीच संबंधों को मजबूत करने के साथ निगम के विकास की नींव को भी सुदृढ़ करते हैं। उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए मुख्य श्रमिक एवं कल्याण अधिकारी पी.वाई. नायक तथा उनकी टीम की सराहना की। समारोह में निगम के विभागाध्यक्ष, विभागीय नियंत्रण अधिकारी, कार्य प्रबंधक एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। पी.वाई. नायक ने स्वागत किया, जबकि वायव्य क्षेत्र के विभागीय नियंत्रण अधिकारी दिवाकर ने धन्यवाद ज्ञापित किया। सहायक श्रमिक कल्याण अधिकारी आफताब पाशा ने संचालन किया।

पंच परमेष्ठि तप पूणार्हुति की ओर, 120 श्रद्धालुओं ने की तपस्या

हिन्द सागर प्रलोका, बेंगलुरु संवाददाता विपिन कुमार जैन ।

बेंगलुरु। श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट में चातुमार्सार्थ विराजित साध्वीवर्या डॉ. प्रियश्रद्धांजना श्री जी म. सा. ने कहा कि पंच परमेष्ठि तप आत्मशुद्धि, संयम, त्याग और आध्यात्मिक उन्नति का श्रेष्ठ साधन है। तपस्या से कर्मों की निर्जरा होती है और साधक आत्मकल्याण के मार्ग पर आगे बढ़ता है।

उन्होंने कहा कि जैन धर्म में तप के बारह भेद बताए गए हैं। पंच परमेष्ठि की आराधना से श्रद्धा, समर्पण और आध्यात्मिक ऊर्जा का विकास होता है। तप केवल उपवास तक सीमित नहीं, बल्कि मन, वचन और काया की शुद्धि का माध्यम है। उन्होंने श्रद्धालुओं से नियमित धमार्राधना, स्वाध्याय और तप के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया।

दादावाड़ी ट्रस्ट की ओर से श्री माणिक्य स्वामी तप एवं पंच परमेष्ठि तप के तपस्वियों की सुख-साता पूछी गई तथा श्री जिन कुशल सूरी जैन सामायिक सेवा मंडल और श्री जिन कुशल सूरी जैन सेवा मंडल के सदस्यों की सेवाओं की अनुमोदना की गई। तप की श्रृंखला में 185 श्रद्धालुओं ने माणिक्य स्वामी तप और 120 श्रद्धालुओं ने पंच परमेष्ठि तप किया है। दोनों तपों की पूणार्हुति आगामी दिनों में होगी।

हॉस्टल फीस बढ़ाने पर एलयू में छात्रों का धरना

लखनऊ, । विश्वविद्यालय के आट्र्स कॉलेज हॉस्टल की फीस बढ़ोत्तरी को लेकर छात्रों ने मंगलवार को धरना दिया। प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते छात्रों ने प्रदर्शन किया। इस दौरान बढ़ी फीस वापस लेने की मांग की गई। छात्रों का आरोप है कि कॉलेज प्रशासन ने मनमाने तरीके से हॉस्टल फीस 7 हजार से बढ़ाकर 25 हजार कर दी है। ऐसे में छात्रों के पास विरोध और प्रदर्शन के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा। धरने पर बैठे छात्रों की प्रॉक्टोरियल बोर्ड के सदस्यों के साथ नोकझोंक भी हुई। छात्रों का आरोप है कि हॉस्टल फीस अचानक बढ़ने से छात्रों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा। छात्रों ने कहा कि फीस बढ़ाने से पहले उनसे कोई चर्चा नहीं की गई और मनमाने तरीके से शुल्क बढ़ा दिया गया। छात्रों का कहना था कि हॉस्टल में रहने वाले ज्यादातर स्टूडेंट्स सामान्य परिवारों से आते हैं। ऐसे में फीस में करीब चार गुना बढ़ोतरी उनके लिए परेशानी खड़ी करेगी। उन्होंने निजी कॉलेजों के बराबर फीस करने का आरोप लगाया। छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन से मामले में हस्तक्षेप कर पुरानी फीस लागू करने की मांग की है।

खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा दे रही प्रदेश सरकार

लखनऊ, । उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि प्रदेश सरकार खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग किसानों की आय बढ़ाने, कृषि उत्पादों का मूल्य संवर्धन करने तथा युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। विकसित उत्तर प्रदेश और विकसित भारत के निर्माण में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी।उप मुख्यमंत्री ने खाद्य प्रसंस्करण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 के अंतर्गत उपलब्ध सुविधाओं, अनुदानों एवं प्रोत्साहनों की व्यापक जानकारी उद्यमियों तक पहुंचाने के लिए प्रभावी जनजागरूकता अभियान चलाया जाए।

संपादकीय

फिर-फिर निर्भया कांड

एक बार फिर बारह साल पुराने निर्भया कांड की पुनरावृत्ति हुई है। निर्भयाकांड में दिसंबर 2012 में 23 साल की युवती के साथ क्रूरता से गैंगरेप हुआ था, जिसकी बाद में सिंगापुर के एक अस्पताल में मौत हो गई थी। इस घटना के बाद देश में व्यापक आक्रोश उभरा था। यौन हिंसा के खिलाफ कानून कठोर किए गए। इस कांड में साल 2020 में चार अपराधियों को फांसी की सजा दी गई थी। लेकिन सवाल यह है कि क्या सख्त कानून और कठोर सजाओं के बाद ऐसे अपराधों पर अंकुश लगा? दुखद है कि एक बार फिर निर्भयाकांड की पुनरावृत्ति हुई । अकेली नाबालिग लड़की, खाली बस और चलती बस में चालक-परिचालक द्वारा गैंग रेप। उ.प्र. की एक सोलह साल की लड़की किसी बात पर मां की डांट से क्षुब्ध हो घर छोड़कर अपने रिश्तेदार से मिलने नोयडा सेक्टर-63 के लिये चली। लेकिन रात के अंधेरे और बारिश के मौसम की गफलत में नोयडा के परी चौक पर उतर गई। सेक्टर-63 जाने के लिये उसने जिस बस को रुकवाया, उसमें बैठे दरिंदों ने बस के वहीं जाने की बात कहकर उसे बैठा लिया। पर्दे लगी स्लीपर बस में लड़की के बैठते ही परिचालक ने उससे छेड़छाड़ शुरू कर दी। चालक-परिचालक ने दुराचार किया और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी। करीब 47 किलोमीटर के सफर में उसके साथ यौन हिंसा हुई। अपराधी उसे कश्मीरी गेट के निकट रिंग रोड में छोड़कर फरार हो गए। किशोरी ने साहस दिखाते हुए रात ही में कश्मीरी गेट पुलिस को वारदात की सूचना दी। पुलिस ने इस मामले में टीम बनाकर पड़ताल की। बस की पहचान व रूट की जानकारी सीसीटीवी कैमरों के जरिये की गई। चालक-परिचालक को तिमारपुर की बस पार्किंग से गिरफ्तार किया गया। फोरेंसिक जांच के लिये बस को भी कब्जे में लिया गया है। लेकिन सवाल है कि चार अगस्त की घटना को पुलिस ने क्यों पर्दे में रखा? आखिर क्यों हादसे की सार्वजनिक जानकारी 31 अगस्त को मीडिया को दी गई? वहीं दूसरी ओर इंसान के पतन की पराकाष्ठा दिल्ली के बवाना इलाके में सामने आई, जहां स्कूल बस चालक को नर्सरी की एक बच्ची का यौन उत्पीड़न करने पर गिरफ्तार किया गया है। घटना 19 अगस्त को सामने आई जब नर्सरी की छात्रा के परिजनों ने उसके निजी अंगों पर चोट के निशान देखे। बच्ची ने अपनी मां को स्कूल के एक गंदे अंकल के बारे में बताया जो उसे चॉकलेट देता था। परिजनों द्वारा पुलिस को सूचित करने के बाद बस चालक के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज करके उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। शुरूआती जांच के अनुसार बच्ची से चार बार यौन दुर्व्यवहार किया गया था। किसी सभ्य समाज को शर्मसार करने वाली ये घटनाएं जहां समाज में भरोसे को तोड़ती हैं, वहीं कानून व्यवस्था के प्रश्न को भी उठाती हैं। इन मुद्दों पर राजनीति भी जमकर शुरू हो गई है। कहा जा रहा है कि डबल इंजन सरकार में दिल्ली रेप कैपिटल बनती जा रही है। इसके बावजूद कि दिल्ली में एक महिला मुख्यमंत्री हैं। वहीं कुछ राजनीतिक दल आरोप लगा रहे हैं कि जनता की सुरक्षा व अपराध रोकने के कार्य के बजाय पुलिस पर अन्य कार्यों का बोझ डाला जा रहा है। वहीं सत्ता पक्ष के नेताओं का कहना है कि पुलिस ने मामले की तह तक जाकर अपराधियों को समय रहते गिरफ्तार करके कानूनी कार्रवाई में तेजी दिखायी है। साथ ही लोगों से अपील की है कि वे जागरूक रहें और ऐसी घटनाओं की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। लेकिन मुख्य सवाल यह है कि भारत में यौन लिप्साओं के विस्फोट की असली वजह क्या है? क्यों किन्हीं कमजोर स्थितियों में महिला, लड़की व बच्ची की उम्र का भी लिहाज न कर, यौन हिंसा का शिकार बनाया जा रहा है? हमारा समाज पतनोन्मुखी क्यों होता जा रहा है? क्या यौन अपराधों के मूल में मोबाइल में इंटरनेट के जरिये परोसी जा रही यौन उत्तेजक सामग्री है? देश के समाज विज्ञानियों को इस गंभीर प्रश्न पर मंथन करना होगा।

अमेरिका में भागवत, विवेकानंद नंबर टू या पाखंडी नंबर वन!

जाहिर है कि हिंदू और हिंदुत्व की इस तरह की उदार परिभाषा पेश करने के जरिए, संघ प्रमुख न सिर्फ आरएसएस की बल्कि उसके द्वारा सख्ती से नियंत्रित मोदी शासन की भी, इसके लिए दुनिया भर में हो रही आलोचनाओं को नकारने की कोशिश कर रहे थे कि वे असल में हिंदू सर्वोच्चतावादी राज और राजनीति के प्रतिनिधि हैं, जो हर प्रकार के अल्पसंख्यकों के अधिकारों की दुश्मन है। बहरहाल पश्चिम में आरएसएस-मोदी राज के धर्मनिरपेक्ष मेकओवर की यह कोशिश, कारगर होती नजर नहीं आती है। इसकी मोटे तौर पर दो बड़ी वजहें हैं। पहली तो यही कि यह कोशिश बढ़ती संख्या में अंतरराष्ट्रीय धार्मिक अधिकार तथा मानवाधिकार संगठनों ही नहीं, संयुक्त राष्ट्र संघ के मंचों द्वारा भी, मोदी के राज में धार्मिक अल्पसंख्यकों समेत विभिन्न कमजोर तबकों के साथ बढ़ते भेदभाव तथा उनके अधिकारों पर बढ़ते हमलों की, एक के बाद लगातार आ रही रिपोर्टों के दबाव में की जा रही थी।

राजेंद्र शर्मा

अगर कोई हिंदू यह मानता है कि भारत में मुसलमान रहें ही नहीं, तो वह हिंदू रहेगा ही नहीं्य और यह भी कि, अगर कोई खुद को हिंदू कहता है, तो उसे यह मानना होगा कि रास्ते (पूजा पद्धतियां) अलग-अलग हैं, पर एक ही लक्ष्य को जाते हैं। हिंदू की यह परिभाषा और पहचान, किसी और ने नहीं, आरएसएस के सरसंघचालक मोहन भागवत ने न्यूयार्क के अपने दौरे पर पेश की है। जाहिर है कि हिंदू और हिंदुत्व की इस तरह की उदार परिभाषा पेश करने के जरिए, संघ प्रमुख न सिर्फ आरएसएस की बल्कि उसके द्वारा सख्ती से नियंत्रित मोदी शासन की भी, इसके लिए दुनिया भर में हो रही आलोचनाओं को नकारने की कोशिश कर रहे थे कि वे असल में हिंदू सर्वोच्चतावादी राज और राजनीति के प्रतिनिधि हैं, जो हर प्रकार के अल्पसंख्यकों के अधिकारों की दुश्मन है। बहरहाल पश्चिम में आरएसएस-मोदी राज के धर्मनिरपेक्ष मेकओवर की यह कोशिश, कारगर होती नजर नहीं आती है। इसकी मोटे तौर पर दो बड़ी वजहें हैं। पहली तो यही कि यह कोशिश बढ़ती संख्या में अंतरराष्ट्रीय धार्मिक अधिकार तथा मानवाधिकार संगठनों ही नहीं, संयुक्त राष्ट्र संघ के मंचों द्वारा भी, मोदी के राज में धार्मिक अल्पसंख्यकों समेत विभिन्न कमजोर तबकों के साथ बढ़ते भेदभाव तथा उनके अधिकारों पर बढ़ते हमलों की, एक के बाद लगातार आ रही रिपोर्टों के दबाव में की जा रही थी। यूनाइटेड स्टेट्स कमीशन ऑन इंटरनेशनल रिलीजियस फ्रीडम (यूएससीआईआरएफ) के मोदी राज को साल दर साल धार्मिक स्वतंत्रता की स्थिति के पहलू से श्गंभीर चिंताय् का विषय घोषित करने और हर बार अमेरिकी सरकार पर इस सिलसिले में भारत पर दबाव डालने के लिए पाबंदियां लगाने की मांग करने के बाद, अब संयुक्त राष्ट्र संघ की कमेटी ऑन एलीमिनेशन आफ रेशियल डिस्क्रिमिनेशन (सीईआरडी) ने भी अपनी समीक्षा रिपोर्ट में, भारत की स्थिति को श्गंभीर चिंताय् का विषय कहा है। परदेश में मोदी राज और उसके वाहक के रूप में आरएसएस के इस

मेकओवर के लोगों को भ्रमित न कर पाने की और भी बड़ी वजह, इस राज तथा आरएसएस का वास्तविक आचरण है, जो आरएसएस के मेकओवर की इस कोशिश को, एक भोंडे प्रहसन में तब्दील कर देती है। यह संयोग ही नहीं है कि ठीक उस समय जब मोहन भागवत अमेरिका में यह साबित करने की कोशिश कर रहे थे कि उनकी हिंदू राष्ट्र की परिकल्पना तो सर्वसमावेशी है, ठीक उसी समय सत्ताधारी भाजपा का आईटी सेल, देश में एक ऐसा नया आक्रामक वीडियो रील अभियान छेड़ रहा था, जिसकी एक और सिर्फ एक ही थीम हैकृविरोधियों के खिलाफ भयानक हिंसा। लेकिन, सत्ताधारी पार्टी के प्रचार आह्वान में हिंसा के स्वर का बढ़ना ही, अकेला बदलाव नहीं था जो भारत में ठीक उसी समय हो रहा था, अमेरिका में भागवत एक झूठा उदार मुखौटा लगाने की कोशिश कर रहे थे। जब अमेरिका में भागवत यह कह रहे थे कि अगर कोई हिंदू यह मानता है कि भारत में मुसलमान रहें ही नहीं, तो वह हिंदू रहेगा ही नहींय ठीक उसी समय भाजपा-शासित उत्तराखंड और ओडिशा से इसकी रिपोर्टें आ रही थीं कि किस तरह, इस दौरान जारी एसआईआर की प्रक्रिया को, टॉर्गेट कर के मतदाता सूचियों से मुसलमानों के नाम काटे जाने के मौके में तब्दील किया जा रहा है। उधर चंद महीने पहले संघ-भाजपा द्वारा फतेह किए गए प. बंगाल में, एक ओर चर्चों तथा पादरियों पर हिंसक हमलों की शुरूआत हो रही थी और दूसरी ओर, दुर्गा पूजा के बंगाली प्रभावों से शुद्धीकरण की मुहिम छेड़ी जा रही था। जब भागवत इसका उपदेश कर रहे थे कि, श्हरेक मनुष्य की गरिमा का सम्मान होना चाहिए, ठीक तभी उनके संघ पोषित राज में उत्तराखंड में, देश की सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी के अध्यक्ष के दलित होने के कारण, उनकी सभा के बाद सभा मंच का बाकायदा यज्ञ कर के श्शुद्धीकरणश किए जाने के बाद, सत्ताधारी पार्टी के नेतागण उसका बचाव करने से लेकर, उसे झुठलाने तक में लगे हुए थे, जबकि देश के कानून के अनुसार यह संज्ञेय अपराध है। और जब भागवत अमेरिकी श्रोताओं को यह भरोसा दिला रहे थे कि उनके विचार परिवार की नजरों में श्सब मनुष्य समान हैंश, उसके आस-पास संसद में विपक्ष के नेता, राहुल गांधी के महिला स्वतंत्रता के पक्ष में बोलते हुए, श्पितृसत्ताश पर हमला करने और उसे सैद्धांतिक-धार्मिक वैधता देने के लिए श्मनुस्मृतिश की आलोचना करने के लिए, सत्ता में बैठे भागवत अनुयायी, महिलाओं और शूद्रों की पूर्ण अधिकारहीनता की पैरवी करने वाली इस नियमावली का हिंदू-धार्मिक ग्रंथ कहकर बचाव ही नहीं कर रहे थे, इस आलोचना को हिंदुओं पर हमला बताकर, इस बहस को भी सांप्रदायिक मोड़ देने की कोशिश कर रहे थे। कहने की जरूरत नहीं है कि इन और ऐसे सभी मामलों में संघ की सेनाएं, जमीन पर भारत में और वास्तव में एक हद तक तो अमेरिका समेत पश्चिम में भी, उन तमाम उदार आदर्शों के खिलाफ युद्ध ही छेड़े रही हैं, जिनका उपदेश भागवत संघ के मेकओवर के लिए कर रहे थे और भागवत ने कभी उन्हें टोका हो, इसके कोई साक्ष्य नहीं हैं। कहीं ऐसा तो नहीं कि न सिर्फ सत्ता में बैठी भाजपा बल्कि के उसके दबाव में संघ परिवार का बड़ा हिस्सा ही, आरएसएस प्रमुख के विचारों से दूर चला गया हो? तत्काल कम से कम तीन प्रसंग ऐसे याद आते हैं, जिनमें स्वयंसंघ प्रमुख भागवत वर्तमान शासन और संघ परिवार को, न्यूयार्क के उनके उपदेश से ठीक उल्टी दिशा में धकेलने की अगुआई करते हुए दुनिया ने देखा था। पहला प्रसंग, मोदी राज के शुरूआती दौर का है, जब गो-गुंडों की मॉब लिंचिंग का सिलसिला शुरू ही हो रहा था। 6 अगस्त 2016 को दिल्ली में एक आयोजन में प्रधानमंत्री मोदी ने इसके खिलाफ कड़े शब्दों का प्रयोग करते हुए, कहा था कि बहुत से लोग दिन में गोरक्षक बन जाते हैं और रात को अपराध करते हैं। उन्होंने राज्यों से उनसे सख्ती से निपटने का आग्रह भी किया था। अगले दिन, तेलंगाना में प्रधानमंत्री ने यही बात दोहरायी थी। लेकिन, उसके बाद अचानक प्रधानमंत्री ने इस मुद्दे पर मौन साध लिया और साल भर बाद, बापू से जुड़े साबरमती आश्रम की शताब्दी के एक आयोजन में काफी दबे शब्दों में इसकी शिकायत की कि गोभक्ति के नाम पर लोगों की हत्याएं हो रही हैं जो स्वीकार्य नहीं है। ऐसी हिंसा को गांधी जी ने मंजूर नहीं किया होता। हुआ यह था कि प्रधानमंत्री के शुरूआती बयानों के बाद, खुद मोहन भागवत ने सार्वजनिक बयान देकर, कथित गोरक्षकों का यह कहकर बचाव किया था कि उनमें ज्यादातर अच्छा काम कर रहे थे। मोदी ने फौरन पांव पीछे खींच लिए और उसके बाद न उन्हें गोरक्षकों की हिंसा दिखाई दी और न किसी भाजपा सरकार ने ऐसे मामलों में कोई खास कार्रवाई की। इसी प्रकार, 2018 के अपने दशहरा संबोधन में, मोहन भागवत ने मोदी सरकार से मांग की थी कि अब अदालत के फैसले की जरूरत नहीं है, संसद से कानून बनाकर राम मंदिर बनाया जाए। बाद में नवंबर के आखिर में हुई विहिप की हुंकार रैली में उन्होंने फौरन मंदिर बनाने की मांग को और बढ़ाया। याद रहे कि 2019 की दूसरी तिमाही में चुनाव होने थे। 2019 के नवंबर तक, सुप्रीम कोर्ट से मंदिर के पक्ष में निर्णय आ चुका था। इसके बाद भी, श्मथुरा-काशी बाकी हैय के नारे पर अपने एक बहुप्रचारित लंबे साक्षात्कार में भागवत ने यह तो कहा था कि आरएसएस इन्हें लेकर आंदोलन नहीं चलाने जा रहा है, लेकिन इसके साथ यह भी जोड़ दिया था कि आरएसएस के सदस्य निजी हैसियत से इन आंदोलनों में शामिल हो सकते हैं! साफ है कि भागवत और उनका संगठन, सक्रिय रूप से वर्तमान हुकूमत को, बहुसंख्यकवादी तानाशाही के रास्ते पर धकेलने में ही लगे रहे हैं और पश्चिम में अब जो बतकही कर रहे हैं, शुद्ध पाखंड है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष आयोजन के बहाने से, संघ प्रमुख भागवत ने अमेरिका में सार्वभौम एकात्मता या यूनिवर्सल वननैस के अपने उपदेश के जरिए, विवेकानंद-टू बनना चाहा है।

अंधेरे को उजाला बताने के उल्टे दिन

ऐसा करने वालों पर तुरंत एफआईआर दर्ज हो, तो 30 अगस्त को राहुल गांधी के खिलाफ ही एफआईआर दर्ज करवा दी गई। कहा गया कि उन्होंने दलितों की भावना का अपमान किया है। मोदी सरकार में किस तरह विनाश को विकास, तकलीफों भरे दिन को अच्छे दिन, तानाशाही प्रवृत्ति को लोकतांत्रिक पहचान यानी अंधेरे को उजाला कहा जा रहा है, यह उसी का एक उदाहरण है। दिसम्बर 2024, संसद के शीतकालीन सत्र में जब गृहमंत्री अमित शाह ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा था कि श्अंबेडकर, अंबेडकर, अंबेडकर बोलना फैशन हो गया है इतना नाम भगवान का लेते तो स्वर्ग मिल जाता्य तब इस बयान के बाद ही देश को समझ जाना चाहिए था कि भाजपा के मन में संविधान के लिए कोई सम्मान नहीं है और दलितों को वह बराबर मानती है। वेदों से लेकर मनुस्मृति तक हिंदू समाज के लिए निर्धारित वर्णव्यवस्था पर ही भाजपा का यकीन है। हल्द्वानी में यही नजर आया। आठ अगस्त को उत्तराखंड के हल्द्वानी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने जिस रामलीला मैदान के मंच से सार्वजनिक सभा की थी, उसका शुद्धिकरण 11 अगस्त को किया गया था। कुछ लोगों ने हवन-यज्ञ और श्शुद्धिकरण्य कार्यक्रम किया। कार्यक्रम में गंगाजल का छिड़काव भी किया गया। कांग्रेस ने इसे खड़गे की दलित पहचान से जोड़ते हुए भाजपा और आरएसएस की कथित मानसिकता पर सवाल उठाए। वहीं भाजपा की ओर से कहा गया कि रैली के बाद मैदान में गंदगी थी और धार्मिक स्थल पर आपत्तिजनक नारे लगाए गए थे, इसलिए वहां धार्मिक अनुष्ठान किया गया।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ उत्तराखंड में दलित होने के कारण जो भेदभाव हुआ, उस पर 29 अगस्त को राहुल गांधी ने आवाज उठाई और बताया कि छुआछूत कानूनन अपराध है, ऐसा करने वालों पर तुरंत एफआईआर दर्ज हो, तो 30 अगस्त को राहुल गांधी के खिलाफ ही एफआईआर दर्ज करवा दी गई। कहा गया कि उन्होंने दलितों की भावना का अपमान किया है। मोदी सरकार में किस तरह विनाश को विकास, तकलीफों भरे दिन को अच्छे दिन, तानाशाही प्रवृत्ति को लोकतांत्रिक पहचान यानी अंधेरे को उजाला कहा जा रहा है, यह उसी का एक उदाहरण है। दिसम्बर 2024, संसद के शीतकालीन सत्र में जब गृहमंत्री अमित शाह ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा था कि श्अंबेडकर, अंबेडकर, अंबेडकर बोलना फैशन हो गया है इतना नाम भगवान का लेते तो स्वर्ग मिल जाता्य तब इस बयान के बाद ही देश को समझ जाना चाहिए था कि भाजपा के मन में संविधान के लिए कोई सम्मान नहीं है और दलितों को वह बराबर मानती है। वेदों से लेकर मनुस्मृति तक हिंदू समाज के लिए निर्धारित वर्णव्यवस्था पर ही भाजपा का यकीन है। हल्द्वानी में यही नजर आया। आठ अगस्त को उत्तराखंड के हल्द्वानी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने जिस रामलीला मैदान के मंच से सार्वजनिक सभा की थी, उसका शुद्धिकरण 11 अगस्त को किया गया था। कुछ लोगों ने हवन-यज्ञ और श्शुद्धिकरण्य कार्यक्रम किया। कार्यक्रम में गंगाजल का छिड़काव भी किया गया। कांग्रेस ने इसे खड़गे की दलित पहचान से जोड़ते हुए भाजपा और आरएसएस की कथित मानसिकता पर सवाल उठाए। वहीं भाजपा की ओर से कहा गया कि रैली के बाद मैदान में गंदगी थी और धार्मिक स्थल पर आपत्तिजनक नारे लगाए गए थे, इसलिए वहां धार्मिक अनुष्ठान किया गया। आपत्तिजनक नारों को समुदाय विशेष से जोड़ा गया। जबकि 13 अगस्त को खुद श्री खड़गे ने राज्यसभा में इस मुद्दे को उठाया था। तब उन्होंने कहा था कि उन्हें आज तक किसी के संरक्षण की जरूरत नहीं पड़ी, लेकिन हल्द्वानी की घटना ने उन्हें अस्पृश्यता का अहसास कराया है। खड़गे ने कहा था कि रैली में बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे और उन्होंने अपने भाषण में किसी जाति या धर्म का नाम नहीं लिया था। इसके बावजूद उनके जाने के बाद मंच पर हवन किया गया। इसके बाद केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा था कि भाजपा इस तरह की किसी भी गतिविधि का समर्थन नहीं करती और इस घटना की जांच कराई जाएगी। उन्होंने कहा था कि अगर ऐसी घटना हुई है तो यह दुर्भाग्यपूर्ण है। फिलहाल देश को आज की तारीख तक पता नहीं है कि इस मुद्दे पर भाजपा ने कोई जांच कराई या नहीं। उत्तराखंड और केंद्र दोनों जगह भाजपा की ही सरकारें हैं, केन्द्रीय मंत्री या भाजपा अध्यक्ष चाहते तो कुछ मिनटों में सारी जांच-पड़ताल शुरू हो जाती, लेकिन 29 अगस्त तक भी खड़गेजी के साथ हुए भेदभाव पर कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं हुई, तो फिर कांग्रेस सांसद और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक प्रेस कांफ्रेंस की। इसमें उन्होंने न केवल मल्लिकार्जुन खड़गे बल्कि टीकाराम जूली और जीतनराम मांझी जैसे नेताओं के साथ घटी घटनाओं का भी जिक्र किया, जिसमें उनके मंदिर जाने के बाद शुद्धिकरण किया गया था। राहुल गांधी ने बताया था कि स्कूलों में केवल दलित होने के आधार पर छोटे बच्चों से झाड़ू लगवाने या शौचालय साफ करवाने का काम करवाया जाता है। चाय की गुमटियों में दलितों को कागज के कप में चाय दी जाती है। दलितों को उसी कुएं से पानी नहीं लेने दिया जाता, जहां तथाकथित ऊंची जातियों के लोग आते हैं। दलित दूल्हा घोड़ी पर नहीं चढ़ सकता, अगर चढ़े तो उसे सुरक्षा उपाय करने पड़ते हैं। इन सारी घटनाओं को केवल मुंहजुबानी राहुल गांधी ने नहीं कहा, बल्कि उनके वीडियो और तस्वीरें भी दिखा दीं। भाजपा के मन में अगर संविधान को पूरी तरह लागू करने की भावना होती और दलितों के साथ चले आ रहे सदियों पुराने भेदभाव को खत्म करने की इच्छाशक्ति या नीयत होती तो वह खुद इस मामले में राहुल गांधी का साथ देती। जैसे कांग्रेस पार्टी ने 2023 में महिला आरक्षण विधेयक पारित करने में भाजपा का साथ दिया, क्योंकि मुद्दा सही था। वैसे ही भाजपा समेत बाकी सभी दलों को दलित उत्पीड़न के मुद्दे को केंद्र में लाने पर राहुल गांधी का साथ देना चाहिए था। लेकिन मोदी सरकार ने फिर से उल्टी गंगा बहाने की कोशिश की। हल्द्वानी पुलिस ने राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

युवाओं के नेतृत्व में एक क्रांतिकारी बदलाव से गुजर रहा है भारत

हालांकि, अपनी हार के बाद, ब्रिटिश सरकार के कड़े दबाव और उससे मिली निराशा के कारण आंदोलन कमजोर पड़ गया। एक संगठित देशव्यापी आंदोलन को फिर से विकसित होने में कई दशक लग गए। 1885 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना, जिसके मुख्य संस्थापक ए. ओ. ह्यूम थे और जिसमें दादाभाई नौरोजी, सुरेंद्रनाथ बनर्जी, दिनशॉ वाचा, फिरोजशाह मेहता और बदरुद्दीन तैयबजी जैसे अहम भारतीय नेता थे, एक अहम घटना थी। उमेश चंदर बनर्जी इसके पहले अध्यक्ष बने। शुरूआती कांग्रेस ने राजनीतिक चेतना पैदा करने, भारतीयों को एकजुट करने, प्रशासन और विधायिका में ज्यादा प्रतिनिधित्व पक्का करने और संवैधानिक सुधारों की मांग की। धीरे-धीरे इस आन्दोलन के लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए अंदर ही अंदर चर्चाएं होने लगीं। श्गरम दल और नरम दल्य के रूप में मजबूत बहसें होने लगीं। 1905 में जब अंग्रेजों ने सांप्रदायिक आधार पर बंगाल को बांट दिया, तो एक मजबूत श्बंग भंग विरोधी्य आन्दोलन हुआ। सभी धार्मिक ग्रुप के लोग अंग्रेजों की साजिशों का विरोध करने के लिए एक साथ आए। फिर जलियांवाला बाग हत्याकांड हुआ। इसके बाद असहयोग आन्दोलन शुरू हुआ। यह 1921 की बात है जब ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस (एटक) ने ब्रिटिश साम्राज्यवाद से पूरी आजादी की मांग की। उस दौरान पूरे देश में मजदूर आन्दोलन हुए। मौलाना हसरत मोहानी ने 1921 में मशहूर क्रांतिकारी नारा श्इंकलाब जिंदाबाद्य गढ़ा और अंग्रेजों से पूरी आजादी (आजादी-ए-कामिल) की मांग की। आजादी की लड़ाई को बाद में क्रांतिकारी आंदोलन, गदर आंदोलन, कम्युनिस्ट आंदोलन, मजदूरों और किसानों के संघर्ष, महिलाओं की भागीदारी और कई दूसरे लोकप्रिय आंदोलनों से ताकत मिली।

डॉ. अरुण मित्रा

भारत के आजादी की लड़ाई के दौरान, 1857 का विद्रोह ब्रिटिश साम्राज्यवाद के लिए एक मजबूत और तेज चुनौती थी, जिसके साथ बहुत बड़ी कु बार्नी भी देनी पड़ी थी। हालांकि, अपनी हार के बाद, ब्रिटिश सरकार के कड़े दबाव और उससे मिली निराशा के कारण आंदोलन कमजोर पड़ गया। एक संगठित देशव्यापी आंदोलन को फिर से विकसित होने में कई दशक लग गए। 1885 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना, जिसके मुख्य संस्थापक ए. ओ. ह्यूम थे और जिसमें दादाभाई नौरोजी, सुरेंद्रनाथ बनर्जी, दिनशॉ वाचा, फिरोजशाह मेहता और बदरुद्दीन तैयबजी जैसे अहम भारतीय नेता थे, एक अहम घटना थी। उमेश चंदर बनर्जी इसके पहले अध्यक्ष बने। शुरूआती कांग्रेस ने राजनीतिक चेतना पैदा करने, भारतीयों को एकजुट करने, प्रशासन और विधायिका में ज्यादा प्रतिनिधित्व पक्का करने और संवैधानिक सुधारों की मांग की। धीरे-धीरे इस आन्दोलन के लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए अंदर ही अंदर चर्चाएं होने लगीं। श्गरम दल और नरम दल्य के रूप में मजबूत बहसें होने लगीं। 1905 में जब अंग्रेजों ने सांप्रदायिक आधार पर बंगाल को बांट दिया, तो एक मजबूत श्बंग भंग विरोधी्य आन्दोलन हुआ। सभी धार्मिक ग्रुप के लोग अंग्रेजों की साजिशों का विरोध करने के लिए एक साथ आए। फिर जलियांवाला बाग हत्याकांड हुआ। इसके बाद असहयोग आन्दोलन शुरू हुआ। यह 1921 की बात है जब ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस (एटक) ने ब्रिटिश साम्राज्यवाद से पूरी आजादी की मांग की। उस दौरान पूरे देश में मजदूर आन्दोलन हुए। मौलाना हसरत मोहानी ने 1921 में मशहूर क्रांतिकारी नारा श्इंकलाब जिंदाबाद्य गढ़ा और अंग्रेजों से पूरी आजादी (आजादी-ए-कामिल) की मांग की। आजादी की लड़ाई को बाद में क्रांतिकारी आंदोलन, गदर आंदोलन, कम्युनिस्ट आंदोलन, मजदूरों और किसानों के संघर्ष, महिलाओं की भागीदारी और कई दूसरे लोकप्रिय आंदोलनों से ताकत मिली। हालांकि, समय के साथ कांग्रेस की राजनीति बदली, और 1929 के लाहौर सेशन में, पूर्ण स्वराज इसका औपचारिक लक्ष्य बन गया। आजादी के बाद भी, लोगों के अधिकारों के लिए आंदोलन जारी रहे, जिसमें छात्रों और युवाओं ने अहम भूमिका निभाई, खासकर 1980 के दशक तक। हालांकि, 1980 के दशक के बाद, छात्र आंदोलन काफी कमजोर हो गए। उसी समय, भारत की आर्थिक नीतियों में बड़े बदलाव हुए। दशक के आखिर तक, निजी पूंजी और कॉर्पोरेट के पक्ष में नीतियां जोर पकड़ रही थीं। पी. वी. नरसिम्हा राव और अटल बिहारी वाजपेयी की सरकारों के तहत इन नीतियों को मजबूत किया गया और डॉ. मनमोहन सिंह के कार्यकाल में और तेजी आई। भारतीय अर्थव्यवस्था कई मामलों में बेहतर हुई, लेकिन आर्थिक विकास का फायदा बहुत असमान रूप से बंटा हुआ था। दौलत तेजी से एक जगह इकत्र्य होती गई, जबकि समाज का बड़ा हिस्सा आर्थिक रूप से कमजोर बना रहा। पढ़ाई-लिखाई लगातार

महंगी होती गई, उच्च शिक्षा तक पहुंचना मुश्किल होता गया, और नौजवानों के लिए नौकरी के मौके लगातार पक्के नहीं रहे। नरेंद्र मोदी और भाजपा के सत्ता में आने के बाद, ये रूझान और तेज हो गए। रुपये और अन्य संसाधन तेजी से कुछ कॉर्पोरेट ग्रुप के हाथों में जमा होते गए। यूपीए के शासन के समय में, भारत की समस्याओं की मुख्य वजह भ्रष्टाचार को बताया गया, जबकि नरेंद्र मोदी को एक मजबूत नेता के तौर पर दिखाया गया जो देश को तेजी से बदल देगा। 2014 के बाद, आर्थिक मुश्किलों, बेरोजगारी और दूसरी नाकामियों के लिए अक्सर पिछली सरकारों को जिम्मेदार ठहराया गया, जबकि यह भावना भरी जाने लगी कि भारत को अपनी असली आजादी 2014 के बाद ही मिली। साथ ही, साम्प्रदायिक बातों ने बेरोजगारी, महंगाई और यहां तक कि सामाजिक समस्याओं को भी मुसलमानों से जोड़ दिया। इससे नफरत और हिंसा का माहौल बना और भारत का सामाजिक ताना-बाना कमजोर हुआ। लेकिन ऐसी बातें हमेशा नहीं चल सकतीं। छात्र और नौजवान, जो दशकों से काफी हद तक सुस्त रहे थे, अब अपनी असली समस्याओं कृ बेरोजगारी, महंगी शिक्षा, गैर-बराबरी, मौकों की कमी और लोकतांत्रिक आजादी पर पाबंदियों कृ को पहचानने लगे हैं। हाल के छात्र और नौजवानों के विरोध प्रदर्शन इस बदलती सोच की ओर इशारा करते हैं। युवाओं के बारे में अपमानजनक बातों, किसानों की मांगों को संभालने के तरीके और असहमति को दबाने के कथित तरीके को लेकर गुस्सा बढ़ गया है। ऑल इंडिया स्टूडेंट फेडरेशन (एआईएसएफ), स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई), ऑल इंडिया स्टूडेंट एसोसिएशन (आइसा), नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) और कुछ दूसरे संगठन इन मुद्दों को उठाते रहे। यही एक कारण था कि भारत के मुख्य न्यायाधीश के युवाओं को कथित तौर पर श्कॉकरोच्य कहने का बड़े पैमाने पर विरोध हुआ और कॉकरोच संगठन बनाया गया। इसके बाद जंतर-मंतर पर प्रदर्शन हुआ। सोनम वांगचुक को हिरासत में लेने और उसके बाद प्रदर्शनकारियों पर की गई कार्रवाई ने युवाओं के बीच इस भावना को और मजबूत किया कि शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात कहने का उनका अधिकार खतरे में है। अधिकारियों के रवैये, जिसमें जरूरत से ज्यादा बल का प्रयोग और प्रदर्शनकारियों को बदनाम करने की कोशिशें शामिल हैं, ने लोकतंत्र की स्थिति को लेकर जनता की चिंता को और बढ़ा दिया है। पीछे हटने के बजाय, छात्र और युवा एकजुट होते रहे हैं। उनकी बढ़ती भागीदारी से संकेत मिलता है कि जन-जागरूकता का एक नया दौर शुरू हो सकता है। एक खास तौर पर सकारात्मक बात यह है कि युवा सांप्रदायिक राजनीति को नकार रहे हैं। खुद प्रधानमंत्री द्वारा आलोचकों और सवाल उठाने वाले नागरिकों को श्मेंटल नक्सल्य (मानसिक नक्सली) करार देने की कोशिशों ने युवाओं और छात्रों को और नाराज किया है। हालांकि, यह मुद्दा किसी खास सरकार या राजनीतिक पार्टी से कहीं ज्यादा गहरा है।

किडनी बीमारी से परेशान बच्चों के दिल को राहत देगी सही डाइट

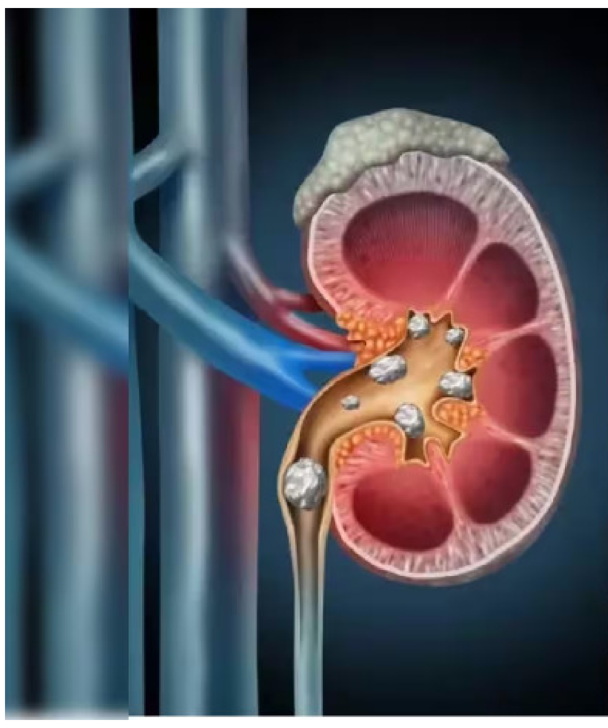

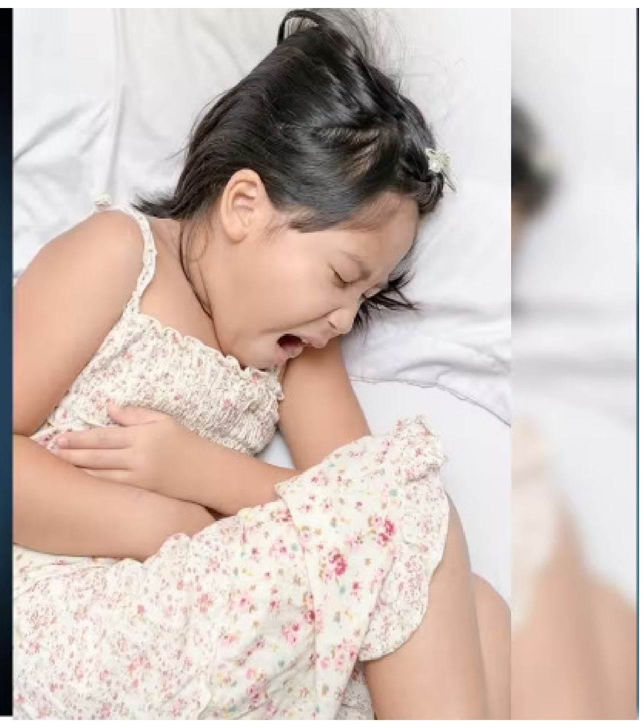

किडनी की गंभीर बीमारी से जूझ रहे बच्चों में सिर्फ दवाएं ही नहीं, बल्कि सही खानपान और नियमित शारीरिक गतिविधि भी दिल को सुरक्षित रखने में अहम भूमिका निभा सकती है। लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज और कलावती सरन बाल चिकित्सालय के डॉक्टरों के अध्ययन में सामने आया है कि खानपान में सुधार, रोजाना व्यायाम और जरूरत के मुताबिक दवाओं के इस्तेमाल से इन बच्चों में हृदय संबंधी बीमारियों का खतरा कम किया जा सकता है। यह अध्ययन स्टेरॉयड रेजिस्टेंट नेफ्रोटिक सिंड्रोम (एसआरएनएस) से पीड़ित 4 से 18 वर्ष की उम्र के 34 बच्चों पर 12 सप्ताह तक किया गया। अध्ययन के दौरान बच्चों के खानपान, शारीरिक गतिविधि, वजन, रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल समेत कई स्वास्थ्य मानकों पर नजर रखी गई।

किडनी की बीमारी में क्यों बढ़ता है कोलेस्ट्रॉल

एसआरएनएस में किडनी शरीर के लिए जरूरी प्रोटीन को पेशाब के रास्ते बाहर निकालने लगती है। इस स्थिति में कुछ बच्चों के शरीर में कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ सकता है। लंबे समय तक खराब कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ा रहने पर रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंच सकता है और आगे चलकर हृदय संबंधी बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। इसी खतरे को देखते हुए अध्ययन में बच्चों की जीवनशैली और खानपान में बदलाव पर विशेष ध्यान दिया गया।

डाइट में घटाई गई संतृप्त वसा और कोलेस्ट्रॉल

अध्ययन के दौरान बच्चों के भोजन में संतृप्त वसा और कोलेस्ट्रॉल की मात्रा कम की गई। माता-पिता को बच्चों के खानपान पर नियमित नजर रखने और संतुलित आहार देने की सलाह दी गई। इसके साथ ही बच्चों को रोजाना कम से कम एक घंटे खेलने या व्यायाम करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। स्क्रीन टाइम को भी दो घंटे से कम रखने की सलाह दी गई, ताकि बच्चे मोबाइल और टीवी पर ज्यादा समय बिताने के बजाय शारीरिक गतिविधियों में हिस्सा लें।

एलडीएल 160 से ऊपर होने पर दी गई दवा

जिन बच्चों में खराब कोलेस्ट्रॉल यानी एलडीएल का स्तर 160 मिलीग्राम प्रति डेसीलीटर से अधिक पाया गया, उन्हें डॉक्टरों की निगरानी में एटोरवास्टेटिन दवा दी गई। बाल रोग विभाग के डॉ. अभिजीत साहा के अनुसार, 12 सप्ताह बाद बच्चों के कुल कोलेस्ट्रॉल, एलडीएल और ट्राइग्लिसराइड्स के स्तर में कमी दर्ज की गई। रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचने से जुड़े संकेतकों में भी सुधार देखा गया।

बढ़े रक्तचाप में भी आया सुधार

अध्ययन की शुरूआत में करीब 41 प्रतिशत बच्चों का रक्तचाप बढ़ा हुआ था। 12 सप्ताह तक जीवनशैली में बदलाव और इलाज के बाद इन बच्चों के रक्तचाप में भी सुधार देखा गया। इससे संकेत मिलता है कि किडनी की बीमारी से जूझ रहे बच्चों में हृदय और रक्त वाहिकाओं की सुरक्षा के लिए उपचार के साथ-साथ रोजमर्रा की आदतों में सुधार भी जरूरी है।

केवल दवाओं पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं

एसआरएनएस से पीड़ित बच्चों के इलाज में केवल दवाओं पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है। बच्चों के भोजन की नियमित निगरानी के साथ उनकी शारीरिक गतिविधि, वजन और रक्तचाप पर भी नजर रखना जरूरी है। उन्होंने बताया कि अध्ययन में एटोरवास्टेटिन बच्चों के लिए सुरक्षित पाई गई और इसके इस्तेमाल से कोई दुष्प्रभाव सामने नहीं आया। हालांकि, बच्चों को यह दवा केवल डॉक्टर की सलाह और निगरानी में ही दी जानी चाहिए।

माता-पिता की भूमिका भी अहम

डॉक्टरों का कहना है कि बच्चों के लिए डाइट प्लान बनाते समय माता-पिता को खुद से बदलाव करने के बजाय डॉक्टर और डाइटीशियन की सलाह लेनी चाहिए। किडनी की बीमारी से पीड़ित हर बच्चे की स्थिति अलग हो सकती है, इसलिए उसके अनुसार ही भोजन और शारीरिक गतिविधि तय की जानी चाहिए। बच्चों को मोबाइल और टीवी से दूर रखकर खेलकूद के लिए प्रोत्साहित करना भी उनकी सेहत के लिए फायदेमंद हो सकता है। अध्ययन के नतीजे बताते हैं कि सही डाइट, सक्रिय जीवनशैली और जरूरत के मुताबिक दवा का संयोजन किडनी रोग से पीड़ित बच्चों में बढ़े कोलेस्ट्रॉल और हृदय संबंधी जोखिम को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है।

चाणक्य नीति के इन 4 बातों को जानकर आप भी अपने बच्चों के व्यवहार को बना सकते हैं बेहतर

हर माता-पिता की चाहत होती है कि उनके बच्चे न केवल गुणी हों बल्कि समझदार भी हों। वे चाहते हैं कि बच्चे जीवन में सफलता प्राप्त करें और बुरे कार्यों से दूर रहकर अच्छे कर्म करें। अक्सर, माता-पिता यह काम बच्चे के बड़े होने पर या जन्म के बाद करना शुरू करते हैं। लेकिन चाणक्य, जो भारतीय राजनीति और अर्थशास्त्र के महान दार्शनिक थे, ने अपनी नीतियों में कुछ महत्वपूर्ण बातें साझा की हैं, जो हमें बच्चों के व्यवहार को सुधारने में मदद कर सकती हैं। चाणक्य के अनुसार, अच्छे गुण और व्यवहार की नींव सही प्रकार से रखी जा सकती है।

चाणक्य नीति के अनुसार बच्चों के व्यवहार को सुधारने के लिए 4 महत्वपूर्ण बातें

सद्गुणों का आदान-प्रदान

चाणक्य ने कहा, कि जैसे दीपक अंधकार को समाप्त करता है और काजल उत्पन्न करता है, वैसे ही यदि व्यक्ति अपने अच्छे कार्यों के माध्यम से अपनी आजीविका चलाता है, तो उसकी संतान भी सद्गुणों से युक्त होती है। इसलिए, अपने बच्चों को अच्छे संस्कार देने के लिए स्वयं अच्छे गुणों का पालन करें। जब आप खुद ईमानदार और अच्छे इंसान होंगे, तो आपके बच्चे भी आपके गुणों को अपनाएंगे और सद्गुणी बनेंगे।

अनुशासन और नियमों का पालन

चाणक्य ने स्पष्ट रूप से बताया है कि अनुशासन और नियम पालन का महत्व अत्यधिक होता है। बच्चों को छोटे-छोटे नियमों का पालन सिखाना उन्हें जिम्मेदार और अनुशासित बनाता है। अनुशासन केवल बाहरी नियमों का पालन नहीं है, बल्कि यह बच्चे के भीतर एक संयम और सेल्फ कंट्रोल को भी विकसित करता है। इस तरह के अनुशासन से बच्चे अपने जीवन में सही निर्णय लेने में सक्षम होते हैं और उनका व्यवहार भी सुधरता है।

अच्छे आहार और जीवनशैली का महत्व

चाणक्य ने अच्छे आहार और जीवनशैली पर भी जोर दिया है। उनका मानना था कि शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का सीधा संबंध अच्छे आहार से होता है। बच्चों को पोषक तत्वों से भरपूर आहार देने से उनकी शारीरिक और मानसिक विकास होता है, जो उनके व्यवहार पर सकारात्मक प्रभाव डालता है। अच्छे स्वास्थ्य के साथ-साथ एक नियमित जीवनशैली, जिसमें उचित नींद और व्यायाम शामिल हो, बच्चों के व्यवहार को सुधारने में सहायक होती है।

सकारात्मक उदाहरण और मार्गदर्शन

चाणक्य का मानना था कि माता-पिता के अपने खुद के आचरण से बच्चों पर प्रभाव पड़ता है। यदि आप खुद एक सकारात्मक उदाहरण प्रस्तुत करेंगे, तो बच्चे भी उन गुणों को अपनाएंगे। अपने व्यवहार, निर्णय और कार्यों से बच्चों को सही मार्गदर्शन दें। यह न केवल उनके नैतिक विकास को बढ़ावा देता है बल्कि उनके सामाजिक व्यवहार को भी सुधारता है।

चाणक्य की नीतियों के अनुसार, अपने बच्चों के व्यवहार को सुधारने के लिए आपको स्वयं अच्छे गुणों का पालन करना होगा, अनुशासन और नियमों का महत्व समझाना होगा, सही आहार और जीवनशैली अपनानी होगी, और सकारात्मक उदाहरण प्रस्तुत करना होगा। इन बातों को अपनाकर आप अपने बच्चों को एक आदर्श व्यक्तित्व और उत्कृष्ट व्यवहार के साथ विकसित कर सकते हैं।

आईलाइनर को रिमूव करने में यह टिप्स आपकी करेंगे मदद, जानें कैसे हटाएं

लड़कियों को मेकअप करना काफी पसंद होता है। अगर आप भी आईलाइनर कॉलेज या ऑफिस में लगाते हैं लेकिन इसे छुटाते समय काफी मुश्किल झेलनी पड़ती है। अगर आप आईलाइनर को सही तरह से साफ नहीं करते हैं तो इसके कारण आपको कई सारी परेशानी हो सकती है। लेकिन आप इन टिप्स के जरिए आसानी से आईलाइनर को रिमूव कर सकते हैं। औमतार पर महिलाओं को मेकअप करना बेहद पसंद होता है। मेकअप लुक को कंप्लीट करने के लिए आंखो पर आईलाइनर लगाना काफी जरुरी होता है। मेकअप का अहम हिस्सा आईलाइनर होता है। चाहे नो मेकअप लुक हो, सिंपल मेकअप, हैवी मेकअप या मिनिमल मेकअप लुक, इन सब में आईलाइर लगाना काफी महत्वपूर्ण माना जाता है। हालांकि, एक बार लाइनर लग जाए तो इसे छुटाना काफी मुश्किल होता है। अगर आप आईलाइनर को सही तरह से साफ नहीं करते हैं तो इसके कारण आपको कई सारी परेशानी हो सकती है। आइए जानते हैं कैसे आईलाइनर को रिमूव करें।

कॉटन पैड का यूज करें

अगर आप मेकअप को रिमूव करने के दौरान कॉटन पैड का यूज करती हैं, तो वहीं आप कॉटन पैड की मदद से आईलाइनर को रिमूव कर सकती हैं। वहीं इसके लिए थोड़ा-सा माईसैलर वॉटर कॉटन पैड लगाएं और इसके बाद हलके से आईलाइनर को हटा ले।

इस तरह से करें इस्तेमाल

- कॉटन पैड पर मेकअप रिमूवर/माईसैलर वॉटर लगाएं।
- फिर इसे अप्लाई करें।
- इसके बाद इसे साफ कर लें।

तेल का करें प्रयोग

आईलाइनर का हटाने के लिए आप नारियल का तेल यूज कर सकते हैं। नारियल तेल जहां त्वचा के लिए मॉइश्चराइज करता है तो आईलाइनर को रिमूव करने में उपयोगी है। अगर आपके पास मेकअप रिमूवर नहीं है तो आप नारियल तेल का करें प्रयोग।

इस तरह से करें इस्तेमाल

-कॉटन पैड को तेल में भिगो लें।
- आंखों पर हल्के से अप्लाई करें।
- कुछ समय बाद आईलाइनर हल्के से साफ करें।

इन बातों का रखें ख्याल

- आप जब आईलाइनर को साफ करें त्वचा पर जोर न डालें।
- हल्के हाथों से लाइनर को हटाएं।
- आईलाइनर वाटरप्रूफ है तो ऑयल-बेस्ड मेकअप रिमूवर का इस्तेमाल करें।
- सही आईलाइनर का इस्तेमाल करें।

पुरुषों और महिलाओं पर अलग असर डालती है डायबिटीज, जानें किसे किस बीमारी का ज्यादा खतरा

टाइप-2 डायबिटीज पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए गंभीर बीमारी है, लेकिन इसका असर दोनों पर एक जैसा नहीं होता। च्स् व् डमकपबपदम में प्रकाशित एक अध्ययन के मुताबिक, डायबिटीज के बाद पुरुषों में हार्ट और किडनी से जुड़ी जटिलताओं का जोखिम अधिक पाया गया, जबकि महिलाओं में मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं का खतरा ज्यादा देखा गया। ब्रिटेन में किए गए इस अध्ययन में टाइप-2 डायबिटीज से पीड़ित 28,720 मरीजों को शामिल किया गया। शोधकताओं ने डायबिटीज का पता चलने के बाद पुरुषों और महिलाओं में होने वाली अलग-अलग स्वास्थ्य समस्याओं का अध्ययन किया। रिसर्च में पाया गया कि पुरुषों में डायबिटीज के बाद

रक्त वाहिकाओं से जुड़ी समस्याएं अपेक्षाकृत जल्दी विकसित हो सकती हैं। वहीं, महिलाओं में तनाव और डिप्रेशन जैसी मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का जोखिम अधिक देखा गया। अध्ययन के अनुसार, डायबिटीज के बाद पुरुषों में हृदय और किडनी से जुड़ी गंभीर जटिलताओं का जोखिम महिलाओं की तुलना में ज्यादा था। आंकड़ों में करीब 8.4ः पुरुषों में डायबिटीज के बाद हार्ट डिजीज या किडनी फेलियर जैसी समस्याएं देखी गईं, जबकि महिलाओं में यह आंकड़ा 5.3ः था। शोधकताओं के मुताबिक, पुरुषों में रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचने की प्रक्रिया भी अपेक्षाकृत जल्दी शुरू हो सकती है। डायबिटीज का असर सिर्फ शरीर के अंगों तक सीमित नहीं रहता। अध्ययन में महिलाओं में मानसिक तनाव और डिप्रेशन जैसी समस्याओं का जोखिम अधिक देखा गया। लंबे समय तक ब्लड शुगर को नियंत्रित रखने, बीमारी की चिंता और रोजाना की दवाओं व स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों का मानसिक स्वास्थ्य पर असर पड़ सकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं। हार्मोन, शरीर में फैट का वितरण, डायबिटीज की शुरूआत किस उम्र में हुई और बीमारी कितने समय से है, जैसे कारक इसमें भूमिका निभा सकते हैं। इसके अलावा पुरुषों और महिलाओं के स्वास्थ्य व्यवहार और मेडिकल केयर लेने के तरीके में भी अंतर हो सकता है। इसलिए डायबिटीज का इलाज करते समय केवल ब्लड शुगर पर ध्यान देने के बजाय मरीज के लिंग, उम्र, अन्य बीमारियों और मानसिक स्वास्थ्य को भी ध्यान में रखना जरूरी है। डायबिटीज होने पर पुरुषों और महिलाओं दोनों को नियमित रूप से ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल और किडनी की जांच करानी चाहिए। साथ ही संतुलित डाइट, नियमित शारीरिक गतिविधि, पर्याप्त नींद और डॉक्टर द्वारा बताई गई दवाओं का पालन करना जरूरी है।

सेहत बना नहीं बिगाड़ रहा है डिब्बाबंद जूस, इसमें फल से ज्यादा होती है चीनी

विशेषज्ञों ने चेताया कि पैकेज्ड जूस, यहां तक कि स्वस्थ लेबल वाले भी सेहत के लिए खतरनाक हैं और उनमें पोषण मूल्य कम हैं। उन्होंने इनसे बचने की जरूरत पर बल दिया। प्रोसेस्ड जूस में फाइबर, विटामिन और मिनरल की भी कमी होती है। राष्ट्रीय पोषण सप्ताह हर साल 1 सितंबर से 7 सितंबर तक मनाया जाता है। इस साल का थीम श्सभी के लिए पौष्टिक आहार है। पैकेज्ड जूस में फलों का गूदा होता है कम फोर्टिस अस्पताल, शालीमार बाग की यूनिट बाग की यूनिट हेड- डायटेटिक्स डॉ. श्वेता गुप्ता ने कहा- पैकेज्ड जूस में आमतौर पर फलों का गूदा कम होता है ।

1 सितंबर का इतिहास: LIC की नींव से लेकर कामिल बुल्के के जन्म तक, जानिए आज की प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएं

हिन्द सागर प्रलोका, संवाददाता।

1 सितंबर की तारीख भारतीय इतिहास में कई महत्वपूर्ण घटनाओं की साक्षी रही है। इसी दिन 1956 में भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC) की औपचारिक स्थापना हुई थी। आज छक्ब देश में वित्तीय सुरक्षा और भरोसे का

प्रमुख नाम है। शब्दकोश के पुरोधा कामिल बुल्के का जन्म

प्रसिद्ध साहित्यकार और हिंदी-अंग्रेजी शब्दकोश के विद्वान फादर कामिल बुल्के का जन्म 1 सितंबर 1909 को हुआ था। हिंदी भाषा और साहित्य के क्षेत्र में उनके योगदान को विशेष रूप से याद किया जाता है।

1 सितंबर की प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएं–

- 1858ः ईस्ट इंडिया कंपनी के निदेशकों की लंदन में अंतिम बैठक हुई।
- 1878ः एम्मा एम. नट्ट अमेरिका की पहली महिला टेलीफोन ऑपरेटर बनीं।
- 1923ः जापान में आए ग्रेट कांटो भूकंप से टोक्यो और योकोहामा में भारी तबाही हुई।
- 1942ः रास बिहारी बोस ने इंडियन नेशनल आर्मी की स्थापना की।
- 1947ः भारत में भारतीय मानक समय (क्ष्ळ) लागू हुआ।
- 1956ः भारतीय जीवन बीमा निगम (छक्ब) की स्थापना हुई।
- 1964ः इंडियन ऑयल रिफाइनरी और इंडियन ऑयल कंपनी के विलय से इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन का गठन हुआ।
- 1965ः पाकिस्तानी सेना ने कश्मीर में संघर्षविराम रेखा पार की।
- 2018ः मुक्केबाज अमित पंघाल ने एशियाई खेलों में 49 किग्रा वर्ग का स्वर्ण पदक जीता। इसी दिन प्रणब बर्धन और शिबनाथ सरकार ने पुरुष युगल ब्रिज स्पर्धा में स्वर्ण हासिल किया।
- 2020ः पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी का दिल्ली में पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया।
- 2023ः भारतीय मूल के थरमन षणमुगरत्नम ने सिंगापुर का राष्ट्रपति चुनाव जीता।
- 2025ः यमन के हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में एक तेल टैंकर पर मिसाइल हमला किया।

(दैनिक हिन्दी)
हिन्द सागर
प्रहरी लोकतंत्र का

hindsagarplk.com

बेंगलूरु,बुधवार,02 सितम्बर 2026

कौन हैं ईशा रिखी ? बादशाह की दूसरी पत्नी

जिनके साथ सिंगर ने शादी के 5 महीने बाद ही लिया तलाक

रैपर बादशाह और ईशा रिखी के रिश्ते को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, शादी के महज पांच महीने बाद दोनों ने अलग होने का फैसला किया है। बादशाह ने देर रात सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए ईशा से तलाक की जानकारी साझा की, जिसके बाद फैंस भी हैरान रह गए। अब इस खबर के बाद सबसे ज्यादा चर्चा ईशा रिखी की हो रही है। फैंस जानना चाहते हैं कि आखिर बादशाह की दूसरी पत्नी ईशा कौन हैं और उनका रिश्ता इतनी जल्दी क्यों खत्म हो गया। आइए जानते हैं ईशा रिखी से जुड़ी खास बातें। दरअसल, ईशा रिखी का ताल्लुक पंजाब से है। उनका जन्म 9 सितंबर 1993 को चंडीगढ़ में हुआ था। उन्होंने शुरूआती पढ़ाई शिशु निकेतन मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल से की और इसके बाद पंजाब यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन पूरा किया। ईशा ने कॉलेज के दिनों में ही मॉडलिंग की दुनिया में कदम रख दिया था। इसके बाद साल 2013 में पंजाबी फील जट्ट बॉयज पुत्त जट्टन दे से उन्होंने एक्टिंग करियर की शुरूआत की।

भाभी संग अनबन की अफवाहों के बीच राखी मनाने मायके पहुंची ऐश्वर्या राय, नए हेयरस्टाइल में दिखीं आराध्या बच्चन

बॉलीवुड सुपरस्टार ऐश्वर्या राय बच्चन ने अपने भाई आदित्य राय और परिवार के साथ रक्षाबंधन मनाया। इस दौरान फैंस को लाइमलाइट से दूर एक्ट्रेस की एक खास झलक देखने को मिली। उनकी भाभी श्रीमा राय द्वारा शेयर की तस्वीर ऐश्वर्या के फैंस का खास ध्यान खींच रही है क्योंकि सालों से उनके भाई और उनके परिवार के साथ उनके रिश्तों को लेकर अटकलें लगाई जाती रही हैं। सोशल मीडिया पर ऐश्वर्या और आदित्य के परिवार के बीच कथित दूरी था। नेटिजन्स ने श्रीमा और श्वेता दोनों पर जानबूझकर ऐश्वर्या को अलग-थलग महसूस कराने की कोशिश करने का आरोप लगाया था। इस घटना के दौरान ऐश्वर्या के फैंस ने यह सवाल भी उठाया था कि श्रीमा ऐश्वर्या या आराध्या

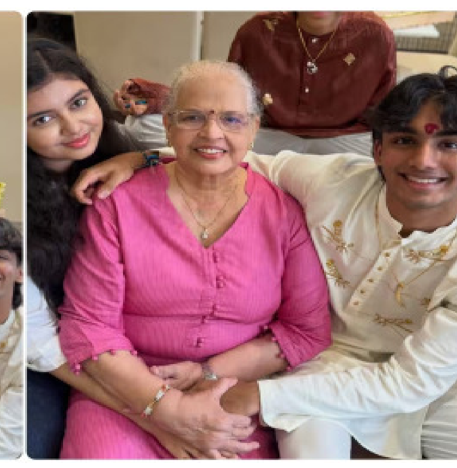

गई तस्वीर में ऐश्वर्या, आदित्य, श्रीमा, खुद श्रीमा, ऐश्वर्या की बेटी आराध्या बच्चन, उनकी मां वृंदा राय और परिवार के छोटे सदस्य नजर आ रहे हैं। तस्वीर में ऐश्वर्या सफेद एथनिक आउटफिट में दिख रही हैं, उनके बाल खुले हैं और सिर पर सनग्लासेस लगे हैं। वह अपने भाई आदित्य के साथ पोज देती हुई दिख रही हैं, जबकि श्रीमा उनके बगल में खड़ी हैं। आराध्या और उनके कजिन्स अपनी दादी को गले लगाते हुए दिख रहे हैं। यह की खबरें समय-समय पर सामने आती रही हैं। इससे पहले भी श्रीमा की सोशल मीडिया एक्टिविटी पर ऐश्वर्या के फैंस की नजर रही है। नवंबर 2024 में, उन्हें तब ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था जब उन्होंने अपने जन्मदिन पर श्वेता बच्चन नंदा और उनके पति निखिल नंदा से मिले फूलों की तस्वीर शेयर की थी। यह पोस्ट ऐश्वर्या और अभिषेक बच्चन के रिश्ते को लेकर चल रही जबरदस्त ऑनलाइन अटकलों के बीच आया के साथ तस्वीरें बहुत कम क्यों शेयर करती हैं। वहीं, ऐश्वर्या ने प्रोफेशनल तौर पर ज्यादातर लो-प्रोफाइल बनाए रखा है। उन्हें आखिरी बार 2023 में मणिरत्नम की फिल्म पोन्नियिन सेलवन प्ष्श में बड़े पर्दे पर देखा गया था, जिसमें उन्होंने नंदिनी और मंदाकिनी की दोहरी भूमिका निभाई थी। उन्होंने इस साल कान फिल्म फेस्टिवल में भी शिरकत की, जहां उनके ड्रेस और स्टाइलिंग की काफी तारीफ हुई।

नेपाल के दर्द में साथ खड़ी हुईं मनीषा कोइराला, बोलीं- बेहतर इंसान बने और एक-दूसरे की मदद करें

अभिनेत्री मनीषा कोइराला ने नेपाल में इन सॉलिडैरिटी विद नेपाल (नेपाल के साथ एकजुटता) कार्यक्रम में हिस्सा लिया, जिसे रविवार को सद्गुरु के ईशा फाउंडेशन ने आयोजित किया था। बुधवार को देश में आई विनाशकारी अचानक बाढ़ के बाद बॉलीवुड स्टार ने नेपाल के लोगों के प्रति अपना समर्थन और एकजुटता जाहिर की। इन सॉलिडैरिटी विद नेपाल कार्यक्रम में बोलते हुए, मनीषा कोइराला ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय और पड़ोसी देशों से पर्यटन को बढ़ावा देकर नेपाल की मदद करने का आग्रह किया। हम ग्लोबल वार्मिंग का असर झेल रहे हैं। हमारा अगला कदम क्या होना चाहिए ? मैं गुजारिश करती हूं कि इंसान के तौर पर, हमारे महान पड़ोसी - चीन, भारत और नेपाल - किसी तरह इसमें साथ आएं और मिलकर कुछ करें। हम एक-दूसरे से बहुत जुड़े हुए हैं। और ऐसी घटनाओं से बचने की कोशिश करें। मुझे उम्मीद है और मैं प्रार्थना करती हूं। इस विनाशकारी पल से सीखकर हम बेहतर इंसान बनें। हम दूसरों की मदद वैसे ही करें जैसे हम अपनों की करते हैं।ष उन्होंने आगे कहा, इसके अलावा, मैं सभी अंतरराष्ट्रीय समुदायों से गुजारिश करना चाहती हूं... मैं प्रार्थना करती हूं कि आपका प्यार और समर्थन बना रहे। एक देश के तौर पर, हमें लोगों के हमारे देश आने की जरूरत है। हम यह नहीं कहलाना चाहते कि ओह, यह देश तो आपदाओं से भरा है। हमें जरूरत है कि आप सब यात्रा करें। हाँ, तिब्बत और नेपाल सीमा पर आपदा आई है। लेकिन टूरिज्म ही जीवन-सांस है। इससे पहले, नेपाल में जन्मीं और अक्सर उस देश से अपने जुड़ाव के बारे में बात करने वालीं मनीषा कोइराला ने भी लोगों से प्रभावित लोगों के लिए प्रार्थना करने की अपील की। उन्होंने बाढ़ से हुए नुकसान की तस्वीरें शेयर कीं और लिखा, नेपाल के लिए प्रार्थना करें। ईशा फाउंडेशन की वेबसाइट के अनुसार इन सॉलिडै जाहिर रिटी विद नेपाल नेपाल के लोगों की हिम्मत और जज्बे को सहारा देने और अपनी जिंदगी को फिर से बनाने में जुटे समुदाय के साथ एकता और एकजुटता जाहिर करने की एक कोशिश है। नेपाल पुलिस ने बताया कि रविवार शाम 5.45 बजे तक नेपाल में भयानक अचानक आई बाढ़ से मरने वालों की संख्या 794 तक पहुंच गई है। अपडेट किए गए आंकड़ों के अनुसार, सबसे ज्यादा मौतें चितवन में (264) दर्ज की गई हैं, इसके बाद नवलपरासी ईस्ट में 197, नवलपरासी वेस्ट में 120, गोरखा में 61, नुवाकोट में 52, धाडिंग में 50, तनहुन में 37 और रसुवा में 13 मौतें हुई हैं।

एक तरफ पुरानी यादें, दूसरी तरफ मां बनने की खुशी...करिश्मा तन्ना ने शेयर किया स्पेशल पोस्ट

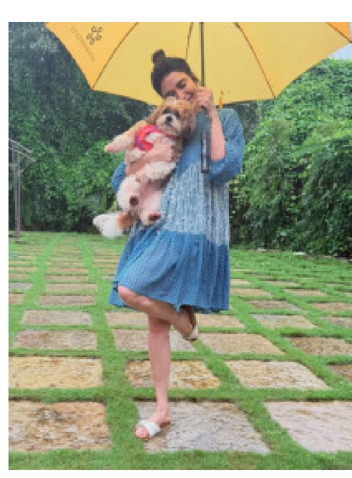

एक्ट्रेस करिश्मा तन्ना ने अगस्त को अलविदा कहते हुए पुरानी यादें ताजा कीं। उन्होंने अगस्त 2025 की कुछ झलकियां शेयर कीं और साथ ही यह भी बताया कि अगस्त 2026 उनके परिवार में नए सदस्य के आने की वजह से कितना खास रहा है। करिश्मा ने इंस्टाग्राम पर अपने पति वरुण बंगेरा के साथ 2025 की खूबसूरत छुट्टियों की कई तस्वीरें शेयर कीं। उन्होंने अपनी प्रेग्नेंसी के शुरूआती दिनों की कुछ तस्वीरें भी शेयर कीं जिनमें उनका बेबी बंप दिख रहा था। करिश्मा ने कैप्शन में लिखा, अगस्त 2025 की यादों को भी संजो रही हूं। क्योंकि अगस्त 2026 हमारे परिवार में नए सदस्य के आने से भरा हुआ है। हैलो सितंबर। करिश्मा और उनके पति वरुण 29 जुलाई को माता-पिता बने और उन्होंने अपने पहले बच्चे, एक बेटे का स्वागत किया। कपल ने एक जॉइंट इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए यह खुशी की खबर शेयर की। उन्होंने बताया कि उनके बेटे का जन्म गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर, 29 जुलाई को हुआ था। उन्होंने बच्चे के पैरों की एक मोनोक्रोम (ब्लैक एंड व्हाइट) तस्वीर शेयर की, जिसमें पैरों की उंगलियों से बंधे एक टैग पर ही इज हियर (वह आ गया है) लिखा था। तस्वीर के कैप्शन में लिखा था, बेटा हुआ है ! करिश्मा और वरुण। हमारा सबसे बड़ा आशीर्वाद। 29 जुलाई 2026। तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा, गुरु पूर्णिमा के पवित्र दिन जन्म हुआ... हमारा सबसे बड़ा आशीर्वाद हमारे बीच है। 29 जुलाई 2026, हमारी दुनिया में तुम्हारा स्वागत है, नन्हे मेहमान। करिश्मा और वरुण। करिश्मा और वरुण ने 2021 में डेटिंग शुरू की और 2022 में मुंबई में शादी कर ली। उनके रिश्ते की शुरूआत न्यू ईयर ईव (नए साल की पूर्व संध्या) की पार्टी से हुई थी, जहां फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा ने उन्हें मिलवाया था। क्योंकि सास भी कभी बहू थी की एक्ट्रेस, जो मल्होत्रा के साथ पार्टी में गई थीं, वरुण से पहली बार उसी इवेंट में मिली थीं। कपल ने इस साल अप्रैल में इंस्टाग्राम पर प्यारी तस्वीरें शेयर करके अपनी प्रेग्नेंसी की घोषणा की थी। करिश्मा ने क्योंकि सास भी कभी बहू थी से लेकर नागिन 3 और कयामत की रात जैसे शो में अपनी एक्टिंग का हुनर दिखाया है। उन्होंने ग्रैंड मस्ती, राजकुमार हिरानी की संजू और सूरज पे मंगल भारी जैसी फिल्मों से बॉलीवुड में कदम रखा। उन्हें अपने ओटीटी शो हश हश के लिए भी काफी पसंद किया गया और हंसल मेहता की सीरीज स्कूप से उन्हें बड़ी कामयाबी मिली।

यह मेरी अब तक की, आवारापन 2 की सफलता पर इमरान हाशमी का भावुक रिएक्शन; पोस्ट शेयर कर लिखा खास नोट

आवारापन 2 ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कलेक्शन किया है। ऐसे में फिल्म की सफलता पर एक्टर इमरान हाशमी ने एक खास पोस्ट शेयर कर फिल्म को लेकर अपने अनुभव शेयर किए हैं। इमरान हाशमी इन दिनों स्वाइन फ्लू से ठीक हो रहे हैं, लेकिन उनकी लेटेस्ट फिल्म ह्यआवारापन 2 को बॉक्स ऑफिस पर मिल रही शानदार सफलता ने उन्हें काफी खुश कर दिया है। साल 2007 में रिलीज हुई फिल्म ह्यआवारापन बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही थी। ऐसे में उसके सीक्वल की इतनी बड़ी सफलता ने फिल्म इंडस्ट्री को भी हैरान कर दिया है। फैंस का किया धन्यवाद अब इमरान हाशमी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर कर दर्शकों का शुक्रिया अदा किया है। उन्होंने मंगलवार को लिखा, ह्यकुछ फिल्में ऐसी होती हैं जिन पर आप काम करते हैं और फिर कुछ फिल्में ऐसी होती हैं, जिनका हिस्सा होने पर आपको दिल से गर्व महसूस होता है। ह्यआवारापन 2 ऐसी ही फिल्म है। यह एक ऐसी बेहद खास और दुर्लभ सफलता बन गई है, जो बहुत कम देखने को मिलती है। एक ऐसी फिल्म, जिसे दो दशक पहले दर्शकों का प्यार नहीं मिला था, वह अपने सीक्वल के साथ वापस आई और बॉक्स ऑफिस पर इतिहास बदलने के लिए तैयार थी। यह एक इमोशन से भरपूर एक्शन म्यूजिकल फिल्म है, जिसे शानदार विजुअल स्केल पर बनाया गया है। फिल्म में बेहद अलग और लंबे समय तक याद रहने वाला म्यूजिक है।' फिल्म का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद खास रहा उन्होंने आगे लिखा, 'मैं सच में मानता हूं कि इस फिल्म को दर्शकों के साथ और सिनेमाघरों में देखना सबसे बेहतर अनुभव है। इस पूरी कहानी के

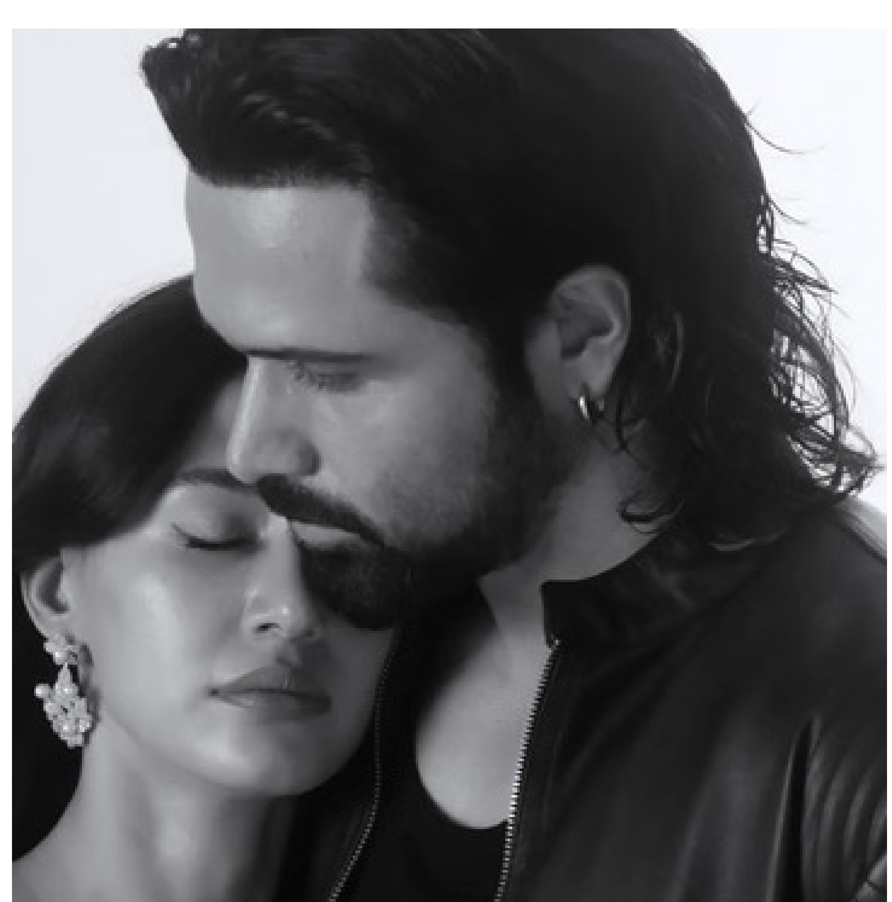

केंद्र में विशाल हैं, जिन्होंने आवारापन की दुनिया बनाई। उनका विजन और अपने काम पर भरोसा ही इस फिल्म से जुड़े हर व्यक्ति और हर चीज को आकार देता रहा। मुझे बहुत खुशी है कि हमने साथ मिलकर यह कदम उठाया और यह सफर तय किया। इतनी शानदार स्टारकास्ट, म्यूजिक की जीनियस टीम और क्रिएटिव ब्रिलियंस वाली फिल्म का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद खास रहा है। अब तक की सबसे बेहतरीन फिल्म इमरान ने आगे ह्यआवारापन 2 को अपनी अब तक की सबसे बेहतरीन फिल्म तक बता दिया। उन्होंने दर्शकों से फिल्म को सिनेमाघरों में देखने की अपील करते हुए कहा, ह्यइसलिए बहुत देर होने से पहले आवारापन 2 को सिनेमाघरों में जाकर जरूर देखें। इस इमोशनल रोलर कोस्टर को महसूस करें। म्यूजिक को खुद पर हावी होने दें और फिल्म का उसी तरह जश्न मनाएं, जिस तरह इसे मनाया जाना चाहिए- बड़ी स्क्रीन, बड़ी आवाज और एक शानदार सिनेमैटिक एक्सपीरियंस के साथ।

कृति सेनन के विज्ञापन विवाद से जुड़े सवाल पर बचती दिखीं करीना, मेघना गुलजार ने संभाली बात

रक्षाबंधन त्योहार के वक्त कृति सेनन अपने एक ब्रांड विज्ञापन के चलते काफी ट्रोल हुईं थीं। अब हाल ही में इस मामले पर जब करीना कपूर से उनकी राय पूछी गई, तो वे इस सवाल से बचती नजर आईं। जानें क्या है पूरा मामला। कृति सेनन के हालिया राखी विज्ञापन को लेकर चल रहे विवाद के बीच करीना कपूर खान से भी स्क्रीन पर कपड़े पहनने को लेकर सवाल किया गया। हालांकि, करीना इस सवाल का जवाब देने में थोड़ी झिझकती नजर आईं। अब इसका वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। सवाल से असहज हुईं करीना यह सवाल करीना की आने वाली फिल्म ह्यदायराह्ण के ट्रेलर लॉन्च के दौरान पूछा गया। दरअसल, हाल ही में एक ज्वेलरी ब्रांड ने रक्षाबंधन के मौके पर कृति सेनन का एक विज्ञापन जारी किया था, जिसमें उनके आउटफिट को लेकर सोशल मीडिया पर विवाद शुरू हो गया था। सवाल सुनने के बाद करीना थोड़ी असहज और हिचकिचाती हुई नजर

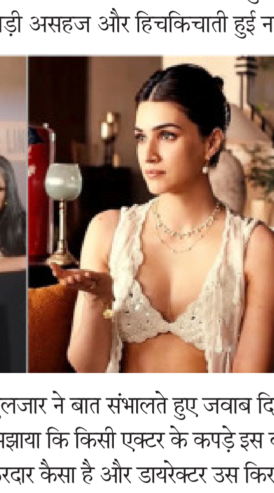

आईं। तभी फिल्म की डायरेक्टर मेघना गुलजार ने बात संभालते हुए जवाब दिया। मेघना गुलजार ने क्या कहा? मेघना ने समझाया कि किसी एक्टर के कपड़े इस बात पर निर्भर करते हैं कि फिल्म में उसका किरदार कैसा है और डायरेक्टर उस किरदार को किस तरह दिखाना चाहता है। उन्होंने कहा, ह्यउस फिल्म में किसी महिला या पुरुष का क्या किरदार है, उसके हिसाब से उन्हें कपड़े पहनाए जाएंगे। यह किरदार पर निर्भर करता है। यह डायरेक्टर पर निर्भर करता है। यह सवाल सिर्फ एक एक्टर से पूछना सही नहीं है। क्यों शुरू हुआ विवाद? कृति सेनन का विवाद एक ज्वेलरी ब्रांड के हालिया रक्षाबंधन विज्ञापन से शुरू हुआ। इसमें कृति सेनन ने त्योहार की रस्में निभाते हुए लहंगा, डीप-नेक ब्लाउज और केप पहना था। कुछ सोशल मीडिया यूजर्स को उनका पहनावा त्योहार के लिए अनुचित लगा, जिसके बाद उन्होंने इसे ट्रोल करना शुरू किया। इसके जवाब में, ज्वेलरी ब्रांड ने विज्ञापन हटा दिया और कहा कि उसका मकसद धार्मिक या सांस्कृतिक भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं था। कृति ने भी इस आलोचना पर प्रतिक्रिया दी और सवाल किया कि अक्सर किसी महिला के कपड़ों को संस्कृति और परंपराओं के प्रति उसके सम्मान से क्यों जोड़ा जाता है।

अल्काराज जीते, वावरिंका का सफर खत्म, स्वियातेक-अनिसिमोवा और सबालेंका की भी आसान जीत

न्यूयॉर्क। यूएस ओपन के दूसरे दिन कई बड़े सितारों ने जीत के साथ दूसरे दौर में जगह बनाई। कार्लोस अल्काराज ने रोमन सफीउलिन को सीधे सेटों में हराकर शानदार शुरूआत की, जबकि स्टेन वावरिंका का ग्रैंड स्लैम करियर हार के साथ खत्म हो गया। इगा स्वियातेक, आर्यना सबालेंका और झेंग छिनवेन भी आगे बढ़ीं। न्यूयॉर्क में जारी यूएस ओपन के दूसरे दिन कई बड़े मुकाबलों ने टेनिस प्रशंसकों का ध्यान खींचा। लंबे ब्रेक के बाद एकल कोर्ट पर लौटे कार्लोस अल्काराज ने जीत के साथ शुरूआत की, जबकि तीन बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्टेन वावरिंका का ग्रैंड स्लैम करियर हार के साथ समाप्त हो गया। महिला वर्ग में इगा स्वियातेक, डिफेंडिंग चैंपियन आर्यना सबालेंका और चोट से वापसी कर रहीं झेंग छिनवेन ने भी दूसरे दौर में जगह बनाई। अल्काराज ने सीधे सेटों में दर्ज की जीत चार महीने के ब्रेक के बाद यूएस ओपन में वापसी कर रहे कार्लोस अल्काराज ने रोमन सफीउलिन को 6-4, 6-4, 6-4 से हराया। मिश्रित युगल में सेरेना विलियम्स के साथ शुरूआती मैच में हारने के बाद स्पेनिश स्टार ने एकल मुकाबले में अपनी लय हासिल कर ली। अल्काराज पूरे मुकाबले में नियंत्रण में नजर आए और उन्होंने सीधे सेटों में जीत दर्ज कर दूसरे दौर में प्रवेश किया। वावरिंका का ग्रैंड स्लैम करियर खत्म पूर्व

यूएस ओपन चैंपियन स्टेन वावरिंका को मैटेओ बेरेटिनी के खिलाफ 7-6(4), 7-6(3), 6-0 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ वावरिंका का ग्रैंड स्लैम करियर समाप्त हो गया। वावरिंका पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि वह 2026 सीजन के बाद पेशेवर टेनिस को अलविदा कह देंगे। उन्होंने 2016 में यूएस ओपन का खिताब जीता था। शेल्टन ने हार के बाद पलटा मुकाबला अमेरिका के नंबर-1 बेन शेल्टन ने टैलोन ग्रीक्सपूर के खिलाफ धीमी शुरूआत की। वह पहला सेट 1-6 से हार गए, लेकिन इसके बाद उन्होंने शानदार वापसी करते हुए अगले तीन सेट 6-1, 7-6(3), 6-2 से जीत लिए। शेल्टन ने इस तरह मुकाबला 1-6, 6-1, 7-6(3), 6-2 से अपने नाम किया और हाल ही में कनाडा में अपने खिताब का सफल बचाव करने के बाद शानदार फॉर्म जारी रखी। सितसिपास ने एक सेट और ब्रेक से वापसी की स्टेफानोस सितसिपास ने दिन की बेहतरीन वापसी में 10वीं सीड आर्थर फिल्स को हराया। पहला सेट गंवाने और दूसरे सेट में ब्रेक से पिछड़ने के बावजूद ग्रीक खिलाड़ी ने मुकाबला 4-6, 7-6(3), 6-1, 6-4 से जीत लिया। सितसिपास ने 50 विनर्स लगाए और फिल्स की लगातार छह मैचों की जीत का सिलसिला रोक दिया। अब उनका सामना क्वालीफायर लॉयड हैरिस से होगा। ऑगर-अलियासिमे और नाकाशिमा भी आगे तीसरी सीड फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे ने रिंकी हिजिकाटा को 7-5, 4-6, 6-3, 7-5 से हराया। बारिश के कारण मैच करीब एक घंटे रुका, लेकिन वापसी के बाद कनाडाई खिलाड़ी ने लय हासिल कर मुकाबला अपने नाम किया। उनका अगला मुकाबला कैरेन खाचानोव से होगा, जिन्होंने रोमन एंड्रेस बुरुचागा को 6-3, 6-0, 6-1 से हराया। ब्रैंडन नाकाशिमा ने सेबेस्टियन बाएज को सिर्फ 89 मिनट में 6-2, 6-1, 6-0 से हराया। उन्होंने मुकाबले में 34 विनर्स लगाए। अब वह एलेक्स मिशेलसन से भिड़ेंगे, जिन्होंने फेडेरिको सिना को 6-4, 6-1, 6-0 से हराया। 14वीं सीड लर्नर टिएन ने नूनो बोर्गेस को 6-4, 6-1, 6-2 से हराकर पहली बार यूएस ओपन में जीत दर्ज की। गोर्जनी ने बचाए पांच मैच पॉइंट अमेरिका के 731वीं रैंकिंग वाले सेबेस्टियन गोर्जनी ने राफेल कॉलिग्नन के खिलाफ करीब चार घंटे चले रोमांचक मुकाबले में जीत हासिल की। उन्होंने पांच मैच पॉइंट बचाते हुए 3-6, 6-3, 3-6, 6-3, 7-6(9) से जीत दर्ज की। महिला वर्ग में स्वियातेक और सबालेंका का जलवा सात बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन इगा स्वियातेक ने वांग जियायू को 6-2, 6-3 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई। यह किसी बड़े टूर्नामेंट के शुरूआती दौर में उनकी लगातार 28वीं जीत है। ग्रैंड स्लैम के पहले दौर में उनकी एकमात्र हार 2019 विंबलडन में आई थी। डिफेंडिंग चैंपियन सबालेंका भी आगे टॉप सीड और मौजूदा चैंपियन आर्यना सबालेंका ने कैमिला ओसोरियो को 6-2, 6-4 से हराकर खिताब बचाने के अभियान की शुरूआत की। सबालेंका ने 32 विनर्स लगाए, हालांकि उनके खाते में 23 अनफोर्स्ड एरर्स और चार डबल फॉल्ट भी रहे। दूसरे सेट में 4-4 की स्थिति पर ओसोरियो का नौवां डबल फॉल्ट निर्णायक साबित हुआ। सबालेंका ने ब्रेक हासिल किया और फिर अपनी सर्विस बचाकर मैच जीत लिया। सबालेंका का अगला मुकाबला क्वालिफायर पोलिना इत्सेन्को से होगा, जिन्होंने रेनाटा जाराजुआ को 4-6, 6-4, 7-6(7) से हराया। अनिसिमोवा, मुचोवा और नोस्कोवा की भी जीत अमांडा अनिसिमोवा ने एश्लिन क्रूगर को 6-1, 6-3 से हराया। पिछले साल की यूएस ओपन फाइनलिस्ट का अगला मुकाबला ऑस्ट्रिया की युवा खिलाड़ी लिली टैगर से होगा। विंबलडन चैंपियन लिंडा नोस्कोवा ने केटी वोलिनेट्स के खिलाफ शानदार वापसी की। 2-5 से पिछड़ने और दो सेट पॉइंट का सामना करने के बावजूद नोस्कोवा ने पहला सेट 7-5 से जीता और फिर दूसरा सेट 6-1 से अपने नाम किया। उन्होंने आखिरी 12 गेम में से 11 जीते।

शेयर बाजार में मामूली गिरावट, सेंसेक्स 76,944 पर, निफ्टी 24,100 से नीचे बंद हुआ

नई दिल्ली। 1 सितंबर 2026 को भारतीय शेयर बाजार मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ। सेंसेक्स 76,944.28 पर और निफ्टी 24,055.80 पर रहा। मारुति और श्रीराम फाइनेंस के शेयरों में 5 फीसदी की बड़ी गिरावट दर्ज की गई। आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं। 1 सितंबर 2026 यानी मंगलवार को भारतीय शेयर बाजार मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ। प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी दोनों लाल निशान में कारोबार समाप्त किए। दिन भर के उतार-चढ़ाव के बाद बाजार ने स्थिरता खो दी। सेंसेक्स 12.99 अंक की गिरावट के साथ 76,944.28 पर बंद हुआ। यह कुल 0.01 फीसदी की बहुत मामूली कमी थी। वहीं, निफ्टी 24.61 अंक गिरकर 24,055.80 पर आ गया। निफ्टी में 0.10 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। बाजार बंद होने तक कई प्रमुख शेयरों में बिकवाली का दबाव देखा गया। डॉलर के मुकाबले रुपया 27 पैसे बढ़कर 94.95 (अस्थायी) पर बंद हुआ। निवेशकों ने कुछ खास शेयरों से दूरी बनाए रखी। आज बाजार का प्रदर्शन कैसा रहा? भारतीय शेयर बाजार में आज का दिन मामूली गिरावट वाला रहा। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ही सूचकांकों ने अपनी शुरूआती बढ़त को बरकरार नहीं रखा। दिन के अंत में दोनों प्रमुख सूचकांकों ने लाल निशान में कारोबार समाप्त किया। यह गिरावट बहुत बड़ी नहीं थी लेकिन इसने निवेशकों को सतर्क कर दिया। किन शेयरों में आई बड़ी गिरावट? आज के कारोबार में कुछ प्रमुख कंपनियों के शेयरों को बड़ा झटका लगा। मारुति के शेयर 5 फीसदी तक नीचे आ गए। इसी तरह, श्रीराम फाइनेंस के शेयरों में भी पांच फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। इन कंपनियों के निवेशकों को आज नुकसान उठाना पड़ा। बाजार विशेषज्ञों ने इन शेयरों में आई तेज गिरावट पर ध्यान दिया।

भारत की आर्थिक रफ्तार पर संदेह क्यों? जानकार बोले- बिना ठोस सबूत के निराशावाद फैलाना गलत

नई दिल्ली। क्या भारत की 7.8% जीडीपी विकास दर पर कोई संदेह है? यह असली है या महज आंकड़ों का उलटफेर? इस बारे में जानकारों की क्या राय है, आइए समझते हैं विस्तार से। भारत की आर्थिक विकास दर के ताजा आंकड़ों ने देश के नीतिगत गलियारों में फिर बहस छेड़ दी है। सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त

वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में देश की जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। पश्चिम एशिया के तनाव और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत की यह रफ्तार उम्मीद से अधिक रही है। इस मजबूत वृद्धि दर ने न केवल रिजर्व बैंक के सात प्रतिशत के अनुमान को पीछे छोड़ा है, बल्कि भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था भी बनाए रखा है। हालांकि, इन आंकड़ों के आते ही आर्थिक विशेषज्ञों और विपक्षी दलों के बीच तीखी बहस शुरू हो गई है। भारत की जीडीपी ग्रोथ के ताजा आंकड़े क्या कहते हैं? ताजा आंकड़ों में सबसे सकारात्मक संकेत मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर से मिला है। नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया के अनुसार, पहली तिमाही में इसमें 9.2 प्रतिशत की शानदार वृद्धि दर्ज की गई। यह वृद्धि पिछले वर्षों की निरंतरता को दर्शाती है, जब वित्त वर्ष 2024 में 12.7%, वित्त वर्ष 2025 में 9.3% और वित्त वर्ष 2026 में 10.7% की ग्रोथ देखी गई थी। हालांकि, मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने इन आंकड़ों को सांख्यिकीय कसरत (स्टैटिस्टिकल जिमनास्टिक्स) करार दिया है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि नॉमिनल और रियल जीडीपी के बीच का अंतर केवल 2.3 प्रतिशत दिखाया गया है, जो वास्तविक महंगाई से काफी कम है। उन्होंने दावा किया कि यदि ईमानदार आंकड़े दिए जाएं, तो वास्तविक वृद्धि बहुत कम होगी। भरोसेमंद आशावाद और चीयरलीडिंग में क्या अंतर है? आंकड़ों पर उठ रहे सवालों के बीच पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) कृष्णमूर्ति वी. सुब्रमण्यन ने विकास दर पर संदेह जताने वालों को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने कहा कि साक्ष्यों पर आधारित भरोसेमंद आशावाद (क्रेडिबल ऑप्टीमिज्म) को चियरलीडिंग नहीं कहा जा सकता। सुब्रमण्यन के अनुसार, बिना सबूत के सिर्फ आशावान होना हवाई सोच है, लेकिन बिना किसी ठोस साक्ष्य के लगातार निराशावाद फैलाना भी कोई बौद्धिक चतुराई या समझदारी नहीं है। उन्होंने याद दिलाया कि पांच साल पहले उन्होंने इस दशक में भारत की विकास दर सात प्रतिशत से अधिक रहने की भविष्यवाणी की थी, जो सच साबित हो रही है। वैश्विक संस्थाओं और आलोचकों के अनुमान क्यों गलत साबित हुए? पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार ने आईएमएफ जैसी वैश्विक संस्थाओं और कुछ अर्थशास्त्रियों पर भारत की प्रगति को लगातार कम आंकने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि आईएमएफ ने वित्त वर्ष 2024 से 2027 के लिए क्रमशः 6.6%, 6.3%, 6.2% और 6.1% की ग्रोथ का अनुमान लगाया था, जो वास्तविक दर से काफी कम रहे। सुब्रमण्यन के अनुसार, जब पूर्वानुमानों में गलतियां लगातार एक ही दिशा में हो रही हों, तो संस्थाओं को अपने तौर-तरीकों की समीक्षा करनी चाहिए। क्या जीडीपी के आंकड़ों में वाकई कोई बड़ी गड़बड़ी है? कृष्णमूर्ति सुब्रमण्यन ने पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार अरविंद सुब्रमण्यन के उस दावे को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत की जीडीपी विकास दर को हर साल लगभग 2.7 प्रतिशत बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया जाता है। कृष्णमूर्ति ने गणितीय विश्लेषण प्रस्तुत करते हुए कहा कि यदि विकास दर को सालाना 2.7 प्रतिशत बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया होता, तो 14 वर्षों में वास्तविक जीडीपी और घोषित जीडीपी के बीच 74.7 प्रतिशत का भारी अंतर आ जाता। जबकि भारत के जीडीपी आंकड़ों में बाद में किया गया संशोधन केवल तीन प्रतिशत के आसपास रहा है, जो कि अरविंद सुब्रमण्यन के दावों से बहुत कम है। उन्होंने साफ किया कि देश को अंध-आशावाद या आत्मसंतुष्टि की आवश्यकता नहीं है, लेकिन हमें पुरानी संकीर्ण सोच का कैदी भी नहीं बने रहना चाहिए।

पूर्व खिलाड़ियों ने जताई आपत्ति, मिकी आर्थर ने पीसीबी के कदम को बताया हास्यास्पद

कराची। इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में हार के बाद पाकिस्तान क्रिकेट में घमासान छिड़ा हुआ है। पीसीबी ने सात खिलाड़ियों और दो कोच को स्वदेश बुलाने का फैसला लिया, लेकिन पूर्व खिलाड़ियों ने बोर्ड की आलोचना की है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के इंग्लैंड में चल रही टेस्ट सीरीज के बीच में दो कोच और सात खिलाड़ियों को वापस स्वदेश भेजने के फैसले की पूर्व खिलाड़ियों ने कड़ी आलोचना की है। पाकिस्तान को तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले दो टेस्ट में शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा। उसे पहले मैच में पारी और 103 रन से, जबकि दूसरे मैच में 194 रन से हार झेलनी पड़ी। किन खिलाड़ियों को वापस बुलाया जिन खिलाड़ियों को वापस घर भेजा गया उनमें टी20 टीम के कप्तान सलमान अली आगा, पूर्व कप्तान मोहम्मद रिजवान और बल्लेबाज इमाम उल हक भी शामिल हैं। बर्मिंघम में नौ सितंबर से शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट के लिए युवा और अनुभवहीन खिलाड़ियों को टीम में शामिल किया गया है। मुख्य कोच सरफराज अहमद और गेंदबाजी कोच उमर गुल को भी हटा दिया गया है। पाकिस्तान के पूर्व विदेशी मुख्य कोच मिकी आर्थर ने इस फैसले को हास्यास्पद बताया। आर्थर ने सोशल मीडिया पर लिखा, पीसीबी का यह फैसला हास्यास्पद है। उनके खराब प्रदर्शन का कारण यही है कि वे लगातार खिलाड़ियों, कोच और चयनकताओं को बदलते रहते हैं और स्थिरता का कोई नामोनिशान नहीं है। अच्छी रणनीति, स्थिरता और संयोजन से ही बेहतर परिणाम हासिल किये जा सकते हैं। मियांदाद और लतीफ ने उठाए सवाल पाकिस्तान के पूर्व कप्तान जावेद मियांदाद ने कहा कि वह इस फैसले से हैरान हैं और उन्हें घर वापस भेजे गए खिलाड़ियों और यहां तक कि इंग्लैंड भेजे गए खिलाड़ियों के लिए भी दुख है। मियांदाद ने कहा, जिन खिलाड़ियों को वापस भेजा गया है, उनके लिए यह मानसिक आघात और उनके करियर पर एक धब्बा है। उनकी जगह लेने वाले खिलाड़ियों पर सीरीज में बचे एकमात्र टेस्ट मैच में बहुत अधिक दबाव होगा। पूर्व कप्तान राशिद लतीफ ने कहा कि बोर्ड के इस फैसले के विरोध में बाबर आजम को कप्तानी से इस्तीफा दे देना चाहिए था। लतीफ ने कहा, 'कप्तान और नेतृत्वकर्ता में फर्क होता है और बाबर ने चुप रहकर अपने खिलाड़ियों को अधर में छोड़ दिया।' पूर्व कप्तान मोइन खान ने कहा, अगर बोर्ड हार के सिलसिले को रोकने के लिए टीम में आमूलचूल परिवर्तन करना चाहता था तो उसे इंग्लैंड में चल रही सीरीज के अंत तक इंतजार करना चाहिए था। हेसन को कोच बनाने पर हैरान हुए मोहसिन पूर्व टेस्ट ओपनर मोहसिन खान ने आश्चर्य व्यक्त किया कि माइक हेसन के पास ऐसा कौन सा जादू

है कि उन्हें सिर्फ एक मैच शेष रहते हुए टेस्ट टीम का कोच नियुक्त कर दिया गया। उन्होंने कहा, मैं केवल यही उम्मीद कर सकता हूं कि कुछ नए खिलाड़ियों के साथ पाकिस्तान अंतिम टेस्ट में अच्छा प्रदर्शन करेगा लेकिन यह देखना होगा कि इस घटनाक्रम का खिलाड़ियों पर कितना असर पड़ता है। अफरीदी और शोएब ने कामकाज की आलोचना की पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी और शोएब मलिक ने भी पीसीबी के फैसले और कामकाज की आलोचना की। मलिक ने सोशल मीडिया पर लिखा, टीम से बाहर किए गए खिलाड़ी अभी भी हमारे राष्ट्रीय क्रिकेटर हैं जिन्होंने पाकिस्तान की सेवा की है। उनके लिए पहली फ्लाइट से वापस भेज दिया गया जैसे शब्दों का उपयोग अपमानजनक है। अफरीदी ने कहा कि सरफराज अहमद इतने कठोर फैसले के हकदार नहीं थे। उन्होंने कहा, केवल पांच मैचों के बाद किसी का मूल्यांकन कैसे किया जा सकता है। हैरान करने वाली बात यह है कि चयनकताओं ने इंग्लैंड में एक टेस्ट मैच के लिए टी20 में खेलने वाले खिलाड़ियों को भेजा है।

अर्धशतक से चूके वैभव सूर्यवंशी: पहली चार गेंदों पर जड़ी बाउंड्री, फिर यश ठाकुर की गेंद पर गंवा बैठे विकेट

बंगलूरू। सेंट्रल जोन और ईस्ट जोन के बीच दलीप ट्रॉफी का सेमीफाइनल मुकाबला खेला जा रहा है। वैभव सूर्यवंशी ने पहली पारी में शानदार प्रदर्शन किया था और दूसरी पारी में भी वह लय में दिख रहे थे। हालांकि, वैभव अर्धशतक लगाने से चूक गए। ईस्ट जोन के सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल मुकाबले की दूसरी पारी में अर्धशतक से चूक गए हैं। वैभव ने यश ठाकुर को अपने निशाने पर लिया उनकी पहली चार गेंदों पर बाउंड्री लगाई। लेकिन पांचवीं गेंद पर अपना विकेट गंवा बैठे। बंगलूरू के बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में खेले जा रहे इस मुकाबले के तीसरे दिन सेंट्रल जोन ने ईस्ट जोन के सामने 159 रनों का लक्ष्य रखा है। रजत पाटीदार ने पकड़ा कैच लक्ष्य का पीछा करते हुए वैभव सूर्यवंशी ने ईस्ट जोन को अच्छी शुरूआत दिलाई और लय में नजर आए। वैभव ने 43 गेंदों पर तीन

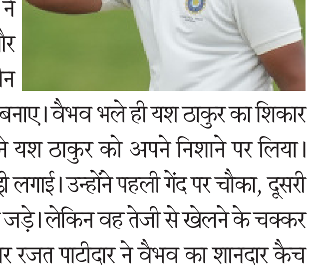

चौकों और दो छक्कों की मदद से 40 रन बनाए। वैभव भले ही यश ठाकुर का शिकार बने, लेकिन आउट होने से पहले उन्होंने यश ठाकुर को अपने निशाने पर लिया। वैभव ने यश की पहली चार गेंदों पर बाउंड्री लगाई। उन्होंने पहली गेंद पर चौका, दूसरी पर छक्का और अगली दोनों गेंदों पर चौके जड़े। लेकिन वह तेजी से खेलने के चक्कर में अपना विकेट गंवा बैठे। यश की गेंद पर रजत पाटीदार ने वैभव का शानदार कैच पकड़ा। वैभव ने अभिमन्यू ईश्वरन के साथ मिलकर पारी की शुरूआत की। वैभव ने इस दौरान संभलकर खेलना शुरू किया। उन्होंने आठवें ओवर की पहली गेंद पर आर्यन पांडे को छक्का जड़ा। मैच की बात करें तो ईस्ट जोन और सेंट्रल जोन ने पहली पारी में एक समान 266 रन बनाए। सेंट्रल जोन की दूसरी पारी तीसरे दिन 158 रन पर ऑलआउट हुई जिससे ईस्ट जोन को 159 रनों का लक्ष्य मिला है। पहली पारी में भी दिखा था दम इससे पहले, वैभव ने पहली पारी में भी अपना दम दिखाया था। उन्होंने 81 गेंदों पर सात चौकों और सात छक्कों की मदद से 92 रन बनाए। वैभव ने 15 साल 157 दिन की उम्र में अर्धशतक लगाकर दलीप ट्रॉफी में सबसे कम उम्र में अर्धशतक लगाने का 57 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा था। वह पहली पारी में शतक लगाने से चूक गए थे। ईस्ट जोन ने सेंट्रल जोन के खिलाफ शिकंजा कस लिया है और टीम फाइनल में पहुंचने के करीब है।

युद्ध से जूझते ईरान के बॉक्सर भारत में करेंगे तैयारी, आज पहुंच जाएंगे पटियाला

ईरानी। ईरानी टीम में कोच के अलावा 55 किलो भार वर्ग में मेहदी काजिमी, 60 किलो में 2021 विश्व चैंपियनशिप में ईरान के पहले पदक विजेता दानियाल शाहबख्श और प्लस 90 किलो में अमीरी इस्माइली वांदेई शामिल हैं। युद्ध से जूझ रहे ईरान की बॉक्सिंग टीम एशियाई खेलों की तैयारियां भारत में करेगी। तीन सदस्यीय ईरानी टीम अपने मुख्य प्रशिक्षक हुमायुं अमीरी के साथ एनआईएस पटियाला में एशियाई खेलों के लिए भारतीय बॉक्सरों के साथ तैयारियों को अंजाम देगी। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) ने कुछ माह पूर्व ईरान को भारतीय बॉक्सरों संग तैयारी का प्रस्ताव दिया था, पर युद्ध के चलते पैसे की कमी के कारण ईरान ने आने में असमर्थता जता दी। बीएफआई ने ईरानी टीम की यात्रा खर्च उठाने का आश्वासन दिया। इसके बाद ईरानी टीम सोमवार को इराक के नजफ से मुंबई के लिए रवाना हो गई। टीम मंगलवार को दिल्ली से पटियाला के लिए रवाना होगी। जहां पुरुष और महिला भारतीय बॉक्सर एशियाई खेलों की तैयारियों में जुटे हैं। विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता दानियाल भी शामिल ईरानी टीम में कोच के अलावा 55 किलो भार वर्ग में मेहदी काजिमी, 60 किलो में 2021 विश्व चैंपियनशिप में ईरान के पहले पदक विजेता दानियाल शाहबख्श और प्लस 90 किलो में अमीरी इस्माइली वांदेई शामिल हैं। साई एनआईएस में ठहराने की व्यवस्था कर रही है। बीएफआई का कहना है कि ईरानी टीम के साथ हमारे बॉक्सरों की भी एशियाड की तैयारी अच्छी तरह हो जाएगी। ईरानी टीम नौ सितंबर को वापस लौट जाएगी।

ईस्ट जोन ने फाइनल में बनाई जगह: दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल में सेंट्रल जोन को हराया, वैभव सूर्यवंशी का दिखा दम

बंगलूरू। ईस्ट जोन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सेंट्रल जोन को हराकर दलीप ट्रॉफी के फाइनल में जगह बना ली है। ईस्ट जोन के लिए वैभव सूर्यवंशी ने दमदार खेल दिखाया। वैभव ने पहली पारी में अर्धशतक लगाया, जबकि दूसरी पारी में 40 रन बनाए। ईस्ट जोन ने दलीप ट्रॉफी के पहले सेमीफाइनल में सेंट्रल जोन को चार विकेट से हराकर फाइनल में जगह बना ली है। सेंट्रल जोन की दूसरी पारी तीसरे दिन 158 रन पर ऑलआउट हुई जिससे ईस्ट जोन को जीत के लिए 159 रनों का लक्ष्य मिला। ईस्ट जोन ने दूसरी पारी में छह विकेट पर 162 रन बनाकर जीत दर्ज कर ली। ईस्ट जोन के लिए सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने सर्वाधिक रन बनाए। वैभव ने दूसरी पारी में 40 रन बनाए, जबकि कप्तान ईशान किशन ने 41 गेंदों पर चार चौकों और एक छक्के की मदद से नाबाद 39 रन बनाए। वैभव की धुआंधार पारी इससे पहले, ईस्ट जोन और सेंट्रल जोन ने पहली पारी में एक समान 266 रन बनाए। लेकिन ईस्ट जोन ने दूसरी पारी में शानदार गेंदबाजी की और सेंट्रल जोन को बड़ा स्कोर बनाने से रोका। वैभव ने अभिमन्यू ईश्वरन के साथ मिलकर पारी की शुरूआत की। वैभव ने इस दौरान संभलकर खेलना शुरू किया। उन्होंने आठवें ओवर की पहली गेंद पर आर्यन पांडे को छक्का जड़ा। बंगलूरू के बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में खेले गए इस मुकाबले में ईस्ट जोन के सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का दम दिखा। लक्ष्य का पीछा करते हुए वैभव सूर्यवंशी ने ईस्ट जोन को अच्छी शुरूआत दिलाई और लय में नजर आए। वैभव ने 43 गेंदों पर तीन चौकों और दो छक्कों की मदद से 40 रन बनाए। वैभव भले ही यश ठाकुर का शिकार बने, लेकिन आउट होने से पहले उन्होंने यश ठाकुर को अपने निशाने पर लिया। वैभव ने यश की पहली चार गेंदों पर बाउंड्री लगाई। उन्होंने पहली गेंद पर चौका, दूसरी पर छक्का और अगली दोनों गेंदों पर चौके जड़े। लेकिन वह तेजी से खेलने के चक्कर में अपना विकेट गंवा बैठे। यश की गेंद पर रजत पाटीदार ने वैभव का शानदार कैच पकड़ा। इससे पहले, वैभव ने पहली पारी में भी अपना दम दिखाया था। उन्होंने 81 गेंदों पर सात चौकों और सात छक्कों की मदद से 92 रन बनाए थे। लड़खड़ा गई थी ईस्ट जोन की पारी सूर्यवंशी के आउट होते ही ईस्ट जोन की पारी पर जैसे सन्नाटा छा गया। इसके बाद टीम नियमित अंतराल पर विकेट गंवाने लगी और लक्ष्य का पीछा अचानक मुश्किल नजर आने लगा।

अफगानिस्तान सीरीज के लिए भारतीय टी20 टीम घोषित: वैभव को मिला मौका, बुमराह का नाम सशर्त शामिल

नई दिल्ली। बीसीसीआई ने अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम का एलान कर दिया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम का एलान कर दिया है। भारतीय टीम श्रेयस अय्यर की कप्तानी में खेलने उतरेगी। इस टीम में सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को भी शामिल किया गया है। इस सीरीज के लिए टीम में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को भी शामिल किया गया है, लेकिन उनका खेलना फिटनेस पर निर्भर करेगा। दिल्ली में होंगे मुकाबले भारत और अफगानिस्तान के बीच सीरीज के तीनों मुकाबले दिल्ली के अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे। पहला टी20 13 सितंबर, दूसरा 15 सितंबर और तीसरा मुकाबला 17 सितंबर को होगा। यानी भारत और अफगानिस्तान के बीच पूरी टी20 सीरीज पांच दिनों के भीतर पूरी हो जाएगी। भारत और अफगानिस्तान के बीच हालिया क्रिकेट संबंध भी लगातार मजबूत हुए हैं। दोनों टीमों ने जून 2026 में तीन मैचों की वनडे सीरीज खेली थी। इसके अलावा जनवरी 2024 में दोनों देशों के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज भी हुई थी। सितंबर की आगामी टी20 सीरीज के बाद भारत और अफगानिस्तान तीनों फॉर्मेट में एक-दूसरे के खिलाफ मुकाबला कर चुके होंगे। चार खिलाड़ी फिटनेस पर निर्भर बीसीसीआई ने अफगानिस्तान के खिलाफ जो 15 सदस्यीय टीम घोषित की है उसमें चार खिलाड़ी ऐसे हैं जिनका खेलना तय नहीं है। इसका कारण यह है कि इन खिलाड़ियों का खेलना उनकी फिटनेस क्लीयरेंस पर निर्भर करता है। नीतीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, बुमराह और हर्षित राणा को अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज के लिए टीम में शामिल किया गया है, लेकिन इनका खेलना तय नहीं है। बीसीसीआई ने बताया कि इन चारों खिलाड़ियों का खेलना फिटनेस पर निर्भर करेगा। रिंकू सिंह को नहीं मिला मौका बीसीसीआई ने इस सीरीज के लिए मध्यक्रम के विस्फोटक बल्लेबाज रिंकू सिंह को मौका नहीं दिया है। रिंकू को इससे पहले इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई पांच मैचों की टी20 सीरीज में भी शामिल नहीं किया गया था। वहीं, 15 साल के वैभव सूर्यवंशी को एक बार फिर टीम में जगह दी गई है। दिलचस्प बात यह है कि संजू सैमसन भी जगह बनाने में सफल रहे हैं। वहीं, तिलक वर्मा उपकप्तान की जिम्मेदारी संभालते रहेंगे।

चीन, अमेरिका और भारत पर लगाया त्रासदी का आरोप, कहा– संकट आप लाए, कीमत चुकाओ

नई दिल्ली : नेपाल ने 26 अगस्त को भोटेकोशी नदी बेसिन में आई विनाशकारी अचानक बाढ़ से हुए नुकसान के बाद जलवायु मुआवजे और तत्काल वित्तीय सहायता की मांग तेज कर दी है। विदेश मंत्री शिशिर खनाल का कहना है कि ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में बेहद कम योगदान देने वाले नेपाल को जलवायु संकट की भारी कीमत चुकानी पड़ रही है, इसलिए सहायता को दान नहीं बल्कि कानूनी और नैतिक जिम्मेदारी के रूप में देखा जाना चाहिए। नेपाल ने लॉस एंड डैमेज फंड से भी पहली बार औपचारिक मदद मांगी है। नेपाल ने हाल ही में आई जानलेवा अचानक बाढ़ से हुई तबाही के लिए ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन करने वाले देशों से जलवायु संबंधी मुआवजा हासिल करने के लिए कूटनीतिक प्रयास शुरू कर दिए हैं। नेपाल का कहना है कि आपदा के बाद मिलने वाली सहायता को 'दान' के रूप में नहीं, बल्कि 'नैतिक जिम्मेदारी' के तौर पर देखा जाना चाहिए। कम उत्सर्जन के बावजूद ग्लोबल वार्मिंग की भारी कीमत चुका रहा नेपाल विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने कहा कि ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में 'बहुत कम' योगदान देने के बावजूद नेपाल ग्लोबल वार्मिंग के गंभीर परिणामों का सामना कर रहा है। इनमें ग्लेशियरों का तेजी से पिघलना और पहाड़ी क्षेत्रों में आने वाली विनाशकारी आपदाएं शामिल हैं। खनाल ने कांतिपुर टीवी को दिए एक इंटरव्यू में कहा, 'हम एक ऐसे वैश्विक संकट की भारी कीमत चुका रहे हैं, जिसे हमने पैदा नहीं किया। ग्लेशियरों का तेजी से पिघलना और पहाड़ों पर आने वाली ये विनाशकारी सुनामी ग्लोबल क्लाइमेट चेंज के सीधे नतीजे हैं।' इस इंटरव्यू के कुछ अंश मंगलवार को 'द काठमांडू पोस्ट' अखबार में प्रकाशित हुए। मदद से आगे बढ़कर न्याय और मुआवजे की मांग खनाल ने कहा कि नेपाल अपने कूटनीतिक नजरिए को 'मदद' से बदलकर 'न्याय और मुआवजे' की दिशा में ले जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह दान का मामला नहीं है; यह कानूनी और नैतिक जिम्मेदारी का मामला है। बड़े उत्सर्जक देशों से मुआवजे की मांग करेगा नेपाल खनाल ने कहा कि नेपाल अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इस मुद्दे को 'पूरी मजबूती और स्पष्टता' के साथ उठाएगा। उनका कहना है कि जलवायु परिवर्तन से नुकसान झेल रहे कमजोर देशों के लिए बड़े ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जक देशों से मुआवजे की मांग की जाएगी। यह सभ्यता के अस्तित्व का मामला है। अगर हमारे हिमालयी ग्लेशियर खत्म

हो जाते हैं, तो दक्षिण एशिया के दो अरब से ज्यादा लोगों की पानी की सुरक्षा हमेशा के लिए खतरे में पड़ जाएगी, जो गंगा और त्रिशूली जैसी नदियों पर निर्भर हैं। हम सिर्फ नेपाल के लिए नहीं, बल्कि दक्षिण एशियाई सभ्यता के अस्तित्व के लिए आवाज उठा रहे हैं। चीन, अमेरिका और भारत से मांगा मुआवजा खनाल ने बताया कि वित्त मंत्रालय ने आधिकारिक तौर पर अपने अंतरराष्ट्रीय सहयोगियों को जलवायु मुआवजे का दावा करते हुए पत्र भेज दिया है। मंत्री ने चीन, अमेरिका और भारत को दुनिया के तीन सबसे बड़े ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जक देशों के रूप में चिन्हित किया और कहा कि इन देशों की 'नेपाल जैसे कमजोर देशों को मुआवजा देने की ऐतिहासिक जिम्मेदारी' है। भारत लगातार जलवायु न्याय पर देता रहा है जोर भारत ने बार-बार क्लाइमेट इक्विटी यानी जलवायु न्याय पर जोर दिया है और प्रति व्यक्ति कम उत्सर्जन का मुद्दा उठाया है। भारत का तर्क है कि जलवायु से जुड़ी जिम्मेदारियां तय करते समय देशों के ऐतिहासिक उत्सर्जन, विकास की जरूरतों और उनकी क्षमताओं में अंतर को ध्यान में रखा जाना चाहिए। भारत का मानना है कि पश्चिमी देशों ने, जहां सबसे पहले औद्योगीकरण हुआ, वैश्विक कार्बन बजट का बड़ा हिस्सा इस्तेमाल कर लिया है। विकासशील देशों को नुकसान से उबरने में मदद के पक्ष में भारत नई दिल्ली ने कमजोर विकासशील देशों को हुए नुकसान और क्षति से निपटने के प्रयासों का समर्थन किया है। साथ ही भारत का कहना है कि विकसित देशों को ऐसे देशों को जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने में मदद के लिए जरूरी वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराने चाहिए। भोटेकोशी में 26 अगस्त को आई थी विनाशकारी बाढ़ 'द काठमांडू पोस्ट' अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, 26 अगस्त को भोटेकोशी नदी बेसिन में आई भीषण अचानक बाढ़ के बाद नेपाल ने 'लॉस एंड डैमेज फंड' (नुकसान और क्षति कोष) के बोर्ड से औपचारिक रूप से संपर्क कर तत्काल आर्थिक सहायता की मांग की है। उडढ27 में बना था फंड, उडढ28 में हुआ लागू लॉस एंड डैमेज फंड' की व्यवस्था 2022 में उडढ27 में बनाई गई थी और उडढ28 में इसे लागू किया गया था। दो मंत्रियों ने संयुक्त रूप से भेजा पत्र वित्त मंत्री स्वर्णिम वागले और वन एवं कृषि मंत्री गीता चौधरी के संयुक्त हस्ताक्षर वाले एक पत्र में इस विनाशकारी अचानक आई बाढ़ पर तत्काल कार्रवाई की मांग की गई। बाढ़ के कारण बड़े पैमाने पर जान-माल का नुकसान हुआ, लोग विस्थापित हुए और घरों के साथ-साथ जरूरी बुनियादी ढांचे को भी भारी नुकसान पहुंचा। 'नुकसान का पूरा पैमाना अभी तय नहीं' पत्र में कहा गया है, 'आर्थिक और गैर-आर्थिक नुकसान और क्षति का पूरा पैमाना अभी तय नहीं किया गया है; हालांकि, शुरूआती जानकारी से पता चलता है कि इसके परिणाम बहुत व्यापक हैं और नेपाल की तत्काल प्रतिक्रिया

जेलेंस्की बोले– मारे गए 12 लोगों में एक भारतीय नागरिक भी शामिल; हुआ और क्या नुकसान?

रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध में मंगलवार को हमलों का एक और बड़ा दौर देखने को मिला। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के अनुसार, रातभर हुए रूसी हवाई हमलों में 12 लोगों की जान गई, जिनमें एक भारतीय नागरिक भी शामिल है। हमलों में मिसाइलों और बड़ी संख्या में ड्रोन का इस्तेमाल किया गया, जिससे आवासीय इमारतों के साथ नागरिक और परिवहन ढांचे को नुकसान पहुंचा। रूस की ओर से यूक्रेन में रातभर किए गए बड़े हवाई हमले में मारे गए 12 लोगों में एक भारतीय नागरिक भी शामिल है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने मंगलवार को यह जानकारी दी। जेलेंस्की ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ₹कुल 12 लोग मारे गए, जिनमें एक भारतीय नागरिक भी शामिल है और हमले में दर्जनों अन्य लोग घायल हुए हैं।

जिन लोगों ने अपने परिवार और प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। हमले के बाद कई इलाकों में राहत और बचाव का काम जारी है। जेलेंस्की ने बताया कि कीव और आसपास के क्षेत्र में ही करीब 350 राहतकर्मी हमले के बाद के हालात से निपटने में जुटे हैं। उन्होंने कहा कि हमले में बड़ी संख्या में जेट से चलने वाले ड्रोन और बैलिस्टिक मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया। आवासीय इमारतों और नागरिक बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा है। रूस के हमलों को लेकर क्या बोले जेलेंस्की? जेलेंस्की के अनुसार, बोरिस्पिल में पांच मंजिला आवासीय इमारत क्षतिग्रस्त हुई और 50 लोगों को वहां से निकाला गया। शहर में चार लोगों की मौत हुई और 13 लोग घायल हुए हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति ने बताया कि ओडेसा और आसपास के क्षेत्र में भी पिछली शाम से निर्देशित हवाई बमों और ड्रोन से हमले जारी हैं। इन हमलों के कारण हजारों परिवार बिजली के बिना रह गए हैं और बिजली आपूर्ति बहाल करने का काम जारी है। उन्होंने कहा कि रोमानिया से लगी सीमा पर एक सीमा चौकी को जानबूझकर निशाना बनाया गया। निर्यात से जुड़े बुनियादी ढांचे को भी नुकसान पहुंचा है।

पहले पीएम मोदी को फोटो से हटाया, किरकिरी कराने के बाद पोस्ट की पूरी तस्वीर

इस्लामाबाद : शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन की एक तस्वीर को लेकर पाकिस्तान प्रधानमंत्री कार्यालय की सोशल मीडिया पोस्ट चर्चा में आ गई। तस्वीर में पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कुछ अन्य नेताओं को काट दिया गया था। इसके बाद पाकिस्तान प्रधानमंत्री कार्यालय ने वह तस्वीर हटा दी और पूरी तस्वीर दोबारा पोस्ट की, जिसमें पीएम मोदी समेत सभी नेता साफ दिखाई दे रहे हैं। हालाकि फिर शहबाज ने भी पूरी तस्वीर साझा की। आइए, विस्तार से पूरे मामले को समझते हैं पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया। सम्मेलन के बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया पर नेताओं की एक समूह तस्वीर साझा की, लेकिन इसमें पीएम मोदी और कुछ अन्य नेताओं को तस्वीर से हटा दिया गया था। इसके बाद तस्वीर को लेकर सोशल मीडिया पर सवाल उठने लगे। पाकिस्तान ने पीएम मोदी को तस्वीर से क्यों हटाया? पाकिस्तान प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से साझा की गई तस्वीर में शहबाज शरीफ को समूह के बीच में दिखाया गया था। जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से साझा की गई तस्वीर में पूरा समूह दिखाई दे रहा था और उसमें शहबाज शरीफ भी मौजूद थे। दोनों तस्वीरों की तुलना के बाद लोगों ने पाकिस्तान की पोस्ट पर सवाल उठाना शुरू कर दिया। इसके बाद शहबाज ने पूरी तस्वीर पोस्ट की। शहाबज की पोस्ट के बाद पीएमओ ने पुरानी फोटो डिलीट की और पूरी तस्वीर नई पोस्ट में डाली। सोशल मीडिया पर लोगों ने कैसे प्रतिक्रिया दी? कटी हुई तस्वीर सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने इसकी तुलना पूरी तस्वीर से की। कई लोगों ने मूल तस्वीर साझा करके दोनों पोस्ट के बीच अंतर दिखाया। कुछ लोगों ने शहबाज शरीफ को कटोरा पकड़े हुए दिखाने वाली तस्वीरें भी साझा कीं। यह प्रतिक्रिया शहबाज शरीफ के पुराने बयान की याद दिलाने के लिए थी, जिसमें उन्होंने आर्थिक मदद मांगने के लिए दुनिया भर में जाने की बात कही थी। एससीओ सम्मेलन में पीएम मोदी ने आतंकवाद पर क्या कहा? एससीओ देशों ने आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद के खिलाफ मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता जताई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि संगठन को आतंकवाद और उसकी फंडिंग के पूरे तंत्र को खत्म करने के लिए एकजुट होकर काम करना चाहिए। उन्होंने आतंकवाद से निपटने में किसी भी तरह के दोहरे मापदंड की गुंजाइश नहीं होने की बात कही। पीएम मोदी ने यह भी कहा कि दुनिया के सभी युद्ध और विवाद बातचीत और कूटनीति से सुलझाए जाने चाहिए, क्योंकि युद्ध के मैदान से कोई समाधान नहीं निकल सकता।

विदेश की खबर: 1996 में रैप स्टार टुपाक शकूर की हत्या के मामले में डुआने डेविस दोषी करार, हो सकती है ये सजा?

रैप जगत के दिग्गज टुपाक शकूर की 1996 में हुई हत्या के मामले में डुआने ₹केफ डी₹ डेविस को जूरी ने प्रथम डिग्री हत्या का दोषी करार दिया है। इस फैसले के साथ उस मामले में लंबे समय बाद एक अहम पड़ाव आया है, जिसने दशकों से हिप-हॉप प्रशंसकों और अपराध विशेषज्ञों का ध्यान अपनी ओर खींचे रखा था। 63 वर्षीय डेविस को घातक हथियार के इस्तेमाल के साथ हत्या के एक मामले में दोषी ठहराया गया है। उसे उम्रकैद की सजा हो सकती है। लास वेगास में कई सप्ताह तक चली सुनवाई के बाद जूरी ने तीन घंटे से भी कम समय तक विचार-विमर्श किया और सोमवार को अपना फैसला सुनाया। फैसला सुनाए जाने के बाद शकूर की बहन सेकिवा ₹सेट₹ शकूर रो पड़ीं और उन्होंने अभियोजकों को गले लगाया। वहीं डेविस के बेटे ने अपना चेहरा एक हाथ से ढक लिया। मुख्य उप जिला अटॉर्नी बिनु पलाल ने सोमवार को अपनी अंतिम दलील में जूरी से कहा कि डेविस ने बंदूक हासिल की। इसके बाद शकूर और डेथ रो रिकॉर्ड्स के सह-संस्थापक मैरियन ₹सुज₹ नाइट की तलाश में निकल पड़ा था। इससे पहले उसी रात इन लोगों ने डेविस के भतीजे के साथ मारपीट की थी। पलाल ने कहा कि डेविस टुपाक शकूर की हत्या के लिए जिम्मेदार है और जूरी को उसे दोषी करार देना चाहिए। अभियोजन पक्ष के मुताबिक, वर्षों के दौरान डेविस ने अपने बयान बदले, लेकिन उसने बार-बार खुद को उस सफेद कैडिलैक में मौजूद बताया, जिससे शकूर पर गोलियां चलाई गई थीं। अभियोजकों का कहना था कि भले ही डेविस ने खुद गोली नहीं चलाई, लेकिन उसने गोलीबारी का आदेश दिया था। कार में मौजूद कम उम्र के लोग, जिनमें उसका भतीजा भी शामिल था, एक प्रभावशाली गैंग नेता के तौर पर उसकी बात सुनते थे। हालांकि, डेविस के बचाव पक्ष के वकील माइकल सैनफ्ट ने जूरी से सवाल किया कि क्या ऐसा कोई सबूत है जिससे पता चलता हो कि डेविस ने गोलीबारी से पहले या बाद में कभी किसी हत्या के लिए आदेश दिया था। 16 सदस्यों वाली जूरी में चार वैकल्पिक सदस्य थे। नौ दिनों की सुनवाई के दौरान जूरी ने अभियोजन पक्ष के 24 और बचाव पक्ष के तीन गवाहों की गवाही सुनी। अभियोजन पक्ष ने कहा कि गवाहों से जुड़ी व्यावहारिक समस्याओं के कारण गैंग से जुड़ा अतिरिक्त आरोप हटा दिया जाएगा। चीन में जन्मदर में तेज गिरावट 2025 में जन्मे 79.2 लाख बच्चे चीन में आबादी बढ़ाने की कोशिशों के बावजूद जन्मदर में फिर गिरावट दर्ज की गई है। 2025 में देश में 79.2 लाख बच्चों का जन्म हुआ, जबकि इस दौरान 1.13 करोड़ लोगों की मौत हुई। इसके साथ चीन की प्राकृतिक जनसंख्या वृद्धि दर घटकर शून्य से 2.41 प्रति हजार नीचे पहुंच गई। यह आंकड़ा 2024 में दर्ज -0.99 प्रति हजार की तुलना में कहीं अधिक नकारात्मक है। चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग की ओर से शुक्रवार को जारी 2025 के स्वास्थ्य विकास संबंधी सांख्यिकीय बुलेटिन में यह जानकारी सामने आई। अमेरिका में केरल की दो महिलाओं की हत्या अमेरिका के कैलिफोर्निया में केरलम की दो महिलाओं की हत्या कर दी गई। मृतक महिलाओं की दोस्त कोट्टयम की अनिला को हत्या के शक में अमेरिकी पुलिस की हिरासत में है। तीनों महिलाएं एक ही अपार्टमेंट में रहती थीं। आरोप है कि अनिला ने एन पर चाकू से हमला किया और बाद में कार से अंजना को टक्कर मार दी। मृतकाओं की पहचान त्रिशूर के मुडिक्कोड की रहने वाली अंजना और तिरुवनंतपुरम के केशवदासपुरम की रहने वाली एन मैथ्यू के तौर पर की गई। अंजना के रिश्तेदार विनोद के मुताबिक, अंजना 2021 में अमेरिका गई थीं। उनके पति विजीश और छह साल की बेटी सदमे में हैं। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को व्हाइट हाउस को 40 करोड़ डॉलर के बॉलरूम परियोजना पर निर्माण जारी रखने की अनुमति दी। यह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए एक जीत है। मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स ने इस आदेश से असहमति जताई। उन्होंने तीन उदारवादी न्यायाधीशों के साथ इसे ₹संभवतः गैरकानूनी₹ बताया। बहुमत ने परियोजना की वैधता पर निर्णय नहीं दिया। उन्होंने पाया कि नेशनल ट्रस्ट फॉर हिस्टोरिक प्रिजर्वेशन के पास इसे चुनौती देने का कानूनी अधिकार नहीं था। ट्रंप प्रशासन ने हस्तक्षेप का अनुरोध किया था। निचली अदालतों ने कांग्रेस की मंजूरी न होने के कारण काम रोकने का आदेश दिया था। प्रशासन ने राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं का हवाला दिया। 90,000 वर्ग फुट का यह बॉलरूम अगस्त 2028 तक पूरा होने की उम्मीद है। बिश्केक में विश्व घुमंतू खेलों का उद्घाटन, प्रधानमंत्री मोदी भी रहे मौजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को किर्गिज राजधानी बिश्केक में विश्व घुमंतू खेलों के उद्घाटन समारोह में भाग लिया। इस दौरान उनके साथ कई एससीओ नेता भी मौजूद थे।

सैलाब के बीच मजबूती से खड़ा रहा 'हरा घर', मकान मालिक ने बताया उस दिन कैसे थी परिवार की हालत?

नेपाल : नेपाल के नुवाकोट में 26 अगस्त की भीषण बाढ़ के बीच करीब 40 साल पुराना हरा मकान लगभग सुरक्षित खड़ा रहा। मालिक प्रकाश ने परिवार के साथ ऊपरी मंजिल पर शरण ली। आखिर कैसे बचा यह घर? परिवार का रेस्क्यू कैसे हुआ? आइए, सबकुछ विस्तार से जानते हैं नेपाल में 26 अगस्त को आई विनाशकारी बाढ़ ने नुवाकोट जिले में भारी तबाही मचाई। त्रिशूली नदी का पानी इतना उफान पर था कि आसपास की इमारतें, वाहन और सामान तक बह गए। लेकिन इस तबाही के बीच एक हरे रंग का करीब 40 साल पुराना मकान लगभग सुरक्षित खड़ा रहा। बाढ़ के बाद इसकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बने हुए हैं। मकान के मालिक प्रकाश ने बताया कि बाढ़ का पानी घर में दाखिल होने के बाद परिवार के छह सदस्यों ने ऊपरी मंजिलों पर पहुंचकर जान बचाई। पानी चौथी मंजिल तक पहुंच गया था, जिसके बाद परिवार को मकान के सबसे ऊपरी हिस्से में जाना पड़ा। करीब डेढ़ घंटे तक परिवार बाढ़ के बीच फंसा रहा, जिसके बाद आसपास के लोगों ने पाइप और रस्सी की मदद से उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला। बाढ़ के बीच कैसे बचा परिवार? प्रकाश ने बताया कि वह पास की अपनी दुकान पर थे, तभी उन्हें नदी का पानी बढ़ने की जानकारी मिली। वह तुरंत घर पहुंचे और परिवार के सदस्यों को ऊपर जाने के लिए कहा। बाहर निकलकर देखा तो बाढ़ का तेज बहाव उनका वाहन भी बहा चुका था। इसके बाद वह दोबारा घर के अंदर चले गए। घर में उस समय प्रकाश समेत परिवार के छह लोग मौजूद थे। परिवार पहले चौथी मंजिल पर पहुंचा, लेकिन पानी वहां तक भी आने लगा। इसके बाद सभी लोग मकान के सबसे ऊपरी हिस्से में चले गए। हालांकि, प्रकाश का एक बेटा उस समय स्कूल गया हुआ था और घर पर नहीं था। बाढ़ के बीच उन्हें लगातार अपने बेटे की चिंता सताती रही। 40 साल पुराने मकान में ऐसा क्या था? प्रकाश के मुताबिक, यह मकान करीब चार दशक पुराना है। उनका मानना है कि उस समय निर्माण सामग्री की गुणवत्ता बेहतर थी। नदी के बेहद करीब होने के कारण मकान बनाते समय उसकी नींव को भी मजबूत रखने पर खास ध्यान दिया गया था। उन्होंने बताया कि सुरक्षा के लिहाज से नींव के नीचे सड़क निर्माण में इस्तेमाल होने वाली सामग्री की दो-तीन परतें भी डाली गई थीं। इसी वजह से मकान का आधार काफी मजबूत बना। हालांकि, मकान पूरी तरह बाढ़ से अछूता नहीं रहा। निचले हिस्से में मौजूद दुकान और गोदाम को भारी नुकसान पहुंचा। बड़ी मात्रा में सामान बह गया, जबकि दो वाहन, बाइक और स्कूटर भी बाढ़ की चपेट में आ गए। पाइप और रस्सी से कैसे हुआ परिवार का रेस्क्यू? बाढ़ के सबसे भयावह दौर में परिवार करीब एक से डेढ़ घंटे तक मकान के ऊपरी हिस्से में फंसा रहा। जब पानी का स्तर थोड़ा कम हुआ तो पास के टोल क्षेत्र से कुछ लोग उनकी मदद के लिए पहुंचे। बचाव के लिए लोगों ने दोनों इमारतों के बीच एक पाइप लगाया। इसके बाद रस्सी की मदद से परिवार तक पहुंच बनाई गई और सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। इस तरह बाढ़ के बीच फंसे परिवार की जान बच सकी। 'जो कुछ था, या तो बह गया या मिट्टी में दब गया' बाढ़ के बाद परिवार के सामने अपनी जिंदगी को दोबारा पटरी पर लाने की चुनौती है। घर और दुकान में बची हुई चीजों को सुरक्षित स्थान पर ले जाने का काम किया जा रहा है।

वचनामृत (शरणों के वचन)

डॉ प्रभाशंकर 'प्रेमी'
प्रोफेसर (से. नि.), बेंगलूरू विश्वविद्यालय, बेंगलूरू

घर देखो तो गरीब हैं,
मन देखो तो अमीर!
स्पर्श पर भी शुद्ध हैं, सर्वेंद्रिय जित हैं। संग्रह के लिए मौका नहीं, तत्काल जो मिलता उतना ही। कूडलसंग के शरण स्वतंत्र हैं, धीर हैं।

इस वचन में बसवण्णा शरण के स्वभाव पर प्रकाश डालते हैं। शरण के घर देखे तो गरीब है, परंतु उनका मन घन है, मनसे धनी हैं, महान हैं। वे अंगना के स्पर्श पर भी शुद्ध हैं। वे संग्रही नहीं। तत्काल जो मिलता है उसी में तृप्त। कूडलसंगम के शरण स्वतन्त्र हैं धीर हैं।

ट्रंप के खिलाफ रुख पर पीएम मार्क कार्नी को जनता का समर्थन, तीनों उपचुनाव में लिबरल पार्टी की बड़ी जीत

कनाडा : पिछले साल कनाडा में हुए आम चुनाव में मार्क कार्नी की लिबरल पार्टी को जीत मिली थी। उनकी जीत में ट्रंप की ओर से कनाडा को लेकर दिए गए बयानों और उसे अमेरिका में मिलाने की धमकियों के खिलाफ कनाडाई जनता की नाराजगी की भी बड़ी भूमिका मानी गई थी। कार्नी ने सत्ता संभालने के बाद से ही अमेरिका पर कनाडा की आर्थिक निर्भरता कम करने की बात कही है। कनाडा में प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की लिबरल पार्टी ने तीन सीटों पर हुए विशेष चुनावों में जीत हासिल की है। इन नतीजों को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ व्यापार विवाद के बीच कार्नी सरकार के रुख के समर्थन के तौर पर देखा जा रहा है। खास बात यह है कि लिबरल पार्टी ने क्यूबेक की वह सीट भी विपक्षी कंजर्वेटिव पार्टी से छीन ली, जो 2018 से उसके पास थी। कनाडा की राष्ट्रीय समाचार एजेंसी द कैनेडियन प्रेस के अनुसार, लिबरल पार्टी ने क्यूबेक की चिकोटिमी-ले फियोर्ड, टोरंटो की बीचेज-ईस्ट यॉर्क और ब्रिटिश कोलंबिया की नॉर्थ वैंकूवर-कैपिलानो सीट पर जीत दर्ज की है। प्रधानमंत्री कार्नी ने इन नतीजों को अपनी सरकार की नीतियों पर जनता के भरोसे के रूप में बताया। उन्होंने कहा कि कनाडा के लिए यह बेहद महत्वपूर्ण समय है और ऐसे समय में मतदाताओं ने उनकी सरकार की योजना पर भरोसा जताया है। कंजर्वेटिव पार्टी के गढ़ में बड़ा उलटफेर तीनों सीटों में सबसे बड़ा उलटफेर क्यूबेक की चिकोटिमी-ले फियोर्ड सीट पर हुआ। यहां लिबरल उम्मीदवार डैनियल गोबील ने जीत हासिल की। यह सीट 2018 से कंजर्वेटिव पार्टी के पास थी। इस इलाके में एल्युमिनियम उद्योग, डेयरी फार्म और कई अन्य उद्योग हैं। अमेरिका और कनाडा के बीच चल रहे व्यापार विवाद का इन क्षेत्रों पर सीधा असर पड़ रहा है।

PRINTED PUBLISHED AND OWNED BY ASHT BHUJA PANDEY AND PRINTED AT MNS PRINTERS PVT. LTD., NO. 345/4, BHATTARAHALLI, OLD MADRAS ROAD, BANGLORE KARNATAKA- 560049 AND PUBLISHED AT NO. 62, SAGAR SADAN, 3RD FLOOR, 7TH CROSS NEAR MUNESHWARA SWAMY MARIKAMBA TEMPLE, PILLARODDY NAGAR, CHIKKA-BANASWADI, BANGALORE NORTH, BANGALORE KARNATAKA-560043, EDITOR: BANDANA PANDEY, FOR-EDITORIAL 080-485-41870/8660106725, ADVERTISEMENT: 7892477134 E-MAIL HINDSAGARPLK@GMAIL.COM, RNI NO. KARHIN/2021/82440